Page 11

खेल

वैभव सबसे युवा अर्धशतकवीर, मयंक की भी यादगार वापसी बतौर कप्तान श्रेयस की...

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

देश

जालना को आर्थिक संजीवनी, महाराष्ट्र में किसानों को 1.14 लाख करोड़ की राहत...

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, ज्येष्ठा, विक्रम संवत् 2083 • औरंगाबाद • शनिवार • 25 जुलाई 2026 • वर्ष 28 • अंक 233 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,32,300	₹ 2,35,000

आज का इतिहास

2007 : प्रतिभा पाटिल ने भारत की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

1813 : भारत में पहली बार नौका दौड़ प्रतियोगिता कलकत्ता (अब कोलकाता) में आयोजित हुई।

1977 : नीलम संजीव रेड्डी भारत के छठे राष्ट्रपति बने।

न्यूज बाइट्स

20 साल आरजेडीमें रहे, अब बीजेपी के हुए मृत्युंजय तिवारी

पटना (नि.सं.)। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के अंतिम दिन भी सियासी तापमान चढ़ा हुआ है। एक ओर सदन में विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच टकराव के आसार हैं। दूसरी ओर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को बड़ा राजनीतिक झटका लगने जा रहा है। पार्टी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का दामन थाम लिया। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। मौके पर पूर्व मंत्री मंगल पांडेय समेत कई नेता मौजूद रहे।

श्रावणी मेला के लिए प्रशासनिक तैयारी तेज

पटना (नि.सं.)। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला-2026 के सफल आयोजन को लेकर बिहार सरकार ने प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी हैं। देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा मेला क्षेत्र में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सामान्य प्रशासन विभाग ने बिहार प्रशासनिक सेवा (बीएएस) के अधिकारियों की बड़े पैमाने पर प्रतिनियुक्ति की है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश संख्या-13504 के अनुसार बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को बांका, भागलपुर तथा समाहर्ता नियंत्रण कक्ष में तैनात किया गया है। सभी अधिकारियों को श्रावणी मेले के दौरान सौंपे गए दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने का निर्देश दिया गया है।

नीट पेपर लीक : प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक ने पब्लिक एग्जामिनेशंस एक्ट, 2024 को दी मंजूरी

संशोधित कानून को कैबिनेट की मंजूरी, 10 साल की सजा और ₹10 करोड़ जुर्माने का प्रावधान

एजेंसी | नई दिल्ली

देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक को लेकर जारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 को और अधिक कठोर बनाने के लिए संशोधन प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार आगामी सप्ताह से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में इस संशोधित विधेयक को पेश करने की तैयारी कर रही है। संशोधित विधेयक में पेपर लीक कराने वाले गिरोहों और इसके संगठित नेटवर्क पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, पेपर लीक जैसे गंभीर अपराध में दोषी पाए जाने पर अधिकतम 10 वर्ष के कठोर कारावास तथा 10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखना और अभ्यर्थियों का विश्वास बहाल करना है।

नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक को लेकर देश के कई हिस्सों में छात्रों द्वारा प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार देर रात छात्रों के नाम लगभग 2 मिनट 56 सेकंड का वीडियो संदेश सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी किया। अपने संदेश में उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी मेहनत के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और परीक्षा प्रणाली को निष्पक्ष एवं विश्वसनीय बनाने के लिए सरकार हर आवश्यक कदम उठा रही है। सरकार का मानना है कि संशोधित कानून लागू होने के बाद पेपर लीक माफियाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने में मदद मिलेगी।

जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने सीजेपी नेताओं संघ की बैठक

बैठक में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने सीजेपी के नेताओं से बातचीत की। बैठक में आंदोलन और सीजेपी की मांगों पर चर्चा होनी थी, लेकिन फिलहाल दोनों पक्षों की ओर से यह नहीं बताया गया है कि बातचीत में क्या फैसला हुआ।

विधानसभा सत्र के अंतिम दिन हंगामा, छात्र प्रदर्शन और कथित फायरिंग के मुद्दे पर पांच मिनट सदन स्थगित

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के पांचवें एवं अंतिम दिन शुक्रवार को भी विधानसभा की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गई। छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई कथित फायरिंग का मुद्दा उठते ही सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। लगातार शोर-शराबे और नारेबाजी के कारण कार्यवाही शुरू होने के महज पांच मिनट बाद ही विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की बैठक दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई कथित फायरिंग का मुद्दा उठाया। विधायक राजू तिवारी ने घटना की निंदा करते हुए सदन में निंदा प्रस्ताव लाने की मांग की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से शांति बनाए रखने और सभी को अपनी बात रखने का अवसर देने की अपील की। राजद विधायक आलोक मेहता ने आरोप लगाया कि छात्रों पर गोली चलाई गई है। उनके इस बयान पर भाजपा विधायकों ने कड़ा विरोध जताया। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कहा कि जो लोग पुलिसकर्मियों और जनप्रतिनिधियों पर जानलेवा हमला करते हैं, उन्हें छात्र नहीं कहा जा सकता। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और निंदा प्रस्ताव लाने की मांग की। दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप बढ़ने के साथ ही कई विधायक वेल में पहुंच गए। सदन में लगातार हंगामा और नारेबाजी के कारण विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।

26 जुलाई तक सोशल मीडिया पर रोक

छात्र आंदोलन और संभावित उपद्रव की आशंका को देखते हुए बिहार सरकार ने मुजफ्फरपुर के कुछ क्षेत्रों में सोशल मीडिया और मैसेजिंग सेवाओं पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह प्रतिबंध 24 जुलाई दोपहर 12:30 बजे से 26 जुलाई सुबह 10:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। यह आदेश मुजफ्फरपुर पुलिस सब-डिवीजन टाउन-1 और टाउन-2 क्षेत्र में लागू किया गया है। सरकार का कहना है कि अफवाहों, भ्रामक सूचनाओं और भड़काऊ संदेशों के प्रसार को रोकने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

बिहार बंद आज, छात्र संगठनों के प्रदर्शन को लेकर प्रशासन अलर्ट

राज्यभर में पुलिस की छुट्टियां रद्द

निज संवाददाता | पटना

छात्र संगठनों द्वारा शुक्रवार को घोषित बिहार बंद को लेकर राज्यभर में प्रशासन अलर्ट मोड में है। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र का भी शुक्रवार को अंतिम दिन है। ऐसे में पटना समेत कई जिलों में छात्र संगठनों के प्रदर्शन की संभावना को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) और रिवोल्यूशनरी यूथ एसोसिएशन (आरवाईए) ने पटना में लोकभवन मार्च के दौरान छात्रों पर हुए लाठीचार्ज, गिरफ्तारी और मुकदमे दर्ज किए जाने के विरोध में बिहार बंद का आह्वान किया है। दोनों संगठनों ने छात्रों, युवाओं और आम लोगों से शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से बंद में भाग लेने की अपील की है।

एआईएसए ने 22 जुलाई को हुए घटनाक्रम को ब्लैक डे बताते हुए 23 और 24 जुलाई को प्रतिरोध दिवस मनाने तथा 25 जुलाई को बिहार बंद आयोजित करने की घोषणा की थी। संगठन का दावा है कि पुलिस लाठीचार्ज में बड़ी संख्या में छात्र घायल हुए हैं। इससे पहले गुरुवार को नीट पेपर लीक, शिक्षा एवं परीक्षा व्यवस्था में सुधार, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग तथा छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में पटना सहित कई स्थानों पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे।

इधर, 22 जुलाई को हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मामले में बिहार पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। सीसीटीवी और वीडियो फुटेज के आधार पर 117 संदिग्धों की तस्वीरें जारी की गई हैं। उनकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बिहार पुलिस मुख्यालय ने 24 जुलाई से राज्यभर के पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की सभी प्रकार की छुट्टियां अगले आदेश तक रद्द कर दी हैं। पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि केवल विशेष परिस्थितियों में ही अवकाश स्वीकृत किया जाएगा। राज्यभर में संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सौंपा नियुक्ति पत्र

भारतीय क्रिकेटर आकाश दीप और मुकेश कुमार बने डीएसपी

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार की मेडल लाओ, नौकरी पाओ योजना के तहत भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप और मुकेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पद पर सीधी नियुक्ति दी गई है। शुक्रवार को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दोनों खिलाड़ियों को नियुक्ति (ऑफर) पत्र सौंपा। इस दौरान दोनों क्रिकेटरों ने मंच पर मुख्यमंत्री के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया। दोनों खिलाड़ियों की नियुक्ति बिहार उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी नियुक्ति (संशोधन) नियमावली, 2026 के तहत की गई है। राज्य सरकार का उद्देश्य उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानजनक सरकारी सेवा प्रदान कर उन्हें खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना है। सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव सिद्धेश्वर चौधरी द्वारा गृह विभाग को भेजे गए प्रस्ताव के बाद दोनों खिलाड़ियों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई। सरकार द्वारा जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि मुकेश कुमार ने चीन के हांगझोउ में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य के रूप में स्वर्ण पदक जीतने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

अन्य खिलाड़ियों को भी मिलेगी सीधी नियुक्ति

सरकार की इस योजना के तहत उत्कृष्ट खिलाड़ियों को डीएसपी, दारोगा, पंचायती राज पदाधिकारी सहित विभिन्न उपयुक्त पदों पर सीधी नियुक्ति दी जा रही है। खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को आधुनिक खेल अवसंरचना, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए हरसंभव सहयोग उपलब्ध करा रही है।

सरकारी स्कूलों में हाफ डे पर सरकार गंभीर, एक हफ्ते में फैसला : सीएम

- निर्णय विद्यार्थियों और शिक्षकों के हित को ध्यान में रखकर होगा।
- विधान परिषद में एमएलसी नवल किशोर यादव, संजीव सिंह और जीवन कुमार ने यह मुद्दा उठाया।
- प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षकों को प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति का मुद्दा भी सदन में उठा।

निज संवाददाता | पटना

बिहार के सरकारी विद्यालयों में शनिवार को हाफ डे (आधे दिन की पढ़ाई) लागू करने की मांग पर राज्य सरकार जल्द निर्णय ले सकती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विधान परिषद में कहा कि इस प्रस्ताव पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है और एक सप्ताह के भीतर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार विद्यार्थियों और शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं का अध्ययन कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जो भी निर्णय होगा, वह शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के हित में होगा।

विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान एमएलसी नवल किशोर यादव, संजीव सिंह और जीवन कुमार ने सरकार से पूछा कि सरकारी विद्यालयों में शनिवार को हाफ डे व्यवस्था कब से लागू की जाएगी। इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित सभी पहलुओं की समीक्षा की जा रही है और सात दिनों के भीतर इस संबंध में फैसला ले लिया जाएगा।

सदन में प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षकों को प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति देने का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया गया। एमएलसी नवल किशोर यादव, वंशीधर बृजवासी और जीवन कुमार ने कहा कि इस मामले में उच्च न्यायालय ने चार माह के भीतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, लेकिन अब तक आदेश का पूर्ण पालन नहीं हो सका है। इस पर शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि मामले को विधि विभाग के पास कानूनी राय के लिए भेजा जाएगा। वहां से राय प्राप्त होने के बाद आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

19 अपर जिला परिवहन पदाधिकारियों का तबादला, कई जिलों में नई तैनाती

- अजय कुमार हांसदा (गया), राजू कुमार (मोतिहारी), पल्लवी कुमारी (छपरा), शारदा नंदन राजू (नालंदा) को नई जिम्मेदारी।

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार के परिवहन विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और विभागीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। विभाग द्वारा जारी अधिसूचना (ज्ञापांक-6174) के तहत 19 अपर जिला परिवहन पदाधिकारियों (एडीटीओ) एवं समकक्ष अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण और नवपदस्थापन किया गया है। संयुक्त सचिव इंदु कुमारी के हस्ताक्षर से जारी आदेश में सभी अधिकारियों को तत्काल अपने नए पद पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। राजधानी पटना में सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन और वाहन पंजीकरण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जीशान अहमद और करिश्मा सिंह को नया अपर जिला परिवहन पदाधिकारी बनाया गया है। वहीं पटना में कार्यरत पिंकू कुमार का तबादला सिवान कर दिया गया है। इसके अलावा अजय कुमार हांसदा को गया, राजू कुमार को मोतिहारी, पल्लवी कुमारी को छपरा तथा शारदा नंदन राजू को नालंदा में एडीटीओ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परिवहन विभाग मुख्यालय में कार्यरत जितेंद्र कुमार और दिव्य प्रकाश को मैदानी जिम्मेदारी देते हुए क्रमशः भोजपुर और नवादा का अपर जिला परिवहन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं अमित कुमार को भागलपुर में सचिव (मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण) के साथ-साथ एडीटीओ का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन अधिकारियों का स्थानांतरण किसी अन्य जिले में नहीं हुआ है, वे मुख्यालय में ही अपना योगदान देंगे।

परिवहन विभाग का मानना है कि इस फेरबदल से वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस जांच, परमिट वितरण, चालान प्रक्रिया और राजस्व संग्रह में तेजी आएगी। साथ ही ओवरलोडिंग और यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई कर सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाएगा।

डिप्लोमा फार्मासिस्ट के 24 लंबित अभ्यर्थियों की मेधा सूची जारी

पटना(नि.सं.)। पटना। बिहार तकनीकी सेवा आयोग (बीटीएससी) ने डिप्लोमा फार्मासिस्ट भर्ती प्रक्रिया से जुड़े 24 लंबित अभ्यर्थियों की मेधा सूची शुक्रवार को जारी कर दी। आयोग के इस निर्णय से लंबे समय से परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों में खुशी की लहर है। अब चयनित अभ्यर्थियों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से नियुक्ति आदेश जारी होने की उम्मीद बढ़ गई है। गौरतलब है कि बिहार तकनीकी सेवा आयोग द्वारा राज्य के स्वास्थ्य विभाग में 2473 नियमित डिप्लोमा फार्मासिस्ट पदों पर नियुक्ति के लिए चयन प्रक्रिया संचालित की गई थी। आयोग ने कुछ दिन पूर्व अंतिम परिणाम जारी करते हुए 872 अभ्यर्थियों के चयन की अनुशंसा की थी। हालांकि, तकनीकी एवं प्रशासनिक कारणों से 24 अभ्यर्थियों की मेधा सूची लंबित रह गई थी, जिससे संबंधित अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। शुक्रवार को आयोग ने लंबित अभ्यर्थियों का परिणाम जारी कर चयन प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा कर लिया। इसके साथ ही इन अभ्यर्थियों के लिए भी नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। अब सभी की निगाहें स्वास्थ्य विभाग पर टिकी हैं, जहां से नियुक्ति आदेश जारी किया जाना है। इस बीच छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद कुमार चौधरी ने आयोग के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों को राहत मिली है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से आग्रह किया कि चयनित 24 अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए जल्द से जल्द आदेश जारी किया जाए।

31 मार्च 2026 होगी कट-ऑफ तिथि, पहली बार पांच वर्ष की सेवा शर्त में मिलेगी छूट

ई-शिक्षाकोष पोर्टल से होगा शिक्षकों का तबादला, नई गाइडलाइन जारी

निज संवाददाता | पटना

बिहार शिक्षा विभाग ने शिक्षक स्थानांतरण नियमावली-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी कर दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अब शिक्षकों के स्थानांतरण से संबंधित पूरी प्रक्रिया केवल ई-शिक्षाकोष पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन संचालित होगी। इसके लिए पोर्टल पर विशेष ट्रांसफर मॉड्यूल विकसित किया जा रहा है। किसी अन्य माध्यम से भेजे गए आवेदन या शिकायत पर विचार नहीं किया जाएगा। नई गाइडलाइन के अनुसार पहली बार स्थानांतरण के लिए न्यूनतम पांच वर्ष की सेवा की अनिवार्यता में छूट दी गई है। हालांकि, प्रोबेशन अवधि में कार्यरत शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक स्थानांतरण के लिए पात्र नहीं होंगे। शिक्षकों की सेवा अवधि और अनुभव की गणना के लिए 31 मार्च 2026 को कट-ऑफ तिथि निर्धारित की गई है। पिछले दो वर्षों में पारस्परिक (म्यूचुअल) सहित स्थानांतरण प्राप्त कर चुके शिक्षक भी इस चरण में आवेदन कर सकेंगे। शिक्षा विभाग ने स्कूलों में आवश्यकता से अधिक पदस्थापित अधिशेष (सरप्लस) शिक्षकों की सूची भी पोर्टल पर जारी करने का निर्णय लिया है। जिन शिक्षकों की किसी विद्यालय में पदस्थापना पांच वर्ष या उससे अधिक समय से है, उन्हें अधिशेष माना जाएगा। ऐसे शिक्षकों को कम से कम 30 रिक्त पदों वाले विद्यालयों का विकल्प देना होगा। यदि कोई शिक्षक अंतर-जिला या अंतर-प्रमंडल स्थानांतरण चाहता है तो उसे पांच-पांच जिलों अथवा प्रमंडलों का विकल्प चुनना होगा। विभाग के अनुसार स्थानांतरण प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी। सबसे पहले विद्यालयों में समायोजन (रैशनलाइजेशन) होगा, इसके बाद पारस्परिक स्थानांतरण के मामलों का निपटारा किया जाएगा और अंत में रिक्त पदों के आधार पर सामान्य स्थानांतरण किया जाएगा। यदि एक ही विद्यालय के लिए एक से अधिक शिक्षक आवेदन करते हैं, तो प्वाइंट आधारित प्रणाली के तहत अधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षक को प्राथमिकता मिलेगी।

नई व्यवस्था में 31 मार्च 2026 तक 58 वर्ष की आयु पूरी कर चुके शिक्षकों को विशेष राहत दी गई है। ऐसे शिक्षकों का स्थानांतरण उनकी इच्छा के बिना नहीं किया जाएगा। वहीं, असाध्य रोग, दिव्यांगता अथवा गंभीर बीमारी से पीड़ित शिक्षकों के दावों की पुष्टि मेडिकल बोर्ड से कराई जाएगी। शिक्षा विभाग ने साथ ही स्थानांतरण से संबंधित पूर्व में जारी सभी गाइडलाइन और लंबित आवेदनों को निरस्त करने की भी घोषणा की है।

हिमाचल में लैंडस्लाइड से 13 की हुई मौत

नई दिल्ली(ए.)। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में शुक्रवार को उदयपुर-किलाड़ सड़क पर कड़ू नाला के पास हुए भीषण भूस्खलन की चपेट में एक टाटा सूमो टैक्सी आ गई। वाहन में 15 लोग सवार थे, जिनमें से 13 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद राहत एवं बचाव कार्य जारी है। गुजरात में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। वलसाड जिले के उमरगाम क्षेत्र में 16 घंटे के दौरान लगभग 43 इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया। नवसारी में बाढ़ में फंसे लोगों को हेलिकॉप्टर की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि अहमदाबाद, सूरत, वाव और थराद सहित कई क्षेत्रों में जलभराव से जनजीवन प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। उत्तर प्रदेश में पिछले 10 दिनों से जारी बारिश के कारण गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं।

27 दिन बाद सोनम वांगचुक ने खत्म किया अनशन सरकार के लिखित आश्वासन के बाद लिया फैसला

एजेंसी | नई दिल्ली

नीट पेपर लीक के विरोध में पिछले 27 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने गुरुवार देर रात अपना अनशन समाप्त कर दिया। गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में नड्डा ने उन्हें जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। शुक्रवार सुबह जारी वीडियो संदेश में वांगचुक ने बताया कि पिछले दो दिनों से सरकार के साथ लगातार बातचीत चल रही थी। इस दौरान उनकी तीन प्रमुख मांगों पर चर्चा हुई। सरकार की ओर से इन मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने भूख हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया।

वांगचुक के अनुसार, सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर कोई नया मामला दर्ज नहीं करने, पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने के मुद्दे पर संसद में चर्चा कराने तथा आंदोलन के दौरान आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों को उचित मुआवजा देने का आश्वासन दिया है।

हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर सरकार की ओर से कोई आश्वासन नहीं मिला। वांगचुक ने कहा कि उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण छात्रों पर कार्रवाई रुकवाना और उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल सुनिश्चित करना था।

वहीं, वांगचुक के अनशन समाप्त करने का स्वागत करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने खुशी जताई। हालांकि उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

नारदीगंज ,नवादा। प्रखंड मुख्यालय स्थित पेंशनर भवन नारदीगंज में शुक्रवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन सीएचसी नारदीगंज के सौजन्य से किया गया था। जिसकी अध्यक्षता सभापति प्रवीण कुमार ने किया।आयोजित शिविर में दर्जनों पेनशरों का स्वास्थ्य जांच किया गया। डॉ प्रवीण कुमार ने सभी का स्वास्थ्य जांच किया। जांचोपरांत सभी को आवश्यक दवाई और परमर्श दिया गया। एएनएम रिंकी कुमारी ने सभी पेंशनरों का बीपी और खून जाँच किया।मौके पर बलिराम प्रसाद सिंह, रामशरण सिंह, यमुना सिंह, कैलाश प्रसाद, भुनेश्वर प्रसाद, सिया शरण दास, नरेश कुमार, रघुनंदन प्रसाद,राम लखन प्रसाद, सुखदेव प्रसाद समेत दर्जनों पेनशर मौजूद थे।

विधि-व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने निकाला संयुक्त फ्लैग मार्च

नवादा वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर जिले में शांति, सामाजिक सौहार्द एवं विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से आज जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान के संयुक्त नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च समाहरणालय परिसर से प्रारंभ होकर भगत सिंह चौक, नवीन नगर, हरिश्चंद्र स्टेडियम, प्रजातंत्र चौक होते हुए पुनः समाहरणालय परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। इस दौरान प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा आमजन से शांति एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने तथा कानून का पालन करने की अपील की। फ्लैग मार्च में सहायक समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी,गोपनीय शाखा प्रभारी, यातायात उपाधीक्षक, नवादा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नवादा सदर, सहित अन्य दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल के जवान उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त बनाने और स्वास्थ्य सेवाओं को हर दरवाजे तक पहुँचाने के लिए एक महा-अभियान चलाया जा रहा है

कटिहार। डीएम आशुतोष द्विवेदी के कुशल मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में जिले को टीबी मुक्त बनाने और स्वास्थ्य सेवाओं को हर दरवाजे तक पहुँचाने के लिए एक महा-अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिले की सभी 230 पंचायतों में प्रतिदिन विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। व्यापक स्वास्थ्य जाँचः शिविरों में टीबी रोगियों की पहचान/स्क्रीनिंग, गर्भवती महिलाओं की नियमित प्रसवपूर्व जाँच, तथा डायबिटीज और उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) जैसी गंभीर बीमारियों की जाँच और परामर्श एक ही छत के नीचे मिल रहा है। जाँच के दौरान चिन्हित मरीजों को तुरंत आवश्यक दवाइयाँ, चिकित्सीय परामर्श और नियमित फॉलो-अप की सुविधा दी जा रही है। जिले में प्रतिदिन लगभग 35,000 लोगों के स्वास्थ्य की जाँच और स्क्रीनिंग की जा रही है, जिससे समय पर बीमारियों की पहचान संभव हो रही है। हर शनिवार 'संध्या चौपाल': ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर शनिवार पंचायतों में संध्या चौपाल का आयोजन किया जा रहा है।

सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहन राशि की जानकारीः चौपाल के माध्यम से संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन कार्यक्रमों (बंध्याकरण, अंतरा इंजेक्शन, आईयूसीडी आदि) और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। कटिहार जिले के सभी सम्मानित नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपने पंचायत में आयोजित होने वाले इन विशेष स्वास्थ्य शिविरों एवं 'संध्या चौपाल' में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें।

कटिहार मद्य निषेध टीम ने अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया

कटिहार। डीएम के निर्देश के आलोक में कटिहार मद्य निषेध टीम द्वारा जिले में अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर अवैध शराब के कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया है। सहायक थाना क्षेत्र के चंडाल चौक से अभियुक्त करण कुमार को 9.250 लीटर विदेशी शराब/बीयर के साथ गिरफ्तार किया गया। पीएनटी चौक से अभियुक्त संजय कुमार को 3.750 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। नगर थाना क्षेत्र के शिवमंदिर चौकः अभियुक्त डोमनी देवी को 5.000 लीटर चुलाई शराब के साथ पकड़ा गया। मनिहारी थाना क्षेत्र के नया टोला पगला बाड़ीः अभियुक्त माणिकचंद सहनी को 5.000 लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। उत्पाद नियमों का उल्लंघन करने वाले सभी गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल हाजत भेज दिया गया है। कटिहार प्रशासन अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ पूरी तरह सख्त है तथा जिले में यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से चार लोगों की दर्दनाक मौत, दो गंभीर रूप से घायल

सांगोवर गांव में छाया मातमी सन्नाटा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नारदीगंज (नवादा)। थाना क्षेत्र के सांगोवर गांव में शुक्रवार की दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से एक बड़ा हादसा हो गया। खेत में धान की रोपनी के दौरान अचानक हुए वज्रपात की चपेट में आने से चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से झुलस कर घायल हो गईं। इस हृदयविदारक घटना की खबर मिलते ही गांव तथा आसपास के इलाकों में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मिली जानकारी के अनुसार, वर्तमान में खेती-बारी का मौसम चल रहा है और गांव के निकट राजगीर पहाड़ के समीप स्थित खेतों में कई ग्रामीण धान रोपनी के लिए गए हुए थे। शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे के आसपास अचानक मौसम का मिजाज बदला और मूसलाधार बारिश के साथ तेज बिजली चमकने लगी। बारिश और कड़कती बिजली से बचने के लिए खेत में काम कर रहे 10 से 15 लोग पास ही स्थित आम और बरगद के पेड़ के नीचे चले गए। इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली उसी वृक्ष पर गिर पड़ी, जिससे वहां मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए।

इस हादसे में सांगोवर गांव निवासी शंभु यादव (44 वर्ष, पिता- चंद्रिका प्रसाद यादव), सोनू कुमार (तकरीबन 10 वर्ष, पिता- मिथिलेश कुमार), मदन राजवंशी (55 वर्ष, पिता- भुनेश्वर राजवंशी) और मुनेश्वर राजवंशी (55 वर्ष, पिता- दुखन राजवंशी) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, शोभा देवी (40 वर्ष, पति- लालजीत यादव) तथा सुनीता देवी (40 वर्ष, पति- कवींद्र प्रसाद) गंभीर रूप से जख्मी हो गईं, जबकि बाकी अन्य लोग बाल-बाल बच गए।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और पुलिस-प्रशासन को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष राजेश कुमार, सीओ रईस आलम और बीडीओ सोनिया ढनढननिया दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने चारों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया, वहीं घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में भर्ती कराया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ रईस आलम ने कहा कि आपदा प्रबंधन कोष से सभी पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं बीडीओ सोनिया ढनढननिया ने बताया कि आवेदन प्राप्त होते ही पारिवारिक लाभ योजना के तहत पीड़ित परिवारों को 20 हजार रुपये दिए जाएंगे। घटना की खबर सुनते ही समाजसेवी भोला यादव, मुरारी यादव, दीपक कुमार बाला जी, रंजय कुमार, सुरेंद्र कुमार, पिंटू साव, सरयुग यादव, सतीश कुमार, दीपू यादव, रामवरन यादव समेत काफी संख्या में लोग सीएचसी पहुंचे और शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाते हुए शीघ्र क्षतिपूर्ति राशि देने की मांग की।

सात निश्चय के तहत जिले के विभिन्न कार्यालयों में हुई सुनवाई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय "सबका सम्मान–जीवन आसान (Ease of Living)" के अंतर्गत आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं का सरल, सुलभ एवं सम्मानजनक लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक सप्ताह सोमवार एवं शुक्रवार को जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश के निर्देशानुसार आज जिले के ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई आयोजित कर आमजनों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई।

जिला स्तर पर समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी,श्री रवि प्रकाश के निर्देश के आलोक में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री शम्भू शरण पाण्डेय ने की। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा कुल 38 शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए गए। इनमें से कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर परिवादियों को राहत प्रदान की गई, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया गया।

जनसुनवाई के दौरान थाना मुफस्सिल अंतर्गत ग्राम सादीपुर की माधुरी कुमारी ने बिजली बिल में सुधार से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। थाना थाली अंतर्गत ग्राम पत्थल चट्टी के नितीश कुमार ने चापाकल स्थापना की मांग की। थाना थाली के ग्राम डेरा निवासी सुमित कुमार ने जन्म प्रमाण-पत्र निर्गत कराने के संबंध में आवेदन दिया। वहीं थाना सिरदला अंतर्गत ग्राम सिंधौल के सोनू कुमार यादव ने अतिक्रमण से संबंधित शिकायत दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त अन्य परिवादियों द्वारा भी विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों को जनसुनवाई में प्रस्तुत किया गया।

जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री शम्भू शरण पाण्डेय ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

इसी क्रम में नवादा सदर एवं रजौली अनुमंडल सहित जिले के सभी ग्राम पंचायतों, थानों, अंचलों, प्रखंडों, अनुमंडलों एवं अन्य जिला स्तरीय सरकारी कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई, जहां नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की गई।

कोचिंग संस्थानों के संचालकों के साथ जिला प्रशासन की बैठक, विद्यार्थियों को हिंसा से दूर रखने पर जोर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान की संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में नवादा शहर के सभी कोचिंग संस्थानों के संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी कोचिंग संचालकों से अनुरोध किया गया कि वे अपने संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को वर्तमान परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में उचित मार्गदर्शन प्रदान करें। उनसे कहा गया कि वे विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की हिंसा का सहारा नहीं लेने, सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति को क्षति नहीं पहुँचाने तथा कानून का पालन करने के प्रति जागरूक करें।

साथ ही कोचिंग संचालकों से अपील की गई कि वे इस बात के प्रति सतर्क रहें कि उनके छात्रों के बीच कोई असामाजिक तत्व शामिल होकर उन्हें किसी भी गैर-कानूनी गतिविधि के लिए प्रेरित न कर सके। बैठक में उपस्थित सभी कोचिंग संस्थानों के संचालकों ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे अपने संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को संयम, शांति एवं कानून के प्रति जागरूक करेंगे तथा उन्हें हिंसा, तोड़फोड़ एवं किसी भी प्रकार की गैर-कानूनी गतिविधि से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

बैठक में सहायक समाहर्ता, नवादा, अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नवादा सदर, के साथ-साथ सभी कोचिंग संस्थानों के संचालक उपस्थित थे।

प्रधान शिक्षक के प्रथम कार्यवर्ष पर विद्यालय में हुआ अतिथि भोज

भोज में शामिल बच्चे एवं अन्य

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नरहट (नवादा): प्रखंड के शेखपुरा पंचायत स्थित नव सृजित प्राथमिक विद्यालय, गोसपुर में शुक्रवार को प्रधान शिक्षक कृष्णनंदन कुमार के प्रथम कार्यवर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विद्यालय परिसर में अतिथि भोज का आयोजन किया गया। आयोजन मध्याह्न भोजन प्रभारी चंद्रभूषण कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में प्रधान शिक्षक कृष्णनंदन कुमार, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, संकुल के मास्टर ट्रेनर नवीन कुमार, शिक्षा समिति की सदस्य खतीजा खातून, रेहाना खातून, पूनम देवी, सैयद इबरार सहित पोषक क्षेत्र के ग्रामीण एवं अभिभावक शामिल हुए। सभी अतिथियों ने बच्चों के साथ भोजन कर उनका उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय में नामांकित 103 विद्यार्थियों में से 81 बच्चों ने अतिथि भोज में भाग लिया। आयोजन को लेकर बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। उपस्थित लोगों ने इस तरह के कार्यक्रमों को विद्यालय और समुदाय के बीच बेहतर समन्वय तथा बच्चों में विद्यालय के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

रजौली में राशन कार्ड निर्माण को लेकर आपूर्ति पदाधिकारी की ताबड़तोड़ बैठकें, पंचायतों में बांटे जा रहे हैं फॉर्म

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड क्षेत्र में नए राशन कार्ड बनाने और प्रक्रिया को सुगम बनाने के उद्देश्य से आपूर्ति पदाधिकारी अजीत कुमार द्वारा विभिन्न पंचायतों में लगातार बैठकें की जा रही हैं, जिसके तहत रजौली पूर्वी, रजौली पश्चिमी और जोगियामारण पंचायत के डीलरों तथा जन प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में आपूर्ति पदाधिकारी अजीत कुमार ने उपस्थित सभी डीलरों को निर्देशित किया कि नए राशन कार्ड बनाने के लिए प्रपत्र 'क' और प्रपत्र 'ख' का फॉर्म भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय में जमा कराना सुनिश्चित किया जाए, जिसकी प्रक्रिया बीस तारीख से लगातार जारी है। बैठक के दौरान यह विशेष रूप से बताया गया कि नया राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदनकर्ताओं को जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है ताकि सत्यापन कार्य सुगमता से पूरा किया जा सके। इस समीक्षा बैठक में जोगियामारण के पैक्स अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार के साथ-साथ विक्रेता बोलेंद्र प्रसाद सिंह, दरोगी साव, ललन गुप्ता, गोलु कुमार, रामसंजीवन सिंह, दिलीप चौधरी, नवीन कुमार, विकास कुमार, संजय कुमार और कुंदन कुमार सहित कई प्रमुख डीलर और ग्रामीण उपस्थित रहे। एमओ अजीत कुमार द्वारा प्रत्येक पंचायत में और क्षेत्र में जाकर खुद डीलरों, मुखियाओं तथा विकास मित्रों से समन्वय स्थापित किया जा रहा है ताकि रजौली क्षेत्र के निर्धारित छह हजार राशन कार्ड के लक्ष्य को शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ प्राप्त किया जा सके। एनएफएसए नियमों के तहत लगभग पचासी प्रतिशत आबादी को इसका लाभ मिलना है,और प्रशासनिक स्तर पर तय किए गए इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एमओ द्वारा प्रत्येक दिन प्रत्येक पंचायत के डीलरों से मिलकर युद्ध स्तर पर कार्य कराया जा रहा है,जिससे आम जनता और जरूरतमंदों को समय पर नए राशन कार्ड का लाभ मिल सके।

बैठक में डीलरों से चर्चा करते एमओ

भीम आर्मी, फिजिकल अकादमी एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण बैठक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा जिला पदाधिकारी, नवादा रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में भीम आर्मी, विभिन्न फिजिकल अकादमियों एवं अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी ने सभी प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने-अपने संगठन के सदस्यों एवं समर्थकों को शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने अनुरोध किया कि वर्तमान परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में सभी संगठनों के प्रतिनिधि अपने सदस्यों को उचित मार्गदर्शन प्रदान करें तथा उन्हें किसी भी प्रकार की हिंसा, तोड़फोड़ अथवा सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति को क्षति पहुँचाने जैसी गतिविधियों से दूर रहने के लिए जागरूक करें। साथ ही सभी से कानून का पूर्णतः पालन करने की अपील की गई।

जिला पदाधिकारी ने प्रदर्शन के लिए निर्धारित रूट (मार्ग) एवं जिला प्रशासन द्वारा की गई आवश्यक तैयारियों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सभी संगठन अपने-अपने सदस्यों को निर्धारित मार्ग एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से अवगत कराएं तथा उनका शत-प्रतिशत अनुपालन करने का अनुरोध किया गया।

बैठक में उपस्थित सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे अपने-अपने संगठन के सदस्यों को शांतिपूर्ण एवं अनुशासित ढंग से अपनी बात रखने, निर्धारित रूट का पालन करने तथा जिले में शांति, सौहार्द एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रेरित करेंगे।

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नवादा सदर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (मुख्यालय), अन्य पुलिस पदाधिकारी तथा भीम आर्मी, विभिन्न फिजिकल अकादमियों एवं अन्य संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

डीएम एवं एसपी की संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

राजेंद्र स्टेडियम में पुलिस बल की विभिन्न टुकड़ियों एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा आकर्षक परेड का आयोजन होगा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कटिहार। 15 अगस्त 2026 समारोह को भव्य, गरिमामय एवं हर्षोल्लास वातावरण में आयोजित करने को लेकर विकास भवन सभागार में डीएम आशुतोष द्विवेदी एवं एसपी परिचय कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में समारोह की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को समयबद्ध ढंग से आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान पिछले वर्ष के आयोजन की तैयारियों एवं अनुभवों की समीक्षा की गई। विभिन्न विभागों से प्राप्त सुझावों एवं फीडबैक के आधार पर इस वर्ष की तैयारियों को और बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। डीएम आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि पूर्व वर्षों की भांति इस बार भी स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे उत्साह, गरिमा और राष्ट्रीय भावना के साथ मनाया जाएगा।

बैठक में निर्णय लिया गया कि समारोह में जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों, गणमान्य व्यक्तियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ आम नागरिकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। राजेंद्र स्टेडियम में पुलिस बल की विभिन्न टुकड़ियों एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा आकर्षक परेड का आयोजन होगा। डीएम एवं एसपी ने संबंधित अधिकारियों को राजेंद्र स्टेडियम की साफ-सफाई, रंग-रोगन, मंच निर्माण, विशिष्ट अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सुरक्षा, पेयजल, विद्युत एवं अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं स्वतंत्रता दिवस से पूर्व हर हाल में पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समारोह का सीधा प्रसारण सोशल मीडिया, फेसबुक, वेबकास्ट एवं केबल टीवी के माध्यम से किया जाएगा, ताकि जिले के लोग अपने घरों से भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देख सकें। इसके लिए तकनीकी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए। जिला पदाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता एवं समन्वय के साथ निर्वहन करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, नगर आयुक्त, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर), प्रभारी पदाधिकारी राजस्व, सामान्य एवं गोपनीय शाखा, निदेशक डीआरडीए, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, समादेष्टा गृह रक्षा वाहिनी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बिहारशरीफ में छात्र आंदोलन,हुड़दंग मचाने वाले 500 लोगों पर एफआईआर

नालन्दा। छात्र आंदोलन के नाम पर बिहारशरीफ में पिछले दो दिनों से जारी उपद्रव और विधि-व्यवस्था भंग करने के मामले में नालंदा पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। बिना अनुमति के प्रदर्शन करने, गलत नारेबाजी करने और यातायात व्यवस्था को बाधित करने के आरोप में पुलिस के बयान पर 500 अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ बिहार थाना में मामला दर्ज किया गया है। सदर डीएसपी अमरनाथ ने जानकारी दी है कि पुलिस अब शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर लगे सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर उपद्रवियों की पहचान कर रही है। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीएसपी ने स्पष्ट कर दिया है कि शांति और व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पिछले दो दिनों से बिहारशरीफ की सड़कों पर कुछ अलग-अलग समूहों की ओर से छात्रों की आड़ में प्रदर्शन किया जा रहा था। दिल्ली में हुए नीट प्रोटेस्ट के दौरान पुलिस कार्रवाई के विरोध के नाम पर निकाले गए इन जुलूसों में असामाजिक तत्व पीछे से शामिल हो गए। इन प्रदर्शनों के दौरान बिना अनुमति जुलूस निकाले गए हैं। आपत्तिजनक और गलत नारेबाजी की गई है। इसके अलावा शहर की यातायात और विधि-व्यवस्था को गंभीर रूप से बाधित किया गया, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

युवाओं से पुलिस की खास अपीलः प्रशासन ने जिले के युवाओं और विद्यार्थियों से अपील की है कि वे किसी के बहकावे में न आएं। पुलिस ने चेतावनी दी है कि बिना अनुमति के निकाले जाने वाले किसी भी प्रोटेस्ट या जुलूस में शामिल होने से बचें, अन्यथा पुलिस की कार्रवाई की चपेट में आ सकते हैं।

पेड़ की टहनी गिरने से रेलकर्मी की मौत, घर से पैदल ही ड्यूटी के लिए थे, अचानक बारिश शुरू हो गई

गयाजी। गया-कोडरमा रेलखंड पर पेड़ की टहनी गिरने से रेलकर्मी की मौत हो गई। मृतक की पहचान चंद्रिका यादव(56) के तौर पर हुई है। फतेहपुर थाना क्षेत्र के बाभनीमा गांव के रहने वाले थे। रेलवे में ग्रुप-डी के पद पर कार्यरत थे। घटना टनकुप्पा स्टेशन के पास की है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह मौसम अचानक खराब हो गया। इलाके में तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश हो रही थी। चंद्रिका यादव रोज की तरह ड्यूटी पर जाने के लिए घर से निकले थे। पैदल ही स्टेशन के अप लाइन के पास पहुंचे। इस दौरान आंधी के कारण एक बड़े पेड़ की टहनी टूटकर उनके ऊपर गिर गई। टहनी बहुत भारी थी और सीधे उनके ऊपर आ गिरी। भागने या बचने का मौका ही नहीं मिला। सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई, जिससे मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। तुरंत परिजनों को जानकारी दी गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। इस दुखद हादसे पर रेलवे कर्मचारियों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। घटना के काफी देर बाद तक स्थानीय पुलिस और जीआरपी टीम नहीं पहुंची थी। जीआरपी पुलिस के आने के बाद ही शव को कब्जे में लिया जाएगा। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा जाएगा। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

6% कमीशन के लिए रची 'फर्जी' अपहरण की साजिश, नालंदा में तीन बदमाश गिरफ्तार

साइबर ठगों ने परिजनों से ऐंठे 2.5 लाख

नालंदा। नालंदा के कतरीसराय थाना क्षेत्र में एक फर्जी अपहरण और फिरौती का मामला सामने आया है। छह प्रतिशत कमीशन के लालच में साइबर ठगों को अपना बैंक खाता किराये पर देने गए एक युवक के अपहरण की झूठी कहानी रची गई। साइबर पुलिस की ओर से गिरफ्तारी का डर दिखाकर ठगों ने युवक के परिजनों से ढाई लाख रुपये ऐंठ लिए। राजगीर डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने 48 घंटे के अंदर मामले का भंडाफोड़ करते हुए 'अपहृत' युवक को छपरा से बरामद कर लिया है, साथ ही गिरोह के तीन शातिरों को गिरफ्तार किया है। अहियाचक निवासी चंदन कुमार ने 21 जुलाई को पुलिस में शिकायत दी थी कि उनका छोटा भाई शिव कुमार वर्मा सुबह दवा लाने के बहाने पटना गया था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। उसी रात करीब पौने एक बजे चंदन के मोबाइल पर व्हाट्सएप कॉल आई।

फोन करने वाले ने कहा कि शिव को साइबर पुलिस ने पकड़ लिया है और उसे छोड़ने के एवज में ढाई लाख रुपये की मांग की। घबराए परिजनों ने बताए गए खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की।

6 प्रतिशत कमीशन का था लालचः राजगीर डीएसपी संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया। जांच में पता चला कि यह अपहरण का मामला नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश थी। शिव कुमार खुद साइबर ठगी करने वाले गिरोह के संपर्क में था। वह छह प्रतिशत कमीशन के बदले अपना बैंक खाता ठगों को उपलब्ध कराने गया था। बाद में ठगों ने ही साइबर थाना की ओर से गिरफ्तारी की झूठी कहानी गढ़कर उसके परिजनों को डराया और फिरौती वसूल ली।

तीन आरोपित गिरफ्तार, फरार की तलाश जारीः पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और बैंकिंग लेनदेन की जांच के बाद कार्रवाई करते हुए शिव कुमार वर्मा को छपरा कचहरी से सकुशल बरामद कर लिया। इस मामले में पुलिस ने नालंदा के लहेरी थाना क्षेत्र स्थित रामचन्द्रपुर बस स्टैंड निवासी 36 साल के सुधीर कुमार, पटना के धनरूआ थाना क्षेत्र स्थित जलालपुर निवासी 27 वर्षीय जितेन्द्र कुमार और खगड़िया के चौथम थाना क्षेत्र स्थित भुतौली माल्पा निवासी 41 वर्षीय अनुपम कुमार को गिरफ्तार किया है। अनुपम वर्तमान में पटना के दानापुर स्थित वेस्ट जजेज कॉलोनी में रह रहा था। जांच में यह बात भी सामने आई है कि परिजनों की ओर से दी गई फिरौती की रकम एक अन्य फरार आरोपित के खाते में गई थी। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। डीएसपी ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति को कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड या अन्य बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध न कराएं। ऐसे मामलों में शामिल होना स्वयं एक गंभीर अपराध है। किसी भी संदिग्ध कॉल या साइबर ठगी की सूचना तुरंत पुलिस या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें।

कार्रवाई में ये पुलिसकर्मी थे शामिलः इस खुलासे और छापेमारी टीम में राजगीर डीएसपी के निर्देश पर गिरियक अंचल के पुलिस निरीक्षक सुमंत कुमार, कतरीसराय थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार कुशवाहा, कतरीसराय थाने के दारोगा आदित्य कुमार व मुकुन्द भारती सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

नीट पेपर लीक पर इमामगंज में छात्रों का फूटा गुस्सा, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की उठी मांग

नीट पेपर लीक मामले के विरोध में आयोजित प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस, राजद के कार्यकर्ता एवं छात्रगण।

प्रदर्शन को लेकर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात।

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

- **युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ नहीं सहेंगे, नीट विवाद और लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस-राजद का जोरदार प्रदर्शन**
- **प्रोटेस्ट को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा**

इमामगंज। देशभर में चर्चित नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों का आक्रोश अब गांव-कस्बों तक पहुंच गया है। शुक्रवार को गया जिले के इमामगंज में कांग्रेस, राजद और छात्र संगठनों ने संयुक्त रूप से जोरदार प्रदर्शन कर नीट परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार का भी विरोध जताया। मालूम हो कि दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू हुआ यह आंदोलन पटना होते हुए अब जिला और प्रखंड स्तर तक पहुंच चुका है। इमामगंज में आयोजित प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कहा कि नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में पेपर लीक की घटनाएं लाखों युवाओं की वर्षों की मेहनत और सपनों पर कुठाराघात हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परीक्षा का मामला नहीं,बल्कि देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य और उनके विश्वास का सवाल है। प्रदर्शनकारियों ने ''इस्तीफा दो-जवाब दो", "छात्रों पर हमला नहीं चलेगा" और "युवाओं के भविष्य से समझौता नहीं" जैसे नारों के साथ अपना विरोध दर्ज कराया। आंदोलन का नेतृत्व कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संतोष कुमार कुशवाहा ने किया। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक ने देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लाखों छात्रों की मेहनत के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। हम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग करते हैं। साथ ही, पूरे मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं प्रदर्शन में कांग्रेस के इमामगंज प्रखंड अध्यक्ष रामनंदन प्रसाद, डुमरिया प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, बांकेबाजार प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार दीप, राजद के क्यामुद्दीन अंसारी, अनिल यादव, संजय माझी, रवि कुमार समेत सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस, राजद के कार्यकर्ता एवं छात्र शामिल हुए।

वहीं, आंदोलन को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। इमामगंज के एसडीपीओ धीरज कुमार एवं थानाध्यक्ष अमित कुमार के नेतृत्व में कई थानों की पुलिस, दंगा निरोधक दस्ता तथा बड़ी संख्या में महिला पुलिस बल की तैनाती की गई थी। आवश्यकता पड़ने पर वॉटर कैनन और आंसू गैस के इस्तेमाल की भी व्यवस्था की गई थी। प्रशासन की सतर्कता के बीच प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

वजीरगंज में 76 मध्य विद्यालयों के शिक्षकों को दिया गया पीबीएल का प्रशिक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बच्चे प्रोजेक्ट के जरिए सीखेंगे गणित और विज्ञान का पाठ

वजीरगंज | प्रारंभिक शिक्षा को रोचक और व्यवहारिक बनाने की दिशा में वजीरगंज प्रखंड में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। शुक्रवार को मध्य विद्यालय वजीरगंज में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रेणु कुमारी के देखरेख में प्रखंड के सभी 76 मध्य विद्यालयों के गणित और विज्ञान के नामित शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए एक दिवसीय पियर लर्निंग सर्कल बैठक सह प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का फोकस प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग(पीबीएल) की अवधारणा को कक्षा कक्ष तक पहुंचाना था। प्रखंड तकनीकी समूह के सदस्य सुनील कुमार ने बताया कि पी बी एल के माध्यम से बच्चे गणित और विज्ञान जैसे कठिन विषयों को प्रोजेक्ट बनाकर 5 दिनों की गतिविधि के माध्यम से आसानी से समझ सकेंगे और उसे दैनिक जीवन में उपयोग कर पाएंगे।प्रशिक्षण में शिक्षकों ने गणित और विज्ञान पर आधारित लघु प्रोजेक्ट का प्रस्तुतिकरण भी किया। इस दौरान तकनीकी समूह के सदस्य मानस श्रीवास्तव, नीतू कुमारी, रोहित कुमार मौर्य ने शिक्षकों को प्रोजेक्ट तैयार करने की व्यावहारिक जानकारी दी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डीडीओ सह प्रधानाध्यापक शंभू शरण सिंह और शिक्षिका पिंकी कुमारी का विशेष सहयोग रहा। पदाधिकारियों ने कहा कि इससे बच्चों की रचनात्मकता और समस्या समाधान क्षमता दोनों बढ़ेगी।

सड़क दुर्घटना में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

- **टेंपू का टायर फटने से पलटा वाहन**
- **परिजनों में कोहराम**

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

वजीरगंज | वजीरगंज बाजार से घर लौट रही एक महिला की सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। घटना गुरुवार शाम की है।

जानकारी के अनुसार सहिया पंचायत अंतर्गत सीरी गांव निवासी ईश्वर मांझी की 50 वर्षीय पत्नी रजिया देवी गुरुवार को घरेलू सामान खरीदने वजीरगंज बाजार आई थीं। शाम में टेंपू पर सवार होकर घर लौट रही थीं। वजीरगंज बाजार से सीरी जाने के क्रम में एरु और सहिया के बीच अचानक टेंपू का टायर फट गया। इससे टेंपू अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। टेंपू को नियंत्रित करने के दौरान रजिया देवी सड़क पर गिर पड़ीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों और चालक की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वजीरगंज लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उन्हें मगध मेडिकल कॉलेज, गया ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

शुक्रवार को शव को वजीरगंज थाना लाया गया। पुलिस ने कागजी कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए शव को मगध मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। समाजसेवी श्यामसुंदर रजक उर्फ किशोरी रजक और हम पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष रामबली मांझी ने कहा कि पीड़ित परिवार बेहद गरीब है। उन्होंने प्रखंड एवं जिला प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल सरकारी सहायता देने की मांग की है।

शादी के बाद मंदिर से दुल्हन फरार, गैंग के 2 सदस्यों को पुलिस ने पकड़ा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गयाजी। गयाजी में पुलिस ने लुटेरी दुल्हन गिरोह के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि लड़के ने शादी के लिए 1.26 लाख रुपए दिए थे। रुपए लेने के बाद मंदिर में शादी कराई गई। फेरे होने के कुछ देर बाद ही लड़की एजेंट के साथ भाग गई। सिविल लाइन पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। मामले की छानबीन की जा रही है।

यूपी से पहुंचा था दूल्हाः जानकारी के मुताबिक पीड़ित दूल्हा हिमेंद्र उत्तर प्रदेश के बदायूं रामनगर का रहने वाला है। अपनी शादी के लिए गांव के तीन युवकों के साथ बुधवार को गयाजी पहुंचा था। जंक्शन पर गिरोह के सदस्य उसे रिसीव कर आए थे। इसके बाद हरली बोधगया लेकर गए। लड़की पसंद आने पर हिमेंद्र शादी के लिए राजी हो गया।

मंदिर में कराई शादीः लड़के की सहमति पर विष्णुपद मंदिर में विधिवत शादी कराने की बात तय हुई। गुरुवार दोपहर बाद विधि-विधान से दोनों की शादी कराई गई। शादी के कुछ ही देर बाद दुल्हन अपने सहयोगी के साथ नाश्ता करने के बहाने अचानक मंदिर परिसर से गायब हो गई। कुछ दूर बाद दुल्हन पक्ष के अन्य लोग भी मौके से धीरे-धीरे खिसक गए।

हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिसः खोजबीन के दौरान दूल्हा हिमेंद्र और दोस्तों के साथ देर शाम सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित शिक्षा विभाग के कार्यालय के पास पहुंचा। वहां उसकी नजर दुल्हन के कथित मामा भरत साव और एक अन्य युवक बीरबल यादव पर पड़ी। दोनों शादी के समय मंदिर में ही थे। भरत साव को ही शादी कराने के लिए एक लाख 26 हजार रुपए दिए थे। दुल्हन के बारे में पूछताछ करने पर दोनों पक्ष के बीच कहासुनी और मारपीट की स्थिति हो गई। यह देख आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। साथ में दूल्हा हिमेन्द्र और उसे साथियों को भी थाने ले गए।

'भरत साव को दिए थे रुपए'ः दूल्हा हमेंद्र का आरोप है कि शादी कराने के नाम पर उससे 1.26 लाख रुपए लिए गए थे। इस रकम में शादी के कपड़े और अन्य खर्च भी शामिल थे। शादी के तुरंत बाद लड़की भाग गई। उन्होंने सुनियोजित ठगी का आरोप लगाया है। लड़की पक्ष का भरत साव हरली और बीरबल यादव हरली खुर्द का रहने वाला है।

छानबीन में जुटी पुलिसः वहीं, इस संबंध में टाउन डीएसपी सरोज साह ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मामला वास्तव में लुटेरी दुल्हन गिरोह से जुड़ा है या इसके पीछे कोई और साजिश है। यूपी के युवक से भी पूछताछ जारी है कि वह कैसे गिरोह के संपर्क में आया। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा में आज होगा जिला स्तरीय विकास उत्सव, डॉक्यूमेंट्री से दिखेगी विकास की तस्वीर, जनता को दी जाएगी जानकारी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालन्दा। बिहार सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और हालिया विकास काम की गूंज अब नालंदा में भी सुनाई देगी। सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कल यानी 25 जुलाई को जिला मुख्यालय में एक भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए शुक्रवार को उप विकास आयुक्त सारा अशरफ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में एक उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई, जिसमें सभी विभागों को युद्धस्तर पर तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए।

लाइव प्रसारण बनेगा मुख्य आकर्षणः यह आयोजन राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप होगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राजधानी पटना से प्रसारित होने वाले राज्य स्तरीय मुख्य समारोह का 'लाइव टेलीकास्ट' होगा, जिसे सभागार में मौजूद सभी लोग बड़ी स्क्रीन पर देखेंगे।

इनकी रहेगी खास मौजूदगीः इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर आमंत्रण भेजे गए हैं। समारोह में जिले के तमाम दिग्गज जनप्रतिनिधि, जिला परिषद के पदाधिकारी, नगर निकायों के प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी, प्रतिष्ठित सामाजिक संगठनों के सदस्य, प्रबुद्ध नागरिक और बड़ी संख्या में आम जनता शिरकत करेगी।

रिपोर्ट कार्ड और डॉक्यूमेंट्री से दिखेगी विकास की तस्वीरः नालंदा में पिछले कुछ साल के दौरान धरातल पर उतरे विकास काम का पूरा लेखा-जोखा जनता के सामने रखा जाएगा। इसके लिए विशेष रूप से 'रिपोर्ट कार्ड', रंग-बिरंगी पुस्तिकाएं और एक लघु डॉक्यूमेंट्री तैयार की गई है, जिसका प्रदर्शन कार्यक्रम के दौरान किया जाएगा।

इन प्रमुख उपलब्धियों पर रहेगा विशेष फोकसः सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय), नए डिग्री कॉलेजों का सफल संचालन और बिहार स्कूल लाइव क्लासेज, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, नए राशन कार्डों का निर्माण और 'सहयोग शिविरों' के माध्यम से हाथों-हाथ निपटारे हुए आवेदन, पंचायत विकास दिवस का आयोजन, आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन-आरोग्य योजनाओं का विस्तार, प्रगति यात्रा और 'समृद्धि यात्रा' के तहत शिलान्यासित व पूरी हुई विकास परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट, पर्यटन को बढ़ावा, नए उद्योगों की स्थापना, निवेश और रोजगार सृजन से जुड़ी उपलब्धियां। उप विकास आयुक्त सारा अशरफ ने बैठक के दौरान सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे अपनी-अपनी उपलब्धियों का सटीक डेटा और संकलन समय पर पूरा कर लें। प्रशासन का मानना है कि इस आयोजन के जरिए सरकार की योजनाओं और उनसे मिलने वाले लाभों की जमीनी जानकारी सीधे आम नागरिकों तक पहुंचेगी, जिससे वे अधिक से अधिक लाभान्वित हो सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

एसटीएफ के नेतृत्व में बिजली चोरी के विरुद्ध विशेष अभियान, चार उपभोक्ताओं पर प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज /रोहतास : विद्युत विभाग द्वारा बिजली चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान तहत एसटीएफ के नेतृत्व में गठित जांच दल ने बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के बरना गांव में छापेमारी की । छापेमारी के दौरान ग्राम बरना निवासी परमानंद सिंह पिता मुसागिन सिंह मीटर से पहले मुख्य सर्विस तार में कटिंग कर अतिरिक्त तार जोड़कर मीटर बाईपास करते हुए बिजली चोरी करते पाए गए । इस मामले में विभाग द्वारा 26 हजार 478 का जुर्माना लगाया गया । इसी अभियान में जयराम सिंह पिता मुसाफिर सिंह मीटर के इलेक्ट्रिकल सर्किट से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी करते पाए गए,जिन पर 29 हजार 026 का जुर्माना लगाया गया । वहीं राजेंद्र सिंह पिता मुसाफिर सिंह मीटर में जा रहे सर्विस तार को काटकर बिजली चोरी करते पाए गए,जिन पर 13 हजार 028 का जुर्माना लगाया गया । इसके अलावा राजेंद्र सिंह पिता रामाधार सिंह मुख्य सर्विस तार में कटिंग कर अतिरिक्त तार जोड़कर मीटर बाईपास करते हुए बिजली चोरी करते पाए गए,जिन पर 40 हजार 771 का जुर्माना लगाया गया । चारों मामलों में विभाग को कुल 1 लाख 16 हजार 303 की राजस्व क्षति का आकलन किया गया है । चोरी में प्रयुक्त तार एवं मीटर जब्त कर लिए गए हैं तथा सभी संबंधित उपभोक्ताओं के विरुद्ध विद्युत अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत बिक्रमगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है । विभाग ने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बिजली चोरी अथवा मीटर से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करें । ऐसा करना दंडनीय अपराध है और इसके विरुद्ध विभाग का विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा । जांच अभियान में विद्युत अधीक्षण अभियंता (एसटीएफ) नविन कुमार,सहायक विद्युत अभियंता (राजस्व),समरजीत कुमार,सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राजकुमार सहित विभागीय कर्मी शामिल थें ।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार 22 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर ही हुई मौत

बिक्रमगंज /रोहतास । आरा-सासाराम मुख्य मार्ग पर बिक्रमगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहिनी पेट्रोल पंप के समीप गुरुवार की शाम करीब छह बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार 22 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई । मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के महाराजगंज गांव निवासी स्वर्गीय ददन राम के पुत्र छोटू राम के रूप में हुई है । मिली जानकारी के अनुसार छोटू राम बाइक से अपने घर लौट रहा था । इसी दौरान मोहिनी पेट्रोल पंप के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया । दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया । बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद युवक को वाहन द्वारा कुछ दूर तक घसीटे जाने की भी बात सामने आई है । घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और मृतक की पहचान कर उसके परिजनों को सूचना दी । सूचना मिलते ही परिजन एवं ग्रामीण मौके पर पहुंचे । सड़क पर पड़े छोटू राम के शव को देखते ही परिजनों में चीख- पुकार मच गई । परिजनों के करुण क्रंदन से घटनास्थल का माहौल गमगीन हो गया । घटना के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई,जिससे आरा- सासाराम मुख्य मार्ग पर कुछ देर के लिए आवागमन बाधित रहा । सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस एवं अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली । पुलिस ने परिजनों एवं ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शव को कब्जे में लिया तथा पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया । इस संबंध में थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है । अज्ञात वाहन एवं उसके चालक की पहचान के लिए पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

महुआ शराब सहित धंधेबाज गिरफ्तार

अकोढी गोला (रोहतास) आयर कोठा थाना क्षेत्र अंतर्गत ढेला बाग नहर के समीप से स्थानीय थाने की पुलिस ने महुआ शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया है।आयर कोठा थाना अध्यक्ष शिवम कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र अंतर्गत ढेला बाग नहर के समीप छापेमारी की गई इस दौरान कृष्णा ठाकुर ग्राम बराव कला थाना अकोढी गोला के रहने वाले के पास से 5 लीटर महुआ शराब बरामद किया गया, इस संदर्भ में कांड दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।।

चिकित्सा पदाधिकारी ने सड़क निर्माण की लिए बीडीओ को लिखा पत्र

राजपुर- नव निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से राजपुर बजार के मुख्य मार्ग तक पक्की सड़क निर्माण करने को लेकर शुक्रवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डाक्टर सुमित कुमार ने बीडीओ को पत्र प्रदान किया है.पत्र में चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से बजार के मुख्य मार्ग तक 400 मीटर दुरी कच्ची सड़क है.जो हल्का सा बारिश होने पर कीचड युक्त झील में तब्दील हो जा रहा है.जिससे अस्पताल आने जाने वाले मरीज एवं एम्बुलेंस को भारी परेशानी का समना करना पड रहा है.जिससे अस्पताल में मरीजों का आवागमन कम हो जाता है. कीचड के कारण एम्बुलेंस से आपातकालीन मरीजों को सेवा प्रदान करने में बाधा पहुंचती है.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बैनर तले युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास। डॉ.नागेंद्र झा महिला महाविद्यालय बिक्रमगंज के सभागार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बैनर तले युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में छात्राओं को नागरिक कर्तव्य,आत्मबोध और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के प्रति जागरूक किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अमरेंद्र कुमार मिश्रा ने की । कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के गीत से हुआ । इसके बाद उपस्थित वक्ताओं,प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने बारी-बारी से अपना परिचय दिया ।

संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दक्षिण बिहार प्रांत किसान कार्य प्रमुख सुशील सिंह ने छात्राओं को नागरिक कर्तव्य और 'स्व' के बोध के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों से तैयार होती है । युवाओं को अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी समझना होगा ।वहीं संघ के बिक्रमगंज जिला प्रचारक विभाष कुमार ने भी छात्राओं से संवाद करते हुए नागरिक कर्तव्यों एवं 'स्व' के बोध से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की । उन्होंने कहा कि युवा शक्ति में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना का भाव विकसित होना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अमरेंद्र कुमार मिश्रा ने भी युवा संवाद कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं में राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।

मौके पर धीरेंद्र मिश्रा,विद्या शंकर तिवारी,प्रो. सुनील कुमार त्रिपाठी, सीताराम पांडेय,संजू कुमारी, अनीता कुमारी,पूनम कुमारी, अर्पित,रवि शंकर मिश्रा,धनंजय ओझा सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षक,शिक्षकेत्तर कर्मी एवं छात्राएं उपस्थित रहीं ।

बीडीओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक जांच

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

राजपुर- स्थानिय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का शुक्रवार को बीडीओ प्रवीण कुमार द्वारा औचक निरिक्षण किया गया.इस दौरान मौके पर मौजूद प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डाक्टर सुमित कुमार ने सहयोगात्मक सभी सेवाओं का अवलोकन कराया.

जानकारी देते हुए बीडीओ ने बताया कि निरिक्षण के दौरान चिकित्सक समेत सभी कर्मी अपने ड्यूटी पर तैनात मिले.सरकार से निर्गत सभी आवश्यक दवाइयो का रखरखाव भण्डारण ठीक-ठीक पाया गया.

मौके पर मौजूद मरीज एवं उनके परिजनों ने बताया कि अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सुविधा की जरूरत है.हाथ पांव टूटने फुटने जैसे नार्मल केस को भी सदर अस्पताल सासाराम रेफर किया जाता है.एक टांका तक दिये जाने की सुविधा उपलब्ध नहीं है.

मौके पर प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक संदीप कुमार, एकाउंटेंट बिनोद द्विवेदी,बीसीएम विकास कुमार,कर्मी नवीन गौतम,बडा बाबु मनोज कुमार,सुनिता कुमारी,धीरज कुमार,सुरक्षा कर्मी मुन्ना पाण्डेय,प्रकाश तिवारी,बिनोद यादव,मो बख्तियार समेत अन्य मौजूद रहे.

सबका सम्मान-जीवन आसान योजना तहत जनता दरबार का किया आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज/ रोहतास। एसडीएम दिलीप कुमार शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में सबका सम्मान-जीवन आसान योजना तहत जनता दरबार के माध्यम से आम नागरिक उपस्थित हुए । इस दौरान अनुमंडल क्षेत्र से कुल 52 जिसमें भूमि विवाद से संबंधित 25,राशन कार्ड से संबंधित 09 एवं अन्य 18 मामले लेकर परिवादी उपस्थित हुए और अपनी-अपनी समस्याएं रखीं । सभी आवेदन पत्रों को शीघ्र निष्पादन संबंधित कार्यालयों / पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया ।

डीएम के निर्देश पर निजी स्कूलों की जांच, कई विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कुरसेला (कटिहार): जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी के निर्देश पर शुक्रवार को कुरसेला प्रखंड के निजी विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान कई विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं की कमी पाई गई। सीओ अनुपम कुमारी ने अयोध्यागंज बाजार स्थित शिक्षा भारती स्कूल तथा स्टेशन रोड स्थित लंदन किड्स स्कूल का निरीक्षण कर विद्यालयों में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान बच्चों के लिए शुद्ध पेयजल, शौचालय, खेल का मैदान, अग्निशमन यंत्र, आरओ युक्त पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई, पुस्तकालय, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की बारीकी से जांच की गई। जांच में कई आवश्यक मानकों की कमी सामने आई। विशेष रूप से पेयजल, साफ-सफाई, खेल मैदान और अग्निशमन व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई।बुनियादी सुविधाओं के अभाव पर सीओ अनुपम कुमारी ने नाराजगी जताते हुए विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक सुधार शीघ्र सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निरीक्षण में मिली सभी कमियों का विस्तृत प्रतिवेदन जिला पदाधिकारी को भेजा जाएगा, जिसके आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीओ ने स्पष्ट कहा कि निजी विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा, स्वच्छता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी विद्यालयों को सरकार द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य है।

प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र के निजी विद्यालय संचालकों में हड़कंप का माहौल है। वहीं अभिभावकों ने उम्मीद जताई है कि नियमित निरीक्षण से विद्यालयों में आवश्यक सुविधाओं में सुधार होगा और बच्चों को सुरक्षित व बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सकेगा।

कोसी का भीषण कटाव: तीनघरिया गांव से महज 110 मीटर दूर पहुंची नदी, बोरे में मिट्टी भरकर बचाव कार्य शुरू

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कुरसेला (कटिहार): कुरसेला प्रखंड के तीनघरिया गांव में कोसी नदी का भीषण कटाव लगातार जारी है। नदी की तेज धारा तेजी से गांव की ओर बढ़ रही है। वर्तमान में नदी और गांव के बीच की दूरी घटकर महज 110 मीटर रह गई है।

कटाव की रफ्तार बढ़ने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। प्रभावित परिवार अपनी उपजाऊ जमीन को कोसी में विलीन होते देख अब घरों के सुरक्षित रहने को लेकर चिंतित हैं।कटाव को रोकने के लिए जल संसाधन विभाग ने युद्धस्तर पर बचाव कार्य शुरू कराया है। विभाग की ओर से लगभग 300 मीटर क्षेत्र में ईसी बैग तकनीक से कटाव निरोधी कार्य कराया जा रहा है। यह कार्य पांच संवेदकों के माध्यम से 15 अलग-अलग प्वाइंटों पर किया जा रहा है।

प्रत्येक 20 मीटर की दूरी पर एक कार्य बिंदु बनाया गया है।ईसी बैग तकनीक के तहत मजबूत रस्सी के जाल में 18 से 20 मिट्टी भरे बोरे रखकर उन्हें कटाव स्थल पर पानी में डाला जा रहा है। बोरे पूरी तरह पानी के भीतर स्थिर होने के बाद आगे तीन से चार मीटर तक जलधारा का रुख मोड़ने का प्रयास किया जाता है, ताकि कटाव स्थल पर पानी का सीधा दबाव कम हो और गांव की ओर बढ़ रहे कटाव को रोका जा सके।हालांकि ग्रामीण इस कार्य की सफलता को लेकर आशंकित हैं। उनका कहना है कि इससे पहले लगभग दो लाख रुपये की लागत से 500 मीटर क्षेत्र में बंबू आधारित कटावरोधी कार्य कराया गया था, लेकिन कोसी की तेज धारा में वह पूरी तरह बह गया। ऐसे में लोगों को आशंका है कि वर्तमान में किया जा रहा ईसी बैग कार्य भी कहीं अस्थायी साबित न हो जाए। ग्रामीणों के अनुसार कोसी नदी प्रतिदिन नई जमीन को अपनी चपेट में ले रही है। कई परिवारों के घरों पर खतरा मंडरा रहा है। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भय के साये में हैं तथा लोग रातभर जागकर नदी की स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

वर्ष 2017-18 में लगभग 55 करोड़ रुपये की लागत से चार किलोमीटर लंबाई में जीरो बैग तकनीक से कटाव निरोधी कार्य कराया गया था, जो करीब पांच वर्ष पहले गंगा-कोसी संगम क्षेत्र में विलीन हो गया। इसके बाद खेरिया बालू टोला के समीप कई बार बंबू रोल तकनीक से कटाव रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वह भी तेज धारा में बह गया।स्थिति गंभीर होने पर गांव से करीब 100 मीटर दूरी बचने पर खेरिया से बालू टोला तक 750 मीटर लंबाई में लगभग 8.20 करोड़ रुपये की लागत से स्थायी कटाव निरोधी कार्य कराया गया।

डीएम ने मखाना उत्पादों के बिक्री केंद्र खोलने के दिये निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कटिहार। जिले में मखाना उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कृषि विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। संयुक्त कृषि भवन में आत्मा के तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण एवं गोष्ठी में मखाना उत्पादक किसानों और एफपीओ प्रतिनिधियों को गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, आधुनिक तकनीक तथा मूल्य संवर्धन की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कृषि पदाधिकारी सह आत्मा के परियोजना निदेशक राजीव कुमार ने की। उन्होंने कहा कि जिले में मखाना की खेती का लगातार बढ़ता रकबा उत्साहजनक है और किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि केवल कच्चा मखाना बेचने के बजाय उससे विभिन्न खाद्य उत्पाद तैयार कर किसान बेहतर आय अर्जित कर सकते हैं।

डीएओ ने बताया कि वर्तमान में मखाना से 20 से अधिक स्वादिष्ट एवं पौष्टिक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इनमें एक नई पहल के तहत 15 अगस्त तक मखाना से बनी जलेबी को बाजार में उतारने की तैयारी अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि यह उत्पाद मखाना को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

आत्मा के परियोजना उपनिदेशक शशिकांत झा ने कहा कि जिले के सभी मखाना उत्पादकों को एक मंच पर लाकर मखाना किसान संघ का गठन करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। साथ ही कटिहार के मखाना और उससे तैयार उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के लिए भी प्रयास जारी हैं।

गोष्ठी के बाद जिला कृषि पदाधिकारी के नेतृत्व में मखाना उत्पादक किसानों एवं एफपीओ सदस्यों ने जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी से मुलाकात की। किसानों ने मखाना से बने पेड़ा, बर्फी, ठेकुआ सहित विभिन्न पौष्टिक एवं स्वादिष्ट उत्पादों का प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त समाचार

पानी भरे गड्ढे में मिली महिला की लाश

बेगूसराय। बेगूसराय में पानी भरे गड्ढे में एक महिला की लाश मिली है। मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र में सबदलपुर के पास स्थित पुलिया के पास की है। जानकारी के मुताबिक आज(24 जून 2026) सुबह 10:00 बजे कुछ लोग रेल लाइन के किनारे से गुजर रहे थे। इस दौरान गुमटी नंबर पुल से पहले सबदलपुर पुलिया नंबर-19 के बगल में गड्ढे में एक महिला की लाश देखी। जिसके बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई।

शिनाख्त में जुटी पुलिसः सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। लाश को कमर भर पानी से निकाला गया। बॉडी की स्थिति देखकर आशंका जताई जा रही है कि कहीं अन्य जगह पर हत्या करने के बाद यहां पानी में फेंक दिया गया है। फोटो आसपास के थाना में सर्कुलेट किया गया है। पहचान की कोशिश की जा रही है।

प्रदर्शन में उपद्रवियों की पहचान, 27 फोटो जारी

मुंगेर। मुंगेर में गुरुवार को नीट परीक्षा में कथित धांधली को लेकर दिल्ली और पटना में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में हजारों छात्रों ने पैदल मार्च निकाला। यह प्रदर्शन पुलिस लाइन के समीप डीजे कॉलेज से शुरू होकर शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से होते हुए जिला परिसर स्थित कलेक्ट्रेट के पास समाप्त हुआ। छात्र अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन इसी दौरान कुछ उपद्रवियों ने शहर के कुछ स्थानों पर उत्पात मचाया। उन्होंने सरकारी बैनर-पोस्टर फाड़े और कई जगहों पर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

पुलिस ने 27 तस्वीरें जारी कीं: उपद्रवियों ने मीडियाकर्मियों पर भी फब्तियां कसीं और सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों से बहस की। हालांकि, पुलिस प्रदर्शन के दौरान छात्रों की हर गतिविधि पर ड्रोन कैमरा, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के माध्यम से लगातार निगरानी रख रही थी। इस निगरानी के आधार पर पुलिस ने उत्पात मचाने वाले उपद्रवियों की पहचान की। घटना के अगले दिन, शुक्रवार को मुंगेर पुलिस ने 27 तस्वीरें जारी कीं, जिनमें उपद्रवी तोड़फोड़ करते दिख रहे हैं।

उपद्रवियों की पहचान कर पुलिस करेगी कार्रवाई: पुलिस अब इन उपद्रवियों की पहचान कर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और छात्रों के विरोध मार्च के दौरान उत्पात मचाने के आरोप में कानूनी कार्रवाई करेगी। मुंगेर पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे इन उपद्रवियों की पहचान में सहयोग करें। पहचान बताने वालों की गोपनीयता बनाए रखी जाएगी। इससे पहले, गुरुवार को प्रदर्शन के दौरान एसपी सैयद इमरान मसूद स्वयं मौजूद थे। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का आग्रह किया था।

चांदन हत्याकांड में 7 दोषियों को उम्रकैद

बांका। बांका जिले के चांदन थाना क्षेत्र में हुए एक हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय सूर्यकांत तिवारी की अदालत ने सात अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने सभी दोषियों पर 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। दोषी ठहराए गए अभियुक्तों में चांदन थाना क्षेत्र के बिहारी टोला पाही गांव निवासी बिरेंद्र यादव, अजय यादव, संजय यादव, उमेश यादव, शंभू यादव, जीवलाल यादव और परमेश्वर यादव शामिल हैं।

2021 में एफआईआर दर्ज कराई: पीड़ित ओम प्रकाश यादव ने 29 जुलाई 2021 को चांदन थाना में इस मामले की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार, उन्हें मोबाइल पर सूचना मिली थी कि उनके भतीजे की पत्नी के साथ अभियुक्त गाली-गलौज कर रहे हैं। घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि सभी अभियुक्त आंगन में हथियार लेकर मौजूद थे। विरोध करने पर अभियुक्तों ने उनके परिजन डमरूधर यादव पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया।

बीच-बचाव में हुए थे घायलः घटना के दौरान बीच-बचाव करने आए अनिता देवी, बैकुंठ यादव, कामदेव यादव, अजय यादव, नीलम देवी, किरण देवी और विमली देवी पर भी फरसा और तलवार से हमला कर उन्हें घायल कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल डमरूधर यादव को इलाज के लिए देवघर ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कुल 11 गवाहों के बयान दर्ज कराए। साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने सातों अभियुक्तों को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

18 इंच जमीन के लिए पीट-पीटकर हत्या

बेगूसराय। बेगूसराय में गुरुवार देर शाम मात्र 18 इंच(एक हाथ) जमीन के लिए हुई हिंसक झड़प में एक सब्जी विक्रेता की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान श्याम नंदन साह के पुत्र संजय साह (50) के रूप में की गई है। घटना मंझौल थाना क्षेत्र में मंझौल पंचायत-4 संगत टोला की है। जानकारी के मुताबिक संजय साह का पड़ोसी महेंद्र चौधरी अपने घर में एसी लगवा रहा था। उसने पहले से 9 इंच का छज्जा दिया था। एसी लगवाने के लिए 18 इंच का छज्जा बनवा रहा था। इसी को लेकर दो दिन से दोनों में विवाद चल रहा था। बुधवार को जब महेंद्र चौधरी काम करवा रहा था तो दोनों तरफ से तीखी बहस भी हुई थी। लेकिन उस समय मामला शांत कर दिया गया। फिर गुरुवार की देर शाम छज्जा बनाने को लेकर दोनों पक्ष में बहस हो गया। मामला गाली-गलौज से मारपीट तक पहुंच गया।

रास्ते में तोड़ा दमः आरोप है कि महेंद्र चौधरी और उसके परिवार के 10-12 लोगों ने लाठी-डंडा से संजय साह की जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद परिजनों उसे लेकर मंझौल अनुमंडलीय अस्पताल लेकर गए। जहां से सदर अस्पताल बेगूसराय लाया गया। लेकिन स्थिति गंभीर रहने के कारण परिजन उसे लेकर एक निजी अस्पताल चले गए। वहां से भी देर रात पटना रेफर कर दिया गया। परिजन उसे लेकर पटना जा रहे थे, इसी दौरान रास्ते में ही संजय साह की मौत हो गई। मौत के बाद परिजन शुक्रवार सुबह में लाश को लेकर थाना पर आए। जिसके बाद पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

थाने में हत्या का आवेदनः पुलिस सभी पहलुओं पर मामले की जांच पड़ताल और आगे की कार्रवाई कर रही है। कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। परिजनों ने महेंद्र चौधरी एवं उसके परिजनों के खिलाफ हत्या का आवेदन दिया है।

'जबरन छज्जा निकाल रहे थे': मृतक के पुत्र रवि कुमार ने बताया कि विवाद की मुख्य वजह मकान का छज्जा निकालना था। पड़ोसी का पहले से ही करीब 9 इंच का छज्जा निकला हुआ था। इसके बावजूद पड़ोसी एक हाथ का छज्जा और बाहर निकालने की कोशिश कर रहा था।

एनएच-133 इ पर 8.32 एकड़ जमीन पर बनेगा ट्रॉमा सेंटर

बांका। बिहार विधानसभा के तृतीय सत्र में धोरैया विधायक मनीष कुमार ने NH-133(E) पर ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने की मांग उठाई। यह प्रश्न 24 जुलाई 2026 की कार्यसूची में शामिल था। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से जुड़े एक तारांकित प्रश्न के माध्यम से सरकार का ध्यान इस व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं और घायलों को समय पर इलाज न मिलने की समस्या की ओर आकर्षित किया।

'गोल्डन ऑवर' में उपचार मिलना जरूरी: विधायक ने सदन में पूछा कि क्या यह सही है कि NH-133(E) पर आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में घायल लोगों को नजदीक में समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध न होने के कारण इलाज के लिए भागलपुर ले जाना पड़ता है, जिससे अस्पताल पहुंचने में देरी के कारण कई गंभीर घायलों की रास्ते में ही मौत हो जाती है। मनीष कुमार ने सरकार से रजौन प्रखंड के खैरा में NH-133(E) के किनारे उपलब्ध करीब 8.32 एकड़ सरकारी भूमि पर आधुनिक सुविधाओं से लैस ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने की मांग की। उन्होंने जोर दिया कि दुर्घटना के बाद घायल मरीजों को 'गोल्डन ऑवर' में उपचार मिलना बेहद जरूरी है, और घटनास्थल के नजदीक ट्रॉमा सेंटर होने से तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी, जिससे कई जानें बचाई जा सकती हैं।

धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा दे देनी चाहिए- पूर्व विधायक अजीत शर्मा

◆ भागलपुर में कांग्रेस नेता बोले- छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़; लोकतंत्र में बात रखने का अधिकार हैं

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में जारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच भागलपुर के पूर्व विधायक अजीत शर्मा ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं से लाखों छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। ऐसे गंभीर मुद्दे पर सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए और छात्रों की मांगों को गंभीरता से सुनना चाहिए। अजीत शर्मा ने कहा कि देशभर में छात्र अपने भविष्य को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय कई स्थानों पर पुलिस की ओर से बल प्रयोग किया गया। छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। उन्होंने मांग की कि जिन अधिकारियों या कर्मियों ने छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा कि पार्टी छात्रों के अधिकारों और उनके भविष्य की रक्षा के लिए हमेशा उनके साथ खड़ी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी छात्रों के समर्थन में सड़क पर उतरे और उनकी आवाज उठाई।

हर नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराने का अधिकारः लोकतंत्र में हर नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार है। अजीत शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भी सवाल पूछते हुए कहा कि यदि पेपर लीक जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, तो इसकी नैतिक जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए कहा कि सरकार को इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि छात्र ही देश का भविष्य हैं और उनके सपनों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जा सकता। यदि शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठेंगे तो इसका असर देश के भविष्य पर पड़ेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और छात्रों का विश्वास बहाल किया जाए।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से परेशानी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। पूर्वी बिहार में गंगा और कोसी के बढ़ते जलस्तर का असर अब भागलपुर में भी साफ दिखाई देने लगा है। गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि होने से तिलकामांझी विश्वविद्यालय के पीछे स्थित बस्तियों का संपर्क प्रभावित हो गया है। जिन रास्तों से लोग रोजाना चचरी पुल पर पैदल आवाजाही करते थे, अब पानी में डूब चुके हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों के लिए नाव ही एकमात्र सहारा बन गई है। कई जगहों पर लोगों को नाव तक पहुंचने के लिए भी रस्सी का सहारा लेना पड़ रहा है।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से परेशानीः स्थानीय महिला सोनी देवी ने बताया कि पहले ग्रामीणों के सहयोग से चचरी पुल बनवाया था, जिससे आने-जाने में सुविधा होती थी। लेकिन गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ वह पुल भी पूरी तरह डूब गया। इसके बाद अब गांव के लोगों को रोजमर्रा के काम, बच्चों की पढ़ाई, बाजार और अस्पताल जाने के लिए नाव पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इससे समय के साथ-साथ आर्थिक बोझ भी बढ़ गया है।

'समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ': बाढ़ से प्रभावित सकलदेव मंडल ने बताया कि कि सबसे अधिक परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को हो रही है। तेज धारा और नाव की सीमित उपलब्धता के कारण हर सफर जोखिम भरा हो गया है। वर्षों से यह समस्या बनी हुई है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई।

'चुनाव जीतने के बाद भी कुछ नहीं किया': बासदेव सरकार ने जनप्रतिनिधियों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मतदान किया, लेकिन चुनाव के बाद उनकी समस्याओं की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया। जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए आज भी संघर्ष कर रही है।

छात्रों के प्रोटेस्ट को लेकर पुलिस अलर्ट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। NEET पेपर लीक से जुड़े मुद्दे को लेकर अलग-अलग छात्र संगठनों और राजनीतिक दलों की ओर से जारी विरोध-प्रदर्शन को लेकर भागलपुर पुलिस पूरी तरह से सतर्क है। जिले में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी प्रमुख और संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारियों और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। पुलिस प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या कानून-व्यवस्था की समस्या खड़ी नहीं हो। SSP प्रमोद कुमार यादव के निर्देश पर जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। नगर पुलिस अधीक्षक और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नगर-01 सहित अन्य वरीय पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। इस दौरान प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं, ताकि किसी भी परिस्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

अतिरिक्त पुलिस बल की भी तैनाती की जा सकतीः SSP प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि जिले में लगातार गश्ती और निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की विशेष नजर बनी हुई है। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल की भी तैनाती की जा सकती है।

पुलिस ने आम नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की हैः SSP ने कहा है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली अपुष्ट सूचनाओं को साझा करने से बचें।बता दें कि NEET पेपर लीक के मुद्दे को लेकर राज्य के कई जिलों में विरोध-प्रदर्शन जारी हैं। इसी को देखते हुए भागलपुर पुलिस ने एहतियाती कदम उठाते हुए सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया है।

घाट पर शौचालयों का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर जिले में अजगैबीनाथ मंदिर घाट स्थित शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था को लेकर प्रकाशित खबरों का जिला प्रशासन ने खंडन किया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शौचालयों में चोरी के भय से दरवाजे नहीं लगाए जाने संबंधी दावा पूरी तरह भ्रामक, तथ्यहीन और असत्य है। DM के हवाले से बताया गया कि घाट पर शौचालयों का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है। शौचालयों में दरवाजे लगाए जाने सहित अन्य सभी शेष कार्य पूर्व निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार समयबद्ध तरीके से पूरे किए जा रहे हैं। सुरक्षा या चोरी के डर से दरवाजे नहीं लगाए जाने जैसी बातों का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है।

श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त व्यवस्थाः जिलाधिकारी ने पेयजल व्यवस्था को लेकर प्रकाशित खबरों को भी भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे घाट एवं सीढ़ी घाट पर फिल्टर युक्त शुद्ध पेयजल की व्यवस्था पूरी तरह बहाल कर दी गई है। श्रद्धालुओं को निर्बाध रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस संबंध में किसी प्रकार की समस्या नहीं है। आगामी श्रावणी मेला को लेकर जिला प्रशासन और कार्यकारी एजेंसी लगातार तैयारियों में जुटी हुई है। अजगैबीनाथ मंदिर परिसर एवं घाट क्षेत्र का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है ताकि सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जा सकें।

डीएम- एसपी ने दिए अतिक्रमण हटाने के निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बांका। बांका में जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में जिला राजमार्ग सुरक्षा टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा को मजबूत करने, अवैध अतिक्रमण हटाने और अवैध पार्किंग पर नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों की सुरक्षा और सुचारु यातायात के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनका पालन अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजमार्गों पर किसी भी तरह का अवैध अतिक्रमण, पार्किंग या अनधिकृत गतिविधियां सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कार्रवाई से जिला प्रशासन को अवगत कराने को भी कहाः डीएम ने एनएचएआई भागलपुर प्रमंडल के परियोजना निदेशक, एनएच बांका के कार्यपालक अभियंता और पथ प्रमंडल बांका के कार्यपालक अभियंता को राष्ट्रीय राजमार्गों पर मौजूद अवैध संरचनाओं और अतिक्रमण स्थलों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को अब तक की गई कार्रवाई से जिला प्रशासन को अवगत कराने को भी कहा।

अतिक्रमण को नियमानुसार हटाया या ध्वस्त किया जाएगाः अतिक्रमण हटाने से पहले व्यापक प्रचार-प्रसार करने का भी निर्देश दिया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि संबंधित लोग निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वयं अपनी अवैध संरचनाएं या अतिक्रमण हटा सकें। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा में अवैध संरचनाएं और अतिक्रमण स्वतः नहीं हटाए जाते हैं, तो उन्हें नियमानुसार हटाया या ध्वस्त किया जाएगा।

राजमार्ग निगरानी दल के गठन की जानकारी भी दीः इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग सुरक्षा क्षेत्र में एनएचएआई, एनएच या पथ निर्माण विभाग की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी प्रकार का लाइसेंस, एनओसी या व्यापारिक अनुमति जारी या नवीकृत नहीं की जाएगी। बैठक में पुलिस विभाग द्वारा एक संयुक्त समर्पित राजमार्ग निगरानी दल के गठन की जानकारी भी दी गई।

विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश भी दियाः संबंधित अधिकारियों को सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी कार्यों का नियमित निरीक्षण और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अवैध रूप से वाहनों की पार्किंग के खिलाफ सघन अभियान चलाकर जुर्माना लगाने तथा अन्य विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया। निगरानी दल को प्रत्येक माह राजमार्गों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन जिला पदाधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया।

निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देशः आवश्यकता के अनुसार विशेष अभियान भी चलाए जाएंगे। वहीं, टास्क फोर्स की बैठक प्रत्येक पखवाड़े आयोजित कर उसकी कार्यवाही विवरणी संधारित करने का निर्देश दिया गया। बैठक के अंत में जिला पदाधिकारी ने नगर निकायों के पदाधिकारियों, कार्यपालक अभियंताओं, प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों को सभी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर समाहर्ता बांका, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), जिला परिवहन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता एनएच, कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

छात्रों पर लाठीचार्ज के खिलाफ सड़क पर उतरे वकील

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय। NEET परीक्षा में हुई कथित धांधली, बार-बार पेपर लीक की घटनाओं और इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में अब बेगूसराय में आंदोलन तेज हो चुका है। वकीलों ने भी अब छात्रों के समर्थन में मोर्चा खोल दिया है। आज बेगूसराय में वकीलों ने प्रदर्शन कर DM को ज्ञापन सौंपा और जमकर नारेबाजी की। छात्रों पर दमन और बर्बरता का आरोपः प्रदर्शन कर रहे दीपक सिन्हा, विजयकांत झा और वीरेंद्र साहु आदि ने कहा कि NEET परीक्षा में हुई धांधली के खिलाफ छात्र पूरी तरह से वाजिब और शांतिपूर्ण मांग उठा रहे थे। लेकिन सरकार और पुलिस प्रशासन ने संवेदनहीनता दिखाते हुए छात्रों के आंदोलन को बर्बरता से कुचलने का काम किया। जो छात्र आंदोलन कर रहे थे, वे हमारे और आपके ही बच्चे थे। उनके प्रदर्शन पर जिस तरह से पुलिस ने लाठीचार्ज किया, कील-कांटे लगी लाठियों से निशाना बनाकर हमला किया गया, वह निंदनीय है। छात्राओं के साथ अश्लील और अभद्र व्यवहार किया गया। जंतर-मंतर से लेकर पटना तक छात्रों के जुलूस और शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को पुलिस के दमन चक्र से दबाया जा रहा है।

वकील ने उठाईं मुख्य मांगेः धांधली और मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या या जान गंवाने वाले 20 से अधिक छात्रों के परिजनों को तुरंत उचित मुआवजा दिया जाए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर दर्ज किए गए सभी आपराधिक मुकदमों और FIR को तुरंत वापस लिया जाए। लाठीचार्ज में घायल हुए सभी छात्र-छात्राओं का सरकार अपने खर्च पर समुचित इलाज करवाए। पेपर लीक पर लगे स्थायी रोकः प्रदर्शन कर रहे वकीलों का कहना था कि NEET समेत देश की अन्य राष्ट्रीय परीक्षाओं में हो रहे पेपर लीक के सिलसिले को तुरंत और कड़ाई से रोका जाए। पेपर लीक और पूरे घटनाक्रम की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें। यह किसी दल नहीं, देश का आंदोलन हैः वकीलों का कहना है कि यह मुद्दा अब किसी एक राजनीतिक दल, संगठन या वर्ग का नहीं रहा। यह देश के करोड़ों युवाओं और उनके भविष्य का सवाल है। चाहे कोई भी दल सत्ता में हो या विपक्ष में, इस मामले पर देश का हर नागरिक और छात्र एकजुट हैं। जब तक छात्रों को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक वे कानूनी और सामाजिक तौर पर छात्रों के साथ खड़े रहेंगे।

इंडियन इंक्लूसिव पार्टी का आक्रोश मार्च

बेगूसराय। विधानसभा में इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (IIP) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आईपी गुप्ता के साथ हुई कथित अभद्रता और हमले के विरोध में आज बेगूसराय की सड़कों पर कार्यकर्ताओं का गुस्सा देखने को मिला। पार्टी के बैनर तले कार्यकर्ताओं ने शहर में आक्रोश मार्च निकाला। जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। मालगोदाम से कलेक्ट्रेट तक निकाला आक्रोश मार्चः पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आक्रोश मार्च मालगोदाम चौक से शुरू होकर समाहरणालय (DM कार्यालय) के दक्षिणी द्वार हड़ताली चौक पहुंचा। मार्च में शामिल लोग पार्टी के झंडे, बैनर और तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। प्रदर्शनकारी आईपी गुप्ता पर हुए कथित हमले के दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। हड़ताली चौक पर पुलिस ने रोका, हुई तीखी बहसः जैसे ही आक्रोश मार्च हड़ताली चौक के पास पहुंचा, वहां पहले से मुस्तैद पुलिस अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को बिना अनुमति आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रदर्शन या मार्च निकालने की पूर्व अनुमति नहीं ली गई है, इसलिए वे यहां भीड़ एकत्र नहीं कर सकते या रास्ता जाम नहीं कर सकते।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

विद्युत (सा.) विभाग

खुली ई–निविदा सूचना संख्याः एल.–ओपेन–26–27–08, दिनांक 22.07.2026

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य)/सोनपुर वास्ते भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। खुली ई–निविदा की अंतिम तिथि दिनांक 14.08.2026 को 12:30 बजे तक निर्धारित की गई है। खुली ई–निविदा संबंधी निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट www.ireps.gov.in पर किया जा सकता है।

1. कार्य का नामः डेमू शेड, सोनपुर में वंदे भारत रेकों के अनुरक्षण हेतु लाइट रिपेयर सेक्शन में 415 वोल्ट, 3–फेज एसी विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था। **2. अनुमानित लागतः** रू. 96,25,602.96 **3. बयाने की राशिः** रू. 1,92,500.00 **4. निविदा प्रपत्र की कीमत अप्रतिदेयः** रू. 00.00

उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। निविदा संबंधी रेल का अधिकार किसी भी समय निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदादाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा। **मंडल विद्युत इंजीनियर/(विद्युत/सा.) पूर्व मध्य रेल/सोनपुर**

पीआर/0608/एसईई/ईएलईसीटी//टी/26–27/32

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/771, दिनांक 23.07.2026; मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा, पूर्व रेलवे, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित विद्युतीय कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3634-आर; कार्य का नामः** हावड़ा के तहत पैनल इंटरलॉकिंग स्टेशन के 100 लोकेशनों/स्टेशनों/केबिनों में एयर कंडीशनिंग का प्रावधान। **निविदा मूल्यः** रु. 3,83,21,422; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 7,66,400; **क्रमांक 2, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3615; कार्य का नामः** 1) हावड़ा मंडल में एईएन/आजिमगंज के अधीन नॉन-इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेटों (कटवा-आजिमगंज अनुभाग में 4 अदद तथा आजिमगंज-नलहाटी अनुभाग में 2 अदद) में रिले हटों के प्रावधान के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। 2) हावड़ा मंडल में नॉन-इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेटों (लिलुआ-बेलूड़ मठ अनुभाग में 01 अदद तथा बर्द्धमान-कटवा अनुभाग में 02 अदद, रामपुरहाट-दुमका अनुभाग में 02 अदद) में रिले हटों के प्रावधान के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्यः** रु. 49,68,091; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 99,400; **समापन अवधिः** 180 दिन (दोनों के लिए)। **बंद होने की तारीख एवं समयः** 12.08.2026 को 15.00 बजे (दोनों के लिए)। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देता है। हालांकि, निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत किसी भी सुविधाजनक दिवस को ऑनलाइन निविदाएं खोली जाएंगी। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। (HWH-236/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल-39-26; दिनांक 23.07.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले तथा नीचे वर्णित कार्य सम्पन्न करने में आर्थिक रूप से सक्षम प्रतिष्ठित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम साथ में उसका स्थानः** आसनसोल मंडलः आसनसोल रनिंग रूम के विस्तार एवं प्रसार के साथ वर्तमान ढांचे का मजबूतीकरण तथा सीतारामपुर में विश्रामालय के साथ नए क्रू लॉबी का निर्माण। **निविदा मूल्यः** रु. 91,22,745.94; **बयाना राशिः** रु. 1,82,500; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य। **कार्य समापन अवधिः** 12 महीने। **बंद एवं खुलने की तारीख एवं समयः** 24.08.2026 को 11.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखे जा सकते हैं। (ASN-195/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

डीएम के निर्देशानुसार राशन कार्ड शिविर का आयोजन

आरा। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश के आलोक में गुरूवार को सदर आरा के अनुमंडल पदाधिकारी शिप्रा विजयकुमार चौधरी की अध्यक्षता में नागरिक प्रचारिणी सभागार, आरा के परिसर में राशन कार्ड विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नए राशन कार्ड निर्माण, राशन कार्ड में संशोधन, प्राप्त आवेदनों, लाभार्थियों के पंजीकरण व दस्तावेजों के सत्यापन की समीक्षा की गयी। अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों व कर्मियों को सभी आवेदनों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने और आम नागरिकों को आवश्यक सहयोग व मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बताया गया है कि वर्तमान में जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जिलेभर में कैंप मोड में नए राशन कार्ड का निर्माण व संशोधन का कार्य अभियान के तौर पर संचालित किया जा रहा है। सभी पात्र लाभुकों से अनुरोध की गयी है कि वे निर्धारित शिविरों में पहुंचकर अपने आवेदन व आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं। ताकि उन्हें योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

पेपर लीक मामले को लेकर जारी रहेगा छात्रों का आंदोलन

बक्सर। बिहार प्रदेश कांग्रेस के वरीय नेता टीएन चौबे ने कहा कि पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों का आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों के समर्थन में कांग्रेस पार्टी एकसाथ खड़ी है, क्योंकि यह देश के भविष्य का सवाल है। ये छात्र कल के भारत के भविष्य हैं। इनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। केन्द्र में बैठी एनडीए की सरकार को शर्म आनी चाहिए। मोदी व अमित शाह संवैधानिक मर्यादा को तोड़कर छात्रों के साथ राजनीति पर उतर आए हैं। केन्द्र के तानाशाही रवैया बिलकुल ही गलत है। देश में 152 बार पेपरलिक हुआ है। केन्द्र सरकार के लिए यह परिपाटी बन गई है। अभी तक पेपर लीक मामले में दोषियों को चिन्हित तक नहीं किया गया तो सजा तो दूर कि बात है आखिरकार केन्द्र सरकार कर क्या रही है। धर्मेन्द्र प्रधान को बचाने के लिए सरकार अड़ी हुई है, चाहें लाखों करोडों छात्रों का भविष्य अधर में पड़ा रहे। देश के छात्र भाजपा के रवैये से पूरी तरह वाकिफ हो चुके हैं। अब वो पीछे हटने वाले नहीं हैं।

बुद्धिजीवियों का मौन समाज के प्रति अन्याय, संकट में आगे आने की जरूरतः वक्ता

आरा। आरा अलोकतांत्रिक पुलिसिया कार्रवाई और व्यवस्था की असंवेदनशीलता के विरोध में सिविल सोसायटी, के बैनर तले जयप्रकाश स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर चल रहा, अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन गुरुवार को चौथे दिन भी जारी रहा। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों पर हुए कथित बर्बर हमले की निंदा और सरकार के खिलाफ विरोध जताते हुए की गई। धरना के दौरान वर्तमान परिस्थितियों में बुद्धिजीवियों की भूमिका विषय पर विशेष विमर्श आयोजित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि जब समाज लोकतांत्रिक, शैक्षणिक और सामाजिक चुनौतियों से जूझ रहा हो, तब बुद्धिजीवियों की भूमिका केवल विचार रखने तक सीमित नहीं रह सकती। उन्हें समाज और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निर्भीक होकर सामने आना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि इतिहास इस बात का साक्षी है कि साहित्यकारों, शिक्षकों, कलाकारों, पत्रकारों और चिंतकों ने सामाजिक परिवर्तन तथा जनचेतना के निर्माण में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे समय में यदि बुद्धिजीवी मौन रहते हैं तो उनका मौन भी सामाजिक और नैतिक प्रश्न बन जाता है। विमर्श सत्र की अध्यक्षता सुशील कुमार ने की, जबकि विषय प्रवेश अशोक मानव ने कराया। कार्यक्रम का संचालन लालजी शर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन सुनील कुमार सिंह ने दिया। धरना में विजय मेहता, राकेश कुमार सिंह, मंटू सिंह, डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह, संजय श्रीवास्तव, दीपक कुमार यादव, मनोज कुमार सिंह, उदय पासवान, सतीश पटेल, ओपी पांडेय और अमित सिंह सहित आदि थे।

आयुष्मान भारत योजना में तीन नए निजी अस्पतालों को मिली सूचीबद्धता की मंजूरी

आरा। भोजपुर में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। गुरुवार को जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में जिला मनोनयन समिति की बैठक हुई, जिसमें नए निजी अस्पतालों को आयुष्मान भारत योजना से सूचीबद्ध करने के प्रस्तावों पर विचार किया गया। आठ निजी अस्पतालों से सूचीबद्धता के लिए आवेदन प्राप्त हुए थे। सभी अस्पतालों का जिला मनोनयन समिति के सदस्यों द्वारा पूर्व में भौतिक सत्यापन किया गया था। सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी ने तीन निजी अस्पतालों को आयुष्मान भारत योजना के तहत सूचीबद्ध करने की मंजूरी प्रदान की। वहीं, पांच निजी अस्पताल राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) की गाइडलाइन के निर्धारित मानकों को पूरा नहीं कर सके, जिसके कारण उनके आवेदन निरस्त कर दिए गए। बैठक में पहले से सूचीबद्ध चार निजी अस्पतालों में विशेषज्ञता (स्पेशियलिटी) बढ़ाने की भी मंजूरी दी गई, जिससे योजना के लाभार्थियों को अधिक विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में निर्धारित मानकों का नियमित अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। बैठक में सिविल सर्जन शिवेंद्र कुमार सिन्हा, वरीय उप समाहर्ता (भूमि एवं राजस्व), वरीय उप समाहर्ता (जिला विकास शाखा), वरीय उप समाहर्ता (जिला नीलाम शाखा) आदि अधकारी मौजूद रहे।

पंचकोशी मेला को मिलेगा राजकीय मेला का दर्जा

बक्सर। गुरुवार को जिले में खेल सुविधाओं के विस्तार और पर्यटन विकास से जुड़ी योजनाओं को समय पर पूरा कराने के लिए को कलेक्ट्रेट परिसर के सभाकक्ष में डीएम साहिला ने पर्यटन एवं खेल विभाग की समीक्षा किया। बैठक में विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में डीएम ने जिले की 42 पंचायतों में खेल मैदानों के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही इटाढ़ी प्रखंड स्तरीय स्टेडियम के निर्माण कार्य को जल्द शुरू कराने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक पहल करने को कहा। खिलाड़ियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर देते हुए डीएम ने एम.पी. हाई स्कूल, बक्सर के खेल मैदान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया। वहीं सी.पी.एस.एस. विद्यालय, डुमरांव में प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा एक अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में आईटीआई परिसर में निर्माणाधीन स्टेडियम की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बिहार भवन निर्माण निगम लिमिटेड के कनीय अभियंता को निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर इसे पूरा कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में पंचकोशी मेला को राजकीय मेले का दर्जा दिलाने के लिए जिला कला एवं संस्कृति विभाग को आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र भेजने का भी निर्देश दिया गया।

नहर में डूबने से किसान की मौत

आरा। भोजपुर में नहर में डूबने से किसान की मौत हो गई। घर लौटते समय हादसा हुआ है। मृतक की पहचान भगवतीपुर गांव निवासी लक्ष्मण सिंह के पुत्र राजेंद्र सिंह(53) के तौर पर हुई है। हैं। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र के भगवतीपुर-कुसुम्ही गांव के बीच बड़की नहर की है। मृतक के भतीजे वीर बहादुर सिंह ने बताया कि गुरुवार को बीज का बोझा सिर पर लादकर घर लौट रहे थे। नहर के पास उनका पैर फिसल गया और गहरे पानी में चले गए। पानी में डूबने से उनकी जान चली गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

घर में मचा कोहरामः सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को शव दिया। मृतक तीन भाई और दो बहन में दूसरे स्थान पर थे। परिवार में पत्नी सोनामती देवी, दो पुत्र सुबोध कुमार, विकास कुमार और एक पुत्री बबीता कुमारी है।

नीट पेपर लीक मास्टरमाइंड पर चार्जशीट क्यों नहीं?

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दोषियों को जल्द सजा दिलाने और फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने की घोषणा के बाद बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि सरकार एक ओर स्पीडी ट्रायल और कड़ी सजा की बात कर रही है, जबकि दूसरी ओर वर्ष 2024 के नीट पेपर लीक मामले के कथित सरगना संजीव मुखिया के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकी है।

देश के करोड़ों छात्रों को न्याय आखिर कब मिलेगा - सुधाकर सिंहः सुधाकर सिंह ने सवाल उठाया कि यदि मामले के मुख्य आरोपी के खिलाफ ही चार्जशीट दाखिल नहीं हुई है, तो देश के करोड़ों छात्रों को न्याय आखिर कब मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की स्पीडी ट्रायल की बात केवल भाषणों तक सीमित दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं का भविष्य राजनीतिक बयानबाजी का विषय नहीं होना चाहिए। छात्रों और अभ्यर्थियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध न्याय मिलना चाहिए। सांसद ने जोर दिया कि पेपर लीक जैसी घटनाएं लाखों मेहनती विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित करती हैं, इसलिए सरकार को केवल घोषणाएं करने के बजाय ठोस और प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।

मामलों के तुरंत निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठनः गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक संदेश जारी कर कहा था कि पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड दिलाने और मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में यह भी कहा कि विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए सरकार लगातार महत्वपूर्ण फैसले ले रही है और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री की इस घोषणा के बाद विपक्ष की ओर से सांसद सुधाकर सिंह की प्रतिक्रिया सामने आई है।

आग से झुलसकर महिला की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर में आग से झुलझकर एक महिला की मौत हो गई। आग से 97 प्रतिशत तक जल चुकी थी। मृतका की पहचान शिवनगर गांव निवासी यशोदा कुंअर(50) के तौर पर हुई है। घटना गीधा थाना क्षेत्र की है। मृतका के भतीजे भोला सिंह ने बताया कि घर में कोई नहीं था, चाची अकेली थी। अंदर से दरवाजा बंद कर ताला लगा दिया था। शुक्रवार सुबह जब घर से धुआं निकालने लगा तो आसपास के लोगों ने शोर मचाना शुरू किया। देखते ही देखे काफी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई। इसकी सूचना डायल-112 पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला गया। आनन-फानन में अस्पताल लेकर गए, लेकिन जान नहीं बची।

खुदकुशी की कही बातः भोला सिंह का कहना है कि चाची यशोदा कुंअर ने खुद से आग लगकार खुदकुशी की है। सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। फिलहाल पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

घर में मचा कोहरामः जानकारी के मुताबिक यशोदा कुंअर के पति सुरेश सिंह की मौत पहले ही हो चुकी है। उन्होंने दूसरी शादी थी। उन्हें कोई संतान नहीं था। पहली पत्नी से पांच पुत्री है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

महिला सुरक्षा एवं कानूनी प्रावधानों पर छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

ब्रह्मपुर। महिला सुरक्षा, कानूनी प्रावधानों और युवतियों की जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष कार्यक्रम के तहत मध्य विद्यालय, ब्रह्मपुर में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय थाना की सब-इंस्पेक्टर रूबी कुमारी ने छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनों, अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी। सब-इंस्पेक्टर रूबी कुमारी ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्राओं को किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर अपराध की स्थिति में बिना डरे पुलिस से संपर्क करने और उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही छात्र-छात्राओं को सुरक्षित व्यवहार अपनाने, सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान ऑपरेशन विधि पालक, युवा बने पहचान, सुरक्षित युवती तथा महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न जनजागरूकता अभियानों की जानकारी भी साझा की गई। छात्र-छात्राओं को बताया गया कि कानून सभी को समान सुरक्षा प्रदान करता है और अपने अधिकारों की जानकारी होने से वे स्वयं को अधिक सुरक्षित रख सकते हैं। एसआई रूबी कुमारी ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे महिलाओं के सम्मान, लैंगिक समानता और सुरक्षित समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

छात्रों का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर में शुक्रवार दोपहर बड़ी संख्या में छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन और प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में था। छात्रों ने शहर के अंबेडकर चौक पर एकत्र होकर विरोध जताया और हाथों में "धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो" तथा "थैंक्यू बक्सर पुलिस" लिखे पोस्टर लहराए। प्रदर्शनकारी छात्र "वंदे मातरम", "धर्मेंद्र प्रधान हाय-हाय" और "छात्र एकता जिंदाबाद" जैसे नारे लगा रहे थे। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं और छात्रों के साथ हो रहे अन्याय पर सरकार से जवाब मांगा। छात्रों ने स्पष्ट किया कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

समाहरणालय मार्ग तक पुलिस बल तैनातः छात्रों के प्रदर्शन को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। अंबेडकर चौक से लेकर समाहरणालय मार्ग तक भारी संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारी तैनात किए गए। अधिकारियों ने छात्रों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील की। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और यातायात प्रभावित न हो। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने बक्सर पुलिस की भूमिका की सराहना की और "थैंक्यू बक्सर पुलिस" लिखे पोस्टर भी लहराए। छात्रों ने बताया कि पुलिस ने संयमित व्यवहार किया और शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देकर उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान किया, जिसके लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया।

मांगों को सरकार तक पहुंचाना उद्देश्यः इस प्रदर्शन में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए। छात्रों ने दोहराया कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण है और इसका उद्देश्य अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाना है। उन्होंने सरकार से छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया। फिलहाल, अंबेडकर चौक और आसपास के इलाके में पुलिस बल तैनात है। अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से जारी था और छात्र अपनी मांगों को लेकर डटे हुए थे।

पटना, मुंगेर, गया और मोतिहारी के खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में जमाया दबदबा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। पांच दिनों तक रोमांचक मुकाबलों के गवाह बने बक्सर के इनडोर बैडमिंटन हॉल में गुरुवार को राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 2026 का भव्य समापन हो गया। समापन समारोह में जिलाधिकारी साहिला, उप विकास आयुक्त निहारिका छवि तथा पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर अधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि हार और जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास ही खिलाड़ी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन राज्य की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गर्ल्स सिंगल्स अंडर-13 वर्ग में पटना की गार्गी आर्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। इसी वर्ग में पटना की ईशान्वी सिंह उपविजेता रहीं। वहीं गर्ल्स सिंगल्स अंडर-15 में गया की नेहा कुमारी ने जीत हासिल की, जबकि पटना की तन्वी आर्य को उपविजेता बनने से संतोष करना पड़ा। बालक वर्ग में पटना और मुंगेर के खिलाड़ियों का जलवा बॉयज सिंगल्स अंडर-13 में पटना के अमन कुमार ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया, जबकि मोतिहारी के ओजस पांडेय उपविजेता रहे। बॉयज सिंगल्स अंडर-15 में मुंगेर के असदुल्लाह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। इस वर्ग में पटना के कृष्ण कुमार रनर-अप रहे। युगल मुकाबलों में भी दिखा रोमांच बॉयज डबल्स अंडर-13 वर्ग में पटना के अमल कुमार एवं किसलय कुमार की जोड़ी विजेता बनी। वहीं बेतिया के कृष्णा और मोतिहारी के ओजस पांडेय की जोड़ी उपविजेता रही। बॉयज डबल्स अंडर-15 में मुंगेर के असदुल्लाह एवं मुजफ्फरपुर के प्रांजल वीर ने खिताब पर कब्जा जमाया। जबकि मुंगेर के अयान अली सिद्दीकी एवं बेतिया के फैसल इकबाल की जोड़ी दूसरे स्थान पर रही।

दिल्ली में छात्रों पर कार्रवाई के विरोध में आरा में प्रतिवाद मार्च, गोपाली चौक पर हुई सभा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा कथित लाठीचार्ज, आंसू गैस के इस्तेमाल और दमनात्मक कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को आरा में प्रतिवाद मार्च निकाला गया। मार्च अबरपुल से शुरू होकर अहीरपुरवा मोड़, शीश महल चौक होते हुए गोपाली चौक पहुंचा, जहां सभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए वार्ड पार्षद एवं माले नगर कमेटी सदस्य फैज अहमद ने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों की जायज मांगों को सुनने के बजाय आंदोलन को दबाने का प्रयास कर रही है। बार-बार होने वाली पेपर लीक की घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। ऐसे में सरकार को छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्र और युवा देश का भविष्य हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग उचित नहीं है। सरकार को अपनी जिद छोड़कर छात्रों की मांगें माननी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्रों की मांगों की अनदेखी की गई तो आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है।

राशन कार्ड के लिए आवेदन व सुधार का सुनहरा अवसर, 10 दिन चलेगा अभियान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गड़हनी। गड़हनी अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर गड़हनी नगर पंचायत कार्यालय में राशन कार्ड बनाने और उसमें त्रुटि सुधार के लिए 10 दिवसीय विशेष शिविर की शुरुआत की गई। पहले ही दिन 32 लोगों ने नया राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदन फॉर्म लिया।जबकि आवश्यक दस्तावेजों के साथ केवल चार लाभुकों ने आवेदन जमा किया। नगर पंचायत प्रशासन ने शिविर के सफल संचालन के लिए स्वच्छता पर्यवेक्षक विनीता कुमारी को नोडल पदाधिकारी बनाया है। उन्होंने बताया कि अगले 10 दिनों तक इच्छुक एवं पात्र लाभुक नए राशन कार्ड के लिए आवेदन करने के साथ-साथ पुराने राशन कार्ड में नाम जोड़ने, हटाने या अन्य त्रुटियों का सुधार भी करा सकते हैं। वार्ड पार्षद को दिया गया प्रचार-प्रसार का जिम्मा नगर पंचायत कार्यालय ने सभी वार्ड पार्षदों को अपने-अपने वार्डों में व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया है, ताकि कोई भी पात्र परिवार इस अवसर से वंचित नहीं रहे। नगर पंचायत कार्यालय का मानना है कि शिविर के बारे में जानकारी बढ़ने के साथ आने वाले दिनों में आवेदनकर्ताओं की संख्या में तेजी आने की उम्मीद है। राशन कार्ड बनाने के लिये आधार कार्ड,आय प्रमाण पत्र, जाती प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र,बैंक पासबुक , फोटो व वैद्य मोबाइल नंबर लगेगा। इस सभी दस्तावेज का छाया प्रति लगाकर फॉर्म जमा करना है। इस अवसर पर कार्यपालक पदाधिकारी वरुण कुमार दुबे, उप मुख्य पार्षद बबलू सिंह, मुख्य पार्षद प्रतिनिधि तस्लीम आरिफ़ उर्फ गुड्डू,मुन्ना राम, अविनाश राव, असलम अंसारी सहित कई लोग उपस्थित थें।

श्रावणी मेला से पहले कांवर यात्रा मार्ग दुरुस्त होंगे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। गुरूवार को आगामी श्रावणी मेला के सफल, सुरक्षित और शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता डीएम साहिला और एसपी शुभम आर्य ने की। इस दौरान शांति समिति के सदस्यों ने मेला व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव दिए, जिन पर विस्तार से चर्चा की गई। डीएम ने नगर परिषद बक्सर एवं डुमरांव के कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रावणी मेला शुरू होने से पहले सभी प्रमुख मार्गों की समुचित सफाई कराई जाए। साथ ही चूना और ब्लीचिंग पाउडर का नियमित छिड़काव सुनिश्चित किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण मिल सके। बैठक में लोक स्वास्थ्य प्रमंडल तथा नगर परिषद और नगर पंचायत बक्सर, ब्रह्मपुर एवं डुमरांव को कांवर यात्रा मार्गों पर पेयजल, स्वच्छता और साफ-सफाई की पर्याप्त व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। वहीं विद्युत आपूर्ति प्रमंडल को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा ढीले और खुले बिजली के तारों की समय पर जांच कर उन्हें दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए कांवर यात्रा मार्गों पर गड्ढों की मरम्मत, जलजमाव की निकासी और मार्गों को सुरक्षित एवं सुगम बनाने का दायित्व संबंधित नगर निकायों को सौंपा गया। सिविल सर्जन को सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, अनुमंडल अस्पताल डुमरांव और सदर अस्पताल में एम्बुलेंस, आवश्यक दवाइयों तथा चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अग्निशमन एवं स्वास्थ्य विभाग को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने को कहा गया। बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर में विशेष व्यवस्था बैठक में बताया गया कि इस वर्ष श्रावण माह 30 जुलाई से शुरू होगा। प्रथम सोमवारी 3 अगस्त, द्वितीय 10 अगस्त, तृतीय 17 अगस्त और चतुर्थ सोमवारी 24 अगस्त को पड़ेगी। श्रावण मास में बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर में बड़ी संख्या में कांवरियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए डुमरांव एसडीएमको विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया। एसपी शुभम आर्य ने बताया कि श्रावणी मेला के दौरान सभी प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थलों पर दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुचारु यातायात और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी, ताकि श्रावणी मेला शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

7 जिलों में प्रदर्शन, धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका

पटना में डंडे-हेलमेट लेकर सड़कों पर पुलिस, मुजफ्फरपुर में 26 जुलाई तक इंटरनेट बंद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। NEET पेपर लीक और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर बिहार में शुक्रवार को भी छात्रों का प्रदर्शन जारी है। बक्सर, सुपौल और समस्तीपुर में छात्र पोस्टर-बैनर लेकर सड़कों पर उतरे हैं। वैशाली में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरकर नारेबाजी कर रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका गया। समस्तीपुर-मधुबनी में भी प्रदर्शन हो रहे है।

खगड़िया और दरभंगा में हजारों की संख्या में छात्र सड़कों पर उतरकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। मुजफ्फरपुर में छात्रों के समर्थन में स्थानीय नेता जुलूस निकाल रहे हैं।

वहीं, मुजफ्फरपुर में प्रदर्शन को देखते हुए 24 जुलाई दोपहर 12:30 बजे से 26 जुलाई सुबह 10:00 बजे तक टाउन-1 और टाउन-2 पुलिस सब-डिवीजन क्षेत्रों में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। फेसबुक, एक्स, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम समेत 24 सोशल नेटवर्किंग और मैसेजिंग सेवाओं पर रोक रहेगी। किसी भी प्रकार के संदेश, फोटो, वीडियो या अन्य डिजिटल सामग्री के प्रसारण पर प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, सरकारी कार्यों के लिए उपयोग होने वाली अधिकृत इंटरनेट सेवाओं को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। पटना में प्रदर्शन को देखते हुए विधायक गाड़ियों से झंडे उतारकर कार्यवाही में पहुंचे। विधानसभा, रेलवे स्टेशन की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भागलपुर में पुलिस ड्रोन से निगरानी कर रही है। पटना के जेपी गोलंबर पर वाटर कैनन के साथ 200 जवानों की तैनाती की गई है। पटना पुलिस की ओर से रैपिड एक्शन शुरू किया गया है। पटना डीएम, एसएसपी समेत सभी थाने के थानेदार इसमें मौजूद हैं। सड़क पर दिख रहे छात्रों को रोक कर पूछताछ हो रही है। शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया है।

पटना-जमुई-बक्सर और खगड़िया में बारिश, 19 जिलों में अलर्ट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना के कुछ इलाकों में शुक्रवार सुबह से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। बारिश के कारण AN कॉलेज के पास सड़क धंस गई है। गड्ढा हो गया है, एहतियात के लिए इस सड़क पर गाड़ियों की आवाजाही बंद है, ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। वहीं खगड़िया, जमुई और बक्सर में भी बारिश हुई है। नालंदा में सुबह-सुबह हल्की बारिश हुई। वहीं गयाजी में गया-कोडरमा रेलखंड पर पेड़ की टहनी गिरने से रेलकर्मी की मौत हो गई। मृतक की पहचान चंद्रिका यादव(56) के तौर पर हुई है। फतेहपुर थाना क्षेत्र के बाभनीमा गांव के रहने वाले थे। वो ड्यूटी के लिए घर से निकले थे,तभी हादसा हो गया।

बीते 24 घंटे में बिहार के तीन जिलों में आकाशीय बिजली से 5 लोगों की मौत हो गई। जमुई में शुक्रवार सुबह एक छात्र की ठनका से मौत हो गई। औरंगाबाद और बक्सर में गुरुवार को आकाशीय बिजली गिरने से 2-2 लोगों की जान गई।

मौसम विभाग ने आज उत्तर बिहार के 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, दक्षिण बिहार के ज्यादातर हिस्सों में मौसम साफ रहेगा। कुछ जगहों पर बादल छाए रहेंगे। साथ ही हल्की बारिश की संभावना है। 25 से 28 जुलाई तक उत्तर बिहार के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 28 जुलाई को पटना, भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, सारण, वैशाली और सीवान समेत कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल छीनकर भाग रहे बदमाश को धर दबोचा, आरपीएफ ने 2 मोबाइल और 1 बाइक बरामद की

हाजीपुर। हाजीपुर पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल अंतर्गत आरपीएफ पोस्ट हाजीपुर (ओपी भगवानपुर) की टीम ने 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी भगवानपुर रेलवे स्टेशन पर गश्त के दौरान हुई, जब आरोपी ट्रेन से मोबाइल छीनकर भागने की कोशिश कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान वैशाली निवासी नीतीश कुमार (29 वर्ष) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से दो सैमसंग मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल (BR-31S-1350) बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी नीतीश कुमार ने स्वीकार किया कि उसने पाटलिपुत्र-मुजफ्फरपुर पैसेंजर ट्रेन में यात्रा कर रहे एक यात्री का मोबाइल फोन छीना था। घटना को अंजाम देने के बाद वह मौके से भागने का प्रयास कर रहा था, तभी आरपीएफ की गश्ती टीम ने उसे पकड़ लिया। आरपीएफ ने गिरफ्तार आरोपी और बरामद सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी थाना मुजफ्फरपुर को सौंप दिया है। इस मामले में कांड संख्या 139/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 305(C) एवं 317(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आरपीएफ हाजीपुर के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और रेलवे परिसर में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने यात्रियों से भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल या हेल्पलाइन पर देने की अपील की।

'प्रधानजी हमने इस्तीफा लिख दिया है,तुम अंगूठा लगा दो', छात्र बोले, केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध मार्च और नारेबाजी

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज में छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर मार्च निकाला, सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुतला दहन किया। प्रदर्शन में छात्रों के साथ कई स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ता और नेता भी शामिल हुए। पूरे बाजार और गली-मोहल्लों में मार्च निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया। इस दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार नारे लगाए गए। हालांकि, इस प्रदर्शन के दौरान कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें सामने आईं। कुछ प्रदर्शनकारियों के हाथों में अभद्र और आपत्तिजनक स्लोगन वाली तख्तियां दिखाई दीं। इतना ही नहीं, कुछ बच्चों को भी वही नारे दोहराते हुए देखा गया, जिसे सुनकर मौके पर मौजूद कई लोग असहज महसूस कर रहे थे। इस घटना ने विरोध प्रदर्शन के तरीकों पर ध्यान आकर्षित किया है। लोकतंत्र में विरोध और असहमति व्यक्त करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक प्रदर्शनों में अशोभनीय भाषा का उपयोग और बच्चों को ऐसे नारों में शामिल करने के औचित्य पर बहस छिड़ गई है।

मादक पदार्थ तस्करों पर शिकंजा, 20.17 ग्राम स्मैक बरामद, 2 गिरफ्तार, 4 मोबाइल और 2 बाइक जब्त

हाजीपुर। वैशाली पुलिस द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थों के सेवन और तस्करी पर रोक लगाने के लिए 'ऑपरेशन नीलकंठ' चलाया जा रहा है। इसी के तहत महुआ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 20.17 ग्राम हेरोइन (स्मैक) के साथ दो कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 22 जुलाई 2026 को जिला आसूचना इकाई से सूचना मिली थी कि महुआ थाना क्षेत्र के मिर्जानगर गांव में कुछ लोग बिक्री के उद्देश्य से मादक पदार्थ लेकर जमा हुए हैं। इस सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक वैशाली के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (महुआ) के नेतृत्व में महुआ थाना की एक टीम गठित कर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान 20.17 ग्राम हेरोइन (स्मैक) के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अभिषेक कुमार (पिता- रूदल राय, निवासी- भदबास, थाना महुआ) और विशाल कुमार (पिता- अवधेश राय, निवासी- मिर्जानगर, थाना महुआ) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद मादक पदार्थ कहां से लाया गया था और इसे किसे बेचा जाना था। इस मामले में महुआ थाना कांड संख्या 742/26 दर्ज कर दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 20.17 ग्राम हेरोइन (स्मैक), चार मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिल भी बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अभिषेक कुमार के विरुद्ध पहले से आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। मामले की आगे की जांच जारी है।

करंट लगने से 24 वर्षीय मिस्त्री की मौत, बागमाली मोहल्ले में फर्नीचर की दुकान में काम करते समय हादसा

हाजीपुर। वैशाली के बागमाली मोहल्ले में गुरुवार दोपहर एक मिस्त्री की करंट लगने से मौत हो गई। वह एक घर में एल्यूमीनियम का काम कर रहा था। मृतक की पहचान करताहा के नामीदीह गांव निवासी उमेश शाह के 24 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार के रूप में हुई है। सोनू पिछले 20 सालों से बागमाली मोहल्ले में किराए के मकान में परिवार के साथ रहता था। जानकारी के अनुसार, सोनू कुमार बागमाली मोहल्ले में एक फर्नीचर की दुकान में काम करता था और ऑर्डर मिलने पर एल्यूमीनियम के खिड़की-दरवाजे लगाने का काम करता था। गुरुवार को वह अपने घर से लगभग 200 मीटर दूर एक घर में काम करने गया था, तभी करंट की चपेट में आ गया और बुरी तरह झुलस गया। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना डायल 112 और नगर थाना पुलिस को दी। नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के भाई रोहित कुमार ने बताया कि सोनू फर्नीचर की दुकान में काम करता था। गुरुवार को बागमाली मोहल्ले में एल्यूमीनियम का काम करते समय वह करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

तीन बेटियों ने पिता की अर्थी को दिया कंधा, पाटीदारों के विरोध के बावजूद निभाया बेटे का फर्ज

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले में सामाजिक परंपराओं को चुनौती देते हुए तीन बेटियों ने अपने पिता का अंतिम संस्कार किया। पाटीदारों के विरोध के बावजूद बेटियों ने न सिर्फ पिता की अर्थी को कंधा दिया, बल्कि सबसे छोटी बेटी ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की सभी रस्में पूरी की। यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। मामला मीनापुर प्रखंड के सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र से जुड़ा है। घोसौत गांव के वार्ड संख्या-9 निवासी 65 वर्षीय दुर्गा सहनी का मंगलवार को निधन हो गया। उनका कोई बेटा नहीं था। परिवार में तीन बेटियां श्रीमती देवी, शारदा देवी और पिंकी देवी है। पिता की मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी भी तीनों बेटियों ने अपने कंधों पर उठा ली। स्थानीय मुखिया अखिलेश राम ने बताया कि दुर्गा सहनी का अपने पाटीदारों से लंबे समय से विवाद चल रहा था। निधन के बाद जब बेटियां अंतिम संस्कार की तैयारी कर रही थीं, तब कुछ पाटीदारों ने इसका विरोध किया। उन पर दबाव बनाने का प्रयास किया। इस दौरान बेटियों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। सूचना मिलने पर मैं मौके पर पहुंचे और बेटियों को उनके कानूनी और सामाजिक अधिकारों की जानकारी दी। जब विरोध नहीं रुका तो पुलिस को सूचना देने की बात कही गई, जिसके बाद मामला शांत हुआ। विरोध के बावजूद तीनों बेटियों और उनके नाती ने मिलकर पिता की अर्थी को कंधा दिया और श्मशान घाट तक पहुंचे। वहां सबसे छोटी बेटी पिंकी देवी ने अपने पिता को मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की रस्म पूरी की। बताया जा रहा है कि इस दौरान किसी भी पाटीदार ने न तो अर्थी को कंधा दिया और न ही अंतिम संस्कार में शामिल हुए। बाद में गांव के कुछ लोगों ने आगे बढ़कर बेटियों का सहयोग किया। पिता के प्रति बेटियों के इस साहस, जिम्मेदारी और समर्पण की पूरे गांव और आसपास के क्षेत्रों में चर्चा हो रही है। सामाजिक विरोध के बावजूद तीनों बेटियों ने जिस तरह अपने पिता का अंतिम संस्कार किया, उसे लोग बेटियों की हिम्मत और बदलते सामाजिक सोच का उदाहरण मान रहे हैं।

बारिश से खिल उठे किसानों के चेहरे, मसौढ़ी प्रखंड में धान रोपनी ने पकड़ी रफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मसौढ़ीः चार दिनों से रुक रुक कर हो रही बारिश के बाद मसौढ़ी प्रखंड के किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। पर्याप्त पानी मिलने से खेतों में धान रोपनी का कार्य तेजी से शुरू हो गया है। गांव-गांव में किसान और खेतिहर मजदूर सुबह से ही खेतों में उतरकर धान की रोपाई में जुटे हुए हैं।किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश से इस बार अच्छी फसल की उम्मीद बढ़ गई है। पिछले कुछ दिनों से बारिश नहीं होने के कारण किसान चिंतित थे, लेकिन मानसून सक्रिय होने के बाद खेतों में पानी भर गया और रोपनी का काम रफ्तार पकड़ चुका है।मसौढ़ी प्रखंड के कई पंचायतों में खेतों में हरियाली लौटने लगी है। किसान अब मौसम का साथ मिलने से बेहतर उत्पादन की उम्मीद कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि यदि आने वाले दिनों में बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा, तो इस वर्ष धान की पैदावार अच्छी रहने की संभावना है।

आरपीएस रेसिडेंसियल स्कूल, पटना में एआई ट्रेनिंग एंड सर्टिफिकेशन प्रोग्राम-2026 का सफल आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। स्थानीय आरपीएस रेसिडेंसियल स्कूल में शुक्रवार, 24 जुलाई 2026 को एआई ट्रेनिंग एंड सर्टिफिकेशन प्रोग्राम-2026 (AICP-2026) का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा चतुर्थ से कक्षा बारहवीं तक के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence), डिजिटल कौशल तथा उभरती तकनीकों से परिचित कराना था, ताकि वे भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार कर सकें।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री दिलीप कुमार सिंह एवं उप-प्राचार्या श्रीमती उषा सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में दोनों ने कहा कि वर्तमान समय में एआई शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है और विद्यार्थियों को नई तकनीकों से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

इस अवसर पर एआई ट्रेनर एवं टेक्नोलॉजी एजुकेटर श्री अतिश अनंत ने विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यवहारिक उपयोग, विभिन्न क्षेत्रों में इसके बढ़ते महत्व, रोजगार एवं करियर की संभावनाओं तथा तकनीकी नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षों में एआई लगभग प्रत्येक क्षेत्र का महत्वपूर्ण आधार बनेगी, इसलिए विद्यार्थियों को अभी से इसकी समझ विकसित करनी चाहिए।

कार्यक्रम की निदेशिका सुश्री स्वाति झा ने विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों को अपनाने, नवाचार की सोच विकसित करने तथा डिजिटल भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों का सकारात्मक उपयोग ही देश को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिला सकता है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री सनत कुमार घोष की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने आयोजन के समन्वय एवं संचालन में सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रशासन ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच, समस्या-समाधान क्षमता तथा नवाचार की भावना को विकसित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। विद्यालय भविष्य में भी ऐसे आधुनिक एवं कौशल-आधारित कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, जिससे विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप तैयार किया जा सके।

पटना में पत्रकारों पर हमले के विरोध में इंडियन जर्नलिस्ट ने राज्यपाल व मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला पदाधिकारी को सौंपा

पत्रकारों पर हमले की इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने की कड़ी निंदा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना /मुजफ्फरपुर। इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन, बिहार के प्रदेश वरीय उपाध्यक्ष श्री संतोष कुमार ने 22 जुलाई 2026 को पटना में प्रदर्शन के दौरान न्यूज़ कवरेज कर रहे पत्रकारों के साथ हुई बदसलूकी, मारपीट एवं हमले की घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार तथा माननीय राज्यपाल, बिहार के नाम एक ज्ञापन मुज़फ्फरपुर के जिलाधिकारी कुमार गौरव से मिलकर सौपा गया। मौके पर मुज़फ्फरपुर जिलाध्यक्ष मंजय कुमार, वरीय उपाध्यक्ष ब्रह्मदेव कुशवाहा भी साथ में मौजूद रहे।

ज्ञापन में कहा गया है कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं। समाचारों का निष्पक्ष संकलन एवं प्रसारण करना उनका संवैधानिक दायित्व है। कवरेज के दौरान पत्रकारों के साथ हिंसक व्यवहार न केवल उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आघात है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों एवं स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए भी गंभीर खतरा है।

इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने राज्य सरकार से मांग की है कि घटना की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कर दोषी व्यक्तियों की पहचान करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही घायल पत्रकारों को समुचित चिकित्सा सुविधा एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

एसोसिएशन ने यह भी मांग की है कि भविष्य में किसी भी प्रदर्शन, आंदोलन अथवा संवेदनशील घटनाओं की कवरेज के दौरान पत्रकारों की जान-माल एवं कार्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा पत्रकारों के साथ हिंसा एवं उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। श्री संतोष कुमार ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा लोकतंत्र की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। सरकार को इस गंभीर मामले का संज्ञान लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि पत्रकार निर्भीक होकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

पीके (प्रशांत किशोर) पहले बिहार की जनता से ठगे हुए पैसे वापस करें : ऋतुराज सिन्हा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री श्री ऋतुराज सिन्हा ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो व्यक्ति बिहार की जनता से कथित तौर पर लिए गए 20 करोड़ रुपये का हिसाब नहीं दे सकता,उसे दूसरों पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार लाभअभियान के नाम पर प्रशांत किशोर ने बिहार की लगभग एक करोड़ जनता से पीला कार्ड के नाम पर 20-20 रुपये लेकर करोड़ों रुपये जुटाए,लेकिन आज तक यह नहीं बताया कि इस अभियान से किसी एक भी परिवार को क्या लाभ मिला।

श्री सिन्हा ने कहा कि यह पैसा बिहार के गरीब और मेहनतकश लोगों की गाढ़ी कमाई का है। प्रशांत किशोर पहले बिहार की जनता से कथित तौर पर ठगे हुए पैसे वापस करें और हर रुपये का सार्वजनिक हिसाब दें। जनता अब खोखले दावों से नहीं, बल्कि जवाबदेही से संतुष्ट होगी।

उन्होंने कहा कि अगर परिवार लाभअभियान वास्तव में जनहित का अभियान था, तो प्रशांत किशोर को यह भी बताना चाहिए कि पीला कार्ड लेने वाले कितने परिवारों को क्या लाभ मिला। जनता के पैसे लेकर केवल वादे करना और फिर जवाबदेही से बचना बिहार की जनता के साथ विश्वासघात है।

उन्होंने कहा कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जनता ऐसे लोगों को करारा जवाब देगी, जो पारदर्शिता का दावा तो करते हैं, लेकिन अपने ही अभियान और जनता से लिए गए पैसों का हिसाब देने से बचते हैं।

लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर मांगी 50 लाख की रंगदारी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक कारोबारी से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगने और पूरे परिवार की हत्या की धमकी देने का मामला सामने आया है। धमकी व्हाट्सएप पर भेजे गए मैसेज के जरिए दी गई है। घटना के बाद कारोबारी और उनका परिवार दहशत में है। ब्रह्मपुरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। पीड़ित कारोबारी की पहचान दाउदपुर कोठी संगम चौक निवासी रंजीत कुमार सहनी के रूप में हुई है। उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि 21 जुलाई की सुबह 9:47 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया। मैसेज भेजने वाले ने खुद को "लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप" का सदस्य बताते हुए 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। मैसेज में चेतावनी दी गई कि यदि रंगदारी की रकम नहीं दी गई तो कारोबारी समेत पूरे परिवार की हत्या कर दी जाएगी।

महायोगी गोरक्षनाथ स्मृति अंतरराष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण एवं संभाषण शिविर का भव्य समापन, विजेताओं को किया गया सम्मानित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना के तत्वावधान में "आधुनिको भव, संस्कृतं वद" अभियान के अंतर्गत आयोजित 46वें महायोगी गोरक्षनाथ स्मृति अंतरराष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण एवं संभाषण शिविर का भव्य समापन संस्कृतमय वातावरण में संपन्न हुआ। शिविर में देश-विदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़े संस्कृत प्रेमियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और सरल पद्धति से संस्कृत बोलने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह के दौरान आयोजित महायोगी गोरक्षनाथ स्मृति संस्कृत प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने महायोगी गोरक्षनाथ के जीवन, दर्शन और भारतीय संस्कृति में उनके योगदान पर संस्कृत भाषा में अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में डॉ. दीप्ति कुमारी, डॉ. देवेश प्रकाश, डॉ. विश्वजीत रुद्रपाल, तारा विश्वकर्मा, बीजेन्द्र सिंह विष्ट, दयानी शारदेय, उमा हेनोते, वंदना पटेरिया, मनीषा बोदरा, रीना साहा और श्रीमती सुषमा सिंह सहित कई प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रस्तुति दी।

प्रतियोगिता के परिणाम घोषित करते हुए डॉ. देवेश प्रकाश एवं डॉ. दीप्ति कुमारी को संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार, डॉ. विश्वजीत रुद्रपाल एवं तारा विश्वकर्मा को द्वितीय पुरस्कार तथा बीजेन्द्र सिंह विष्ट, दयानी शारदेय और उमा हेनोते को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं मनीषा बोदरा एवं वंदना पटेरिया को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अभियान के प्रधान संरक्षक एवं पूर्व गृह सचिव डॉ. अनिल कुमार सिंह, अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार संस्कृत संजीवन समाज के महासचिव डॉ. मुकेश कुमार ओझा, मुख्य अतिथि एवं उत्तर प्रदेश पेंशन विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक धर्मेन्द्रपति त्रिपाठी, अभियान की राष्ट्रीय संयोजिका प्रो. रागिनी वर्मा, मुख्य वक्ता डॉ. अवंतिका कुमारी, बी.डी. महाविद्यालय, पटना के पालि विभागाध्यक्ष प्रो. एच.के. सिंह, महंत केशव संस्कृत महाविद्यालय, फतुहा की सहायक आचार्या डॉ. नीरा कुमारी, अभियान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उग्र नारायण झा, डॉ. लीना चौहान तथा अभियान के संरक्षक महेश मिश्र ने संयुक्त रूप से किया।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने महायोगी गुरु गोरक्षनाथ को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और नाथ संप्रदाय के महान संवाहक एवं संरक्षक बताया। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरक्षनाथ ने भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, योग साधना और सामाजिक समरसता को नई दिशा प्रदान की। उनके विचार आज भी समाज को एकता, अनुशासन और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उग्र नारायण झा ने वैदिक मंगलाचरण प्रस्तुत किया। डॉ. लीना चौहान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया, जबकि डॉ. नीरा कुमारी ने ऐक्य मंत्र का वाचन किया। अंत में मनीषा बोदरा ने संस्कृत गीत प्रस्तुत कर पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। समापन अवसर पर डॉ. अनिल कुमार सिंह एवं डॉ. मुकेश कुमार ओझा ने घोषणा की कि अभियान के अंतर्गत अगला अंतरराष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण एवं संभाषण शिविर आगामी 11 अगस्त से महानीतिज्ञ भर्तृहरि की स्मृति में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक संस्कृत प्रेमियों से इस अभियान से जुड़कर संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन में भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

बाबूलाल मरांडी ने की जेपीएससी सदस्य जमाल अहमद को पदमुक्त करने और एसीबी जांच की मांग

रांची। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के सदस्य जमाल अहमद को पद से हटाने और उनकी कथित आय से अधिक संपत्ति की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से जांच कराने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक पत्र लिखा। पत्र में मरांडी ने मांग की है कि जमाल अहमद की चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों, विभिन्न निवेशों तथा आय के ज्ञात और अज्ञात स्रोतों की अविलंब एसीबी से गहन जांच कराई जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि रांची में उनके पास 3000 से 4000 वर्गफुट का एक आलीशान फ्लैट है और वे एक अन्य बड़े फ्लैट की भी तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा हजारीबाग जिले में भी उनके नाम अथवा कथित तौर पर बेनामी संपत्तियां अर्जित किए जाने का आरोप लगाया गया है।नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि जमाल अहमद पहले प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और वर्ष 2008 में उनकी नियुक्ति लेक्चरर के पद पर हुई थी। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि क्या किसी विवादित व्यक्ति की सिफारिश पर दूसरे विवादित व्यक्ति को संवैधानिक पद सौंपना सरकार की कार्यशैली का हिस्सा है। मरांडी ने पत्र के अंत में पुनः मांग दोहराते हुए कहा कि जमाल अहमद की सभी चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों, निवेशों और आय के स्रोतों की एसीबी से विस्तृत जांच कराई जाए तथा जांच पूरी होने तक उन्हें पद से हटाया जाए। फिलहाल, बाबूलाल मरांडी के आरोपों और उनकी मांग पर राज्य सरकार अथवा जेपीएससी सदस्य जमाल अहमद की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

राष्ट्रव्यापी स्वरूप ले चुका है छात्रों का आंदोलन : गौतम राणा

रांची। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गौतम सागर राणा ने कहा कि नीट पेपर लीक और देश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्रों का आंदोलन अब राष्ट्रव्यापी स्वरूप ले चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का तत्काल इस्तीफा लेने की मांग की। राणा शुक्रवार को हरमू रोड स्थित राजद के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छात्रों का आंदोलन थमने वाला नहीं है, बल्कि इसकी धार पूरे देश में फैल चुकी है। लोकतंत्र लोक-लाज से चलता है और जनभावनाओं का सम्मान करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वह वर्ष 1974 के जेपी छात्र आंदोलन के सिपाही रहे हैं। उस समय गुजरात से शुरू हुआ छात्र आंदोलन बिहार पहुंचा और बाद में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश के सबसे बड़े जन आंदोलनों में शामिल हो गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान छात्र आंदोलन भी लगातार व्यापक होता जा रहा है और सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। राजद के प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा कि छात्रों का जनांदोलन आने वाले दिनों में और तेज होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार छात्रों के प्रति संवेदनहीन हो गई है। युवा देश का भविष्य हैं, लेकिन सरकार उनकी चिंताओं को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन पर केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया 27 दिन बाद आई, जो उसकी उदासीनता को दर्शाती है। कैलाश यादव ने दावा किया कि वर्तमान छात्र आंदोलन वर्ष 1974 के जेपी छात्र आंदोलन से भी आगे बढ़ चुका है। उन्होंने दावा किया कि पिछले दस वर्षों में देश में लगभग 152 बार विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार ने प्रभावी कदम नहीं उठाए। उन्होंने कहा कि छात्रों के इस आंदोलन को विपक्षी दलों का समर्थन प्राप्त है और भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है। प्रेस वार्ता में राजद के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार, प्रवक्ता आबिद अली, महासचिव प्रणय कुमार बबलू, सचिव रामकुमार यादव तथा चंद्रशेखर भगत सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

झारखंड में 720 नई एंबुलेंस खरीदेगा स्वास्थ्य विभाग

रांची। झारखंड में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य सरकार ने 720 नई एंबुलेंस खरीदने का निर्णय लिया है। इनमें एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस), बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और पेशेंट ट्रांसपोर्ट व्हीकल (पीटीवी) शामिल हैं। इस संबंध में शुक्रवार को नेपाल हाउस में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में एंबुलेंस खरीद, संचालन व्यवस्था और निविदा प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नई एंबुलेंसों की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया एक माह के भीतर पूरी की जाए, ताकि इन्हें जल्द से जल्द स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल किया जा सके। बैठक में पूर्व में स्वीकृत 30 एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एंबुलेंसों की खरीद प्रक्रिया जारी रखने के साथ 20 अतिरिक्त एएलएस, 270 बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) एंबुलेंस और 400 पेशेंट ट्रांसपोर्ट व्हीकल (पीटीवी) खरीदने का निर्णय लिया गया। इस प्रकार कुल 720 नई एंबुलेंस राज्य के स्वास्थ्य तंत्र में शामिल की जाएंगी। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि नई एंबुलेंसों के शामिल होने से राज्य की आपात चिकित्सा एवं रेफरल व्यवस्था को उल्लेखनीय मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण आपात चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि दुर्घटना, गंभीर बीमारी अथवा अन्य आपात स्थितियों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की विशेष सचिव डॉ. नेहा अरोड़ा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक शशि प्रकाश झा, संयुक्त सचिव ललित मोहन शुक्ला, उप सचिव ध्रुव प्रसाद सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पहली तिमाही में एबीडी की आय और मुनाफे में बढ़ोतरी

रांची। अलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडी) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बेहतर वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी की परिचालन आय 975 करोड़ रुपये रही, जबकि एबिटा 14.4 प्रतिशत बढ़कर 140 करोड़ रुपये और कर-पश्चात लाभ 11.9 प्रतिशत बढ़कर 68 करोड़ रुपये पहुंच गया। पहली तिमाही में कुल बिक्री 9 मिलियन केस रही और प्रीमियम श्रेणी की बिक्री में 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एबीडी के प्रबंध निदेशक अमर सिन्हा ने कहा कि कंपनी प्रीमियम ब्रांड, क्षमता विस्तार और परिचालन दक्षता पर लगातार निवेश कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से बेहतर सोर्सिंग और प्रीमियम उत्पादों के विस्तार को गति मिलेगी। कंपनी ने बताया कि उसकी अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी 39 देशों तक पहुंच चुकी है और नए बाजारों में विस्तार की दिशा में भी काम जारी है।

दहेज मांगने के मामले में 21 साल पुरानी सजा हाई कोर्ट ने की रद्द

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने दहेज मांगने के आरोप में कामाख्या नारायण तिवारी को निचली अदालत से मिली सजा रद्द कर दी है। गढ़वा की निचली अदालत ने वर्ष 2004 में उन्हें दहेज निषेध अधिनियम की धारा-4 के तहत दोषी ठहराते हुए छह माह के कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। उच्च न्यायालय ने कहा कि जिस कानूनी प्रावधान के आधार पर दोषसिद्धि की गई, वह घटना के समय लागू नहीं था। इसलिए सजा को बरकरार नहीं रखा जा सकता। न्यायमूर्ति अरुण कुमार राय की अदालत ने अपील स्वीकार करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष दहेज निषेध अधिनियम की धारा-4 के तहत आरोप सिद्ध करने में विफल रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह मामला वर्ष 1984 में कथित दहेज मांग से संबंधित है, जबकि दहेज निषेध (संशोधन) अधिनियम, 1986 के माध्यम से धारा-4 में "विवाह के बाद किसी भी समय" दहेज मांगने को भी अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया था। यह संशोधन 19 नवंबर 1986 से प्रभावी हुआ और इसका पूर्वव्यापी (रेट्रोस्पेक्टिव) प्रभाव नहीं है। अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 20(1) का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को ऐसे कानून के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, जो कथित अपराध की तिथि पर अस्तित्व में ही नहीं था। इसलिए बाद में किए गए संशोधन का लाभ या दायित्व पूर्व की घटनाओं पर लागू नहीं किया जा सकता। मामले के अनुसार, विवाह वर्ष 1979 में हुआ था। अभियोजन का आरोप था कि वर्ष 1984 में आरोपित और उसके परिजनों ने विवाहिता शशि कुमारी से मोटरसाइकिल की मांग की तथा मांग पूरी नहीं होने पर उसे प्रताड़ित किया गया। बाद में उसकी मृत्यु हो गई। इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने हत्या के आरोप से कामाख्या नारायण तिवारी दहेज निषेध अधिनियम की धारा-4 के तहत दोषी मानते हुए छह माह के कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। किसी भी गवाह ने यह नहीं बताया कि दहेज की मांग विवाह से पहले या विवाह के समय की गई थी, जबकि घटना के समय प्रभावी कानून के तहत यही आवश्यक शर्त थी। अदालत ने कहा कि ऐसे में अभियोजन पक्ष कानून के अनुरूप अपराध सिद्ध करने में सफल नहीं हुआ। इन टिप्पणियों के साथ उच्च न्यायालय ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई दोषसिद्धि और सजा को रद्द करते हुए कामाख्या नारायण तिवारी को राहत दे दी।

झारखंड में 26 से 29 जुलाई तक भारी बारिश के आसार, आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में 26 से 29 जुलाई के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम की इस स्थिति को देखते हुए भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची मौसम केंद्र ने येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, 26 जुलाई को राज्य के दक्षिणी एवं उससे सटे मध्यवर्ती क्षेत्रों, 27 जुलाई को उत्तरी-मध्य और निकटवर्ती पूर्वी भागों तथा 28 जुलाई को मध्यवर्ती एवं उससे लगे उत्तरी क्षेत्रों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज हवा और बारिश के कारण कुछ स्थानों पर जनजीवन प्रभावित हो सकता है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक 52.5 मिलीमीटर वर्षा कोडरमा में दर्ज की गई। इस अवधि में सबसे अधिक तापमान पाकुड़ में 34.3 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह मौसम साफ रहा, जबकि दोपहर बाद आसमान में बादल छा गए। रांची का अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राज्य में मानसूनी गतिविधियां सक्रिय रहने की संभावना जताई है। विभाग ने लोगों, विशेषकर निचले इलाकों में रहने वाले नागरिकों, किसानों और यात्रियों को मौसम संबंधी ताजा अपडेट पर नजर रखने तथा आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

60 वर्ष पुरानी जमाबंदी प्रशासनिक आदेश से रद्द नहीं की जा सकती : झारखंड हाई कोर्ट

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड स्थित पांडु गांव की भूमि से जुड़े दो मामलों में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि लंबे समय से चली आ रही जमाबंदी को राजस्व अधिकारी प्रशासनिक आदेश के माध्यम से रद्द नहीं कर सकते। यदि राज्य सरकार को किसी जमाबंदी या भूमि बंदोबस्ती की वैधता पर संदेह है, तो उसे अपने अधिकार, स्वामित्व और हित के निर्धारण के लिए सक्षम सिविल न्यायालय का रुख करना होगा। न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने मोहम्मद जाहिद मियां और मोहम्मद शमीम मियां की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हजारीबाग के तत्कालीन उपायुक्त द्वारा 23 अप्रैल 2017 को पारित जमाबंदी रद्द करने के आदेश को निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अभिजीत कुमार सिंह और अधिवक्ता हर्ष चंद्र ने पक्ष रखा। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि संबंधित भूमि का बंदोबस्त तत्कालीन जमींदार ने हुकुमनामा के माध्यम से किया था और वर्ष 1955 से उनके नाम पर नियमित रूप से जमाबंदी चल रही थी। उनका यह भी कहना था कि वे लगातार सरकारी लगान जमा करते रहे हैं। वर्ष 2013 में एनटीपीसी द्वारा भूमि अधिग्रहण के दौरान अपर समाहर्ता ने जांच के बाद उन्हें मुआवजा प्राप्त करने का वैध दावेदार भी माना था। बाद में अंचल अधिकारी ने अपनी जांच रिपोर्ट में उल्लेख किया कि रजिस्टर-दो में जमाबंदी खोलने संबंधी आदेश का कोई उल्लेख नहीं है, भूमि रिटर्न दाखिल नहीं किया गया था और याचिकाकर्ता भूमि पर कब्जे में भी नहीं पाए गए। इसी रिपोर्ट के आधार पर उपायुक्त ने जमाबंदी को संदिग्ध मानते हुए उसे रद्द कर दिया। इस पर उच्च न्यायालय ने कहा कि केवल रजिस्टर-दो में आदेश का उल्लेख नहीं होने, भूमि रिटर्न उपलब्ध नहीं होने अथवा अन्य संदेहों के आधार पर करीब 60 वर्षों से चली आ रही जमाबंदी को समाप्त नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि इस प्रकार का विवाद स्वामित्व और अधिकार से जुड़ा है, जिसका अंतिम निर्णय सक्षम सिविल न्यायालय ही कर सकता है। अदालत ने अपने पूर्व के निर्णय स्टेट ऑफ झारखंड बनाम इजहार हुसैन का हवाला देते हुए दोहराया कि लंबे समय से प्रभावी जमाबंदी को समाप्त करने का अधिकार राजस्व अधिकारियों के पास नहीं है। इन्हीं टिप्पणियों के साथ न्यायालय ने उपायुक्त के दोनों आदेशों को रद्द करते हुए दोनों याचिकाएं स्वीकार कर लीं। हालांकि, उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को यह स्वतंत्रता भी दी कि यदि वह संबंधित भूमि पर अपना अधिकार या स्वामित्व स्थापित करना चाहती है, तो सक्षम सिविल न्यायालय में वाद दायर कर सकती है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सिविल न्यायालय के निर्णय के बिना लंबे समय से चली आ रही किसी भी जमाबंदी को प्रशासनिक स्तर पर निरस्त नहीं किया जा सकता।

रांची में विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

रांची। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय में जिले की विभिन्न विकास परियोजनाओं, भू-अर्जन, फ्लाईओवर, एनएचएआई और रेलवे परियोजनाओं की समीक्षात्मक बैठक हुई। डीसी ने कहा कि जनहित की आधारभूत संरचना परियोजनाओं को समय पर पूरा करना राज्य के विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय से काम कर लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन और बाधाओं को प्राथमिकता से दूर करने के निर्देश दिए। बैठक के मुख्य बिंदु एनएचएआई परियोजनाएं नारो-टिकराटोली परियोजना के शेष रैयतों को मुआवजा शीघ्र भुगतान करने को कहा। कोयलारी-रामपुर इंटरचेंज में भी मुआवजा प्रक्रिया तेज करने के निर्देश। रेलवे परियोजनाएं लोधमा लिंक लाइन और इलू-सिल्ली परियोजना में लंबित मुआवजा तय समय-सीमा में पूरा करें। अनावश्यक विलंब पर जवाबदेही तय होगी। पथ निर्माण/फ्लाईओवर कांटाटोली-सिरमटोली फ्लाईओवर सहित अन्य निर्माणाधीन कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करें। नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश। डीसी ने स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण और मुआवजा भुगतान प्रगति की कुंजी है, इसलिए पात्र रैयतों को प्राथमिकता पर राशि दी जाए। बैठक में अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी के.के. राजहंस, एनएचएआई और पथ निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

e-Procurement Cell
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department, Building Division, Daltonganj,
e-Procurement Notice
(Short Notice)
Tender Ref. No.-08/E.E.,BCD/Building Div. Daltonganj/2026-27-Date: 22.07.2026

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	Proposed Campus Development at Shahpur Fort, Daltonganj, Palamu, Jharkhand.	93,63,600.00	09 Months
i	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	13-08-2026	
ii	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	20-08-2026 को अपराह्न 3:00 बजे	
iii	निविदा खोलने की तिथि/समय	22-08-2026 को अपराह्न 3:00 बजे	
iv	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	Office of the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Daltonganj	
v	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	9430783582	
vi	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	9529503499	

- परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
- इस निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना/बदलाव/संशोधन का अवलोकन http://jharkhandtenders.gov.in पर किया जा सकता है।

Nodal Officer,
e-Procurement Cell, Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department, Building Division, Daltonganj

PR 385819 District(26-27)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गढ़वा

ई–निविदा सं0–RDD/SD/GARHWA/03/2026-27,
PR 385438 Rural Development (26-27)D

CORRIGENDUM-1 (शुद्धि पत्र)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस प्रमण्डल द्वारा आमंत्रित **ई–निविदा सं0–RDD/SD/GARHWA/03/2026-27, PR 385438 Rural Development (26-27)D** के कंडिका क्रमांक 15 **में आंशिक संशोधन करते हुए निविदा आमंत्रित की जाती है जो निम्नांकित है –**

- **ग्रामीण कार्य विभाग, झारखण्ड एवं जिला परिशद्, गढ़वा में निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकते है के स्थान पर ग्रामीण कार्य विभाग एवं पथ प्रमण्डल में निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकते है पढ़ा/समझा जाय।**

आमंत्रित निविदा की शेष सभी कंडिकाएँ पूर्वत् बनी रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल सं0–02, गढ़वा

PR 385770 Rural Development(26-27)#D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना
(लापता आरती कुमारी, उम्र–19 वर्ष)

रमना थाना सनहा सं0–10/26 दिनांक–21.06.26 में लापता आरती कुमारी, उम्र–19 वर्ष, पिता–स्व0 योगेन्द्र बियार, ग्राम–मंगरा, थाना–रमना, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के रहने वाली है। थाना से प्राप्त आवेदन में आवेदक अनिता कुंवर के द्वारा उल्लेख किये है कि इनकी पुत्री आरती कुमारी अपने घर से बिना किसी को बताये कहीं चली गई है जो अबतक घर वापस नहीं आयी है। उक्त लापता लड़की का काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लापता लड़की कहीं दिखे या इनके कहीं होने के बारे में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की लाभप्रद सूचना प्राप्त हो तो कृपया पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

लापता का विवरण/हुलिया :–
नाम–आरती कुमारी, लम्बाई–05 फीट लगभग, रंग–सांवला,
पहनावा–निला रंग का फ्रॉक।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

PR 385814 Police (26-27)_D

।। कार्यालय जिला पशुपालन पदाधिकारी, गढ़वा ।।
–: आम सूचना :–

गढ़वा जिला के सभी पशुपालकों को सूचित किया जाता है कि कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखण्ड सरकार के राज्यादेश संख्या 09 रा0 (वि0) दिनांक 08.06.2026 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु लाभुकों का चयन ग्राम स्तर पर ग्राम सभा के द्वारा किया जायेगा। जिसका अनुमोदन पूर्व से मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के लिए निर्गत संकल्प संख्या 452 दिनांक 15.06.2021 द्वारा गठित प्रखण्ड स्तरीय समिति तथा जिला स्तरीय समिति से प्राप्त की जायेगी।

राज्यादेश संख्या 09 रा0 (वि0) दिनांक 08.06.2026 के द्वारा जिला पशुपालन कार्यालय, गढ़वा से संचालित होने वाली योजनाओं के लिए गढ़वा जिला को मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं का विवरणी निम्न प्रकार है –

क0	योजना का नाम	कुल लागत	लागू सब्सिडी (सरकारी अनुदान)		लाभुक अंशदान	
			90 प्रतिशत (अनुसूचित जाति/जनजाति/असहाय विधवा औरतों/दिव्यांग/निःसंतान दम्पति जिनका उम्र कम से कम 50 वर्ष हो)	75 प्रतिशत (अन्य सभी वर्ग के लाभुक)	10 प्रतिशत (अनुसूचित जाति/जनजाति/असहाय विधवा औरतों/दिव्यांग/निःसंतान दम्पति जिनका उम्र कम से कम 50 वर्ष हो)	25 प्रतिशत (अन्य सभी वर्ग के लाभुक)
1	बकरा विकास योजना (8+2)	49600	44640	37200	4960	12400
2	सूकर विकास योजना (4+1)	57800	52020	43350	5780	14450
3	बैक्यार्ड लेयर कुक्कुट (400 लो इनपुट लेयर कुक्कुट पालन) की योजना	118200	106380	88650	11820	29550
4	ब्रायलर कुक्कुट पालन योजना (500 चूजा)	67500	60750	50625	6750	16875
5	बत्तख चूजा वितरण की योजना (30 चूजा)	3400	3060	2550	340	850
6	भेंड़ पालन योजना (8+2)	49600	44640	37200	4960	12400

पशुपालन क्षेत्र की योजना के लिए लाभुक चयन हेतु अहर्ता एवं शर्ते :–

1. ग्राम का चयन कलस्टर के आधार पर किया जायेगा।
2. योजना का लाभ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के सभी महिला/पुरूष/स्वंय सहायता समूह/सहकारी समिति के सदस्यों को प्राथमिकता के तौर पर दिया जायेगा। जिसमें औरतों/दिव्यांग/निःसंतान दंपति का चयन नियमानुसार किया जाएगा।
3. मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत लाभुकों का चयन, ग्राम सभा/पंचायत स्तरीय समिति की अनुशंसा प्राप्त करते हुए प्रखण्ड स्तरीय समिति के अनुशंसा के उपरान्त चयनित लाभुकों की सूची जिला स्तरीय समिति को उपलब्ध कराई जायेगी। तत्पश्चात् जिला स्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा अंतिम रूप से लाभुकों का चयन किया जायेगा।
4. ग्राम सभा से चयन प्रक्रिया में निम्न बातों का पालन करना अनिवार्य है–
(क) चयनित लाभुक स्थानीय निवासी हो इस संबंध में लाभुक को आवासीय जाति प्रमाण–पत्र एवं आधार की छायाप्रति जमा करना अनिवार्य होगा।
(ख) चयन प्रक्रिया में पशुपालन गतिविधि से जुड़े पशुपालकों को प्राथमिकता दी जायेगी।
(ग) विगत पॉच वर्षो में जिन परिवारों JSFSS/NFHS अन्तर्गत परिभाषित द्वारा अनुदान का लाभ लिया गया है उन्हे पुनः अनुदान अनुमान्य नहीं होगा।
(घ) बकरा विकास योजना, सुकर विकास योजना के अन्तर्गत 10–20 इकाईयों के कलस्टर एवं अंडाउत्पादन/ब्रायलर के लाभुकों का चयन 5–5 इकाईयों के कलस्टर में किया जाएगा।
5. मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अन्तर्गत योजना का क्रियान्वयन अनुदान–सह–लाभुक अंशदान द्वारा किया जाएगा।
6. योजना अन्तर्गत पशु/पक्षी शेड आवास आदि की व्यवस्था मनरेगा के अभिसरण से किया जाएगा।
7. पशु/पक्षियों की आपूर्ति नियमानुसार निदेशालय से निबंधित/सूचीबद्ध आपूर्तिकर्ता के द्वारा लाभुकों को किया जाएगा।
8. योजनान्तर्गत दवा, मिनरल मिक्चर सामग्री एवं उपकरण आदि हेतु अनुदान की राशि निदेशालय द्वारा निर्धारित ईकाई दर विशिष्टियों एवं योजना के आलोक में लाभुकों को उपलब्ध कराया जायेगा। अनुदान की राशि क्लेम बील के आधार पर जिला के पदाधिकारी द्वारा जॉचोपरान्त उपलब्ध कराई जाएगी।
9. योजना के तहत् चयनित प्रत्येक लाभुक का Escrow Account/Dedicated Bank Account संबंधित BAHO के द्वारा अनिवार्य रूप से खोला जाएगा एवं अनुदान की राशि Escrow Account/Dedicated Bank Account में ही हस्तान्तरित की जायेगी। अंतिम रूप से चयनित होने के उपरान्त लाभुक को भी अपना स्वंय का अंशदान एक माह के अन्दर Escrow Account/Dedicated Bank Account में जमा करना अनिवार्य होगा।
10. संबंधित प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी इच्छुक पशुपालक से आवेदन ग्राम सभा से अनुमोदन के साथ प्रखण्ड स्तरीय चयन समिति के माध्यम से जिला पशुपालन पदाधिकारी, गढ़वा कार्यालय में निर्धारित तिथि 14.08.2026 तक जमा करना सुनिश्चित करेंगे।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी गढ़वा।

PR 385821 Animal Husbandry(26-27)D

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत से अलग करने की बड़ी साजिश नाकाम

मास्टरमाइंड फैजान के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

श्रीनगर, एजेंसी। देश की सुरक्षा और अखंडता पर घात लगाने वाले डिजिटल नेटवर्क के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कड़ा प्रहार किया है। गुजरात से संचालित हो रहे खतरनाक ऑनलाइन कट्टरपंथ नेटवर्क के मुख्य आरोपित फैजान के खिलाफ एनआईए ने अहमदाबाद की विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

यह सिर्फ एक आरोपित के खिलाफ आरोप पत्र नहीं है, बल्कि उस गहरे और नफरती तंत्र का भंडाफोड़ है जो इंटरनेट मीडिया के जरिये भारतीय युवाओं के दिलों में जहर घोलने की साजिश रच रहा था।

एजेंसी का आरोप है कि उसने हिंसक जिहाद को बढ़ावा देने की साजिश रची, टारगेटेड किलिंग (चुनिंदा लोगों की हत्या) की योजना बनाई और जम्मू-कश्मीर व लद्दाख को भारत से अलग करने की दिशा में काम किया।

पाकिस्तानी हैंडलर से साठगांठ और कत्ल की साजिश

एनआइए की जांच में यह खौफनाक सच सामने आया है कि फैजान सीधे तौर पर पाकिस्तान में बैठे प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के हैंडलर और अल-कायदा से जुड़ा हुआ था। उसका मकसद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत से अलग करने की देशविरोधी साजिश को अंजाम देना था। इतना ही नहीं, देश में सांप्रदायिक तनाव और अराजकता फैलाने के लिए उसने चुनिंदा लोगों की 'टारगेट किलिंग' की भी रणनीति बनाई थी।

इस खूनी खेल को अंजाम देने के लिए उसने उत्तर प्रदेश से अवैध हथियार और छह जिंदा कारतूस भी जुटाए थे, जिन्हें जांच के दौरान जब्त कर लिया गया है।

इंटरनेट मीडिया बना 'नफरत का औजार'

फैजान अपने इंस्टाग्राम अकाउंट (अल डाट फैजानगजा) का इस्तेमाल मासूम और भोले-भाले युवाओं को बरगलाने के लिए कर रहा था। वह हिंसक जेहाद और सशस्त्र विद्रोह को बढ़ावा देने वाले खतरनाक वीडियो अपलोड करता था और युवाओं को लालच देकर भड़काता था।

नोएडा के सुपरटेक ट्विन टावर के घर खरीदारों को झटका

नोएडा, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा में रियल एस्टेट कंपनी सुपरटेक के ध्वस्त किए गए ट्विन टावर के घर खरीदारों को रकम वापस दिलाने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई तीन माह के लिए टाल दी है। कोर्ट ने उन दलीलों पर ध्यान दिया, जिसमें कहा गया था कि जिन घर खरीदारों ने वैकल्पिक आवंटन का विकल्प नहीं चुना है, उनके दावों का निपटारा करने का प्रयास जारी है। पीठ से अनुरोध किया गया था कि खरीदारों के दावों के समाधान के लिए अन्य विकल्प तलाशने की खातिर तीन माह का समय दिया जाना चाहिए। इसके बाद पीठ ने सुनवाई टाल दी। ज्ञात हो, नोएडा के सेक्टर 93ए में एमराल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट के ट्विन-टावर को 28 अगस्त, 2022 को विस्फोटकों का प्रयोग करके ध्वस्त कर दिया गया था। प्रतिनिधित्व कर रहे एक वकील ने कहा, उन्हें धनराशि वापस नहीं मिली है।

सिर्फ महिलाओं वाले टूर में पुरुषों को भी भेजा, ट्रैवल कंपनी पर जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। मुंबई जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बेंगलुरु की एक ट्रैवल कंपनी को सेवा में कमी और भ्रामक प्रचार का दोषी मानते हुए 60 हजार रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। आयोग ने कंपनी को मानसिक पीड़ा और असुविधा के लिए 40 हजार रुपये तथा मुकदमेबाजी के खर्च के रूप में 20 हजार रुपये देने को कहा है।

मामला थाईलैंड के उस पैकेज टूर से जुड़ा है, जिसका प्रचार सिर्फ महिलाओं के लिए के रूप में किया गया था, लेकिन यात्रा के दौरान उसी समूह में पुरुष और परिवारों को भी शामिल किया गया। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि कंपनी ने बुकिंग के बाद बिना सहमति यात्रा कार्यक्रम बदल दिया। पैकेज में शामिल जेम्स बांड आइलैंड और फी-फी आइलैंड की सैर रद कर पर्यटकों को कोरल आइलैंड ले जाया गया। इसके अलावा, वादे के अनुरूप चार सितारा होटल के बजाय तीन सितारा होटल में ठहराया गया और भोजन व अन्य व्यवस्थाओं में भी गंभीर खामियां रहीं। आयोग ने इसे उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत सेवा में कमी और अनुचित व्यापारिक व्यवहार माना।चेंबूर निवासी महिला ने जनवरी 2025 में फुकेत और क्राबी के चार रात-पांच दिन के टूर के लिए 99,500 रुपये का पैकेज बुक कराया था। उनका कहना था कि यात्रा शुरू होने से दो दिन पहले कार्यक्रम बदल दिया गया, लेकिन 100 प्रतिशत रदीकरण शुल्क की शर्त के कारण उनके पास यात्रा जारी रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। मामले की सुनवाई के दौरान ट्रैवल कंपनी आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुई।

सक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश चावल घोटाले में पूर्व मंत्री के भाई-भतीजे से पूछताछ, गिरफ्तारी संभव

बालाघाट, एजेंसी। मध्य प्रदेश में एथनाल के नाम पर किए गए सरकारी फोर्टिफाइड चावल घोटाले में प्रदेश के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता रामकिशोर कावरे के बड़े भाई कुमार कावरे और भतीजे अविनाश कावरे पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। घोटाले की जांच कर रही पुलिस की एसआईटी ने बुधवार रात दोनों से लंबी पूछताछ की। बता दें कि बालाघाट व सिवनी जिलों में एथनॉल के नाम पर करोड़ों के फोर्टिफाइड चावल घोटाले का यह मामला तीन

जून को तब सामने आया, जब बालाघाट में 242 क्विंटल सरकारी चावल का ट्रक पकड़े गए। इसके बाद मामले की जांच एसआईटी को दी गई। जांच अधिकारियों ने आशंका जताई है कि 17 जिलों के 22 एथनाल प्लांटों का करीब 1100 करोड़ रुपये का चावल राइस मिलों में खपाया गया है। मामले में तीन राज्यों के कई राइस मिलर जांच के दायरे में हैं। मामले में गुरुवार को दिनभर कुमार कावरे और उनके बिजनेस पार्टनर विनोद शर्मा की गिरफ्तारी की चर्चा रही। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों की मानें, तो एसआईटी जल्द ही दो राइस मिलरों को भी गिरफ्तार कर सकती है। इनमें सबसे प्रमुख नाम विनोद का लिया जा रहा है। कुमार कावरे की हर्ष राइस इंडस्ट्री का ब्लैकलिस्ट होना तय माना जा रहा है। उधर, एफसीआई के अधिकारियों की टीम भोपाल से जांच के लिए दोबारा बालाघाट पहुंचेगी। इस बार जांच का फोकस चावल के वितरण, भंडारण, परिवहन और रिकार्ड के मिलान पर रहेगा, ताकि पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ी जा सकें। इससे पहले एफसीआइ भोपाल और दिल्ली की विजिलेंस टीमें प्रारंभिक पड़ताल कर चुकी हैं। एथनॉल प्लांट से जुड़ीं भुगतान की कड़ियां सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को एफसीआइ और नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों ने एसआइटी के साथ राइस मिलरों के दस्तावेजों की जांच की है। ये पता लगाया है कि किस राइस मिलर ने कितना चावल अपनी मिल में खपाया है।

सिक्किम टनल हादसा: झारखंड के चार मजदूरों की मौत

खूंटी में पीड़ित परिवारों से मिले जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी

रांची, एजेंसी। सिक्किम के नामची जिले में निर्माणाधीन एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-6 जल विद्युत परियोजना की सुरंग में हुए भीषण हादसे ने झारखंड के कई परिवारों की खुशियां छीन ली. हादसे में अब तक 22 मजदूरों के शव बरामद किए जा चुके हैं. मृतकों में झारखंड के चार श्रमिक भी शामिल हैं. इनमें हजारीबाग के बरही निवासी जागेश्वर ठाकुर, खूंटी जिले के रनिया प्रखंड के कृष्णा साहू और विकास कंडुलना और चाईबासा के बंदगांव निवासी मसीह बारजो की मौत हो गई. हादसे की खबर मिलते ही खूंटी, हजारीबाग और पश्चिमी सिंहभूम के गांवों में मातम छा गया.

खूंटी के कृष्णा साहू पिछले करीब तीन वर्षों से परियोजना में काम कर रहे थे. वह इसी महीने की शुरुआत में घर से काम पर लौटे थे. हादसे के बाद बुधवार को सुरंग से शव निकाले जाने पर उनके बड़े भाई ने पहचान की और परिवार को इसकी सूचना दी. परिजनों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर रोजगार नहीं मिलने के कारण युवाओं को मजबूरी में दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता है, लेकिन इस हादसे ने उनके परिवार की उम्मीदें हमेशा के लिए खत्म कर दीं. वहीं विकास कंडुलना की पत्नी ने कहा कि फरवरी माह में ही आए थे गांव और मई माह में काम पर चले गए थे. उन्होंने कहा था कि बच्चों को अच्छे से पढ़ाना है.

घटना की जानकारी मिलने के बाद गुरुवार को रनिया के बीडीओ प्रशांत डांग, सीओ, लेबर सुपरिटेंडेंट वाल्टर कुजूर, जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मृतकों के घर पहुंचे. उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना देते हुए सरकारी प्रावधानों के तहत हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया. प्रशासन ने बताया कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शवों को झारखंड लाने की कार्रवाई तेज कर दी गई है.

इस दर्दनाक हादसे के बाद एक बार फिर झारखंड से हो रहे पलायन और स्थानीय स्तर पर रोजगार की कमी का मुद्दा चर्चा में आ गया

है. जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने कहा कि राज्य के युवाओं को अपने ही प्रदेश में रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में गंभीर प्रयास होने चाहिए. वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद कुमार ने आरोप लगाया कि रोजगार के अभाव में युवाओं को दूसरे राज्यों में जोखिम भरे कार्य करने पड़ रहे हैं, जिसके कारण वे आए दिन ऐसे हादसों का शिकार हो रहे हैं. सिक्किम टनल हादसे में हजारीबाग के भी एक मजदूर की मौत हुई है. मृतक मजदूर जागेश्वर ठाकुर बरही प्रखंड का तिलैया बस्ती के रहने वाले थे. मृतक के पुत्र राहुल ठाकुर सिक्किम पहुंच चुके हैं, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है. वहीं, जागेश्वर ठाकुर की पत्नी को अभी घटना की पूरी जानकारी नहीं दी गई है. परिवार के अन्य सदस्य और रिश्तेदार इस कठिन समय में उन्हें संभालने का प्रयास कर रहे हैं. गांव के लोगों, जनप्रतिनिधियों और परिजनों ने झारखंड तथा सिक्किम सरकार से आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की मांग की है. उनका कहना है कि परिवार का भरण-पोषण अब सरकार की मदद पर निर्भर हो गया है. पड़ोसी सिद्धू कुमार दास ने हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि टनल निर्माण से पहले मिट्टी और गैस की वैज्ञानिक जांच हुई थी या नहीं, इसकी जांच होनी चाहिए. यदि सुरक्षा मानकों में किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए. फिलहाल, परिजन जागेश्वर ठाकुर के पार्थिव शरीर के घर पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं. मिली जानकारी के अनुसार, झारखंड और सिक्किम सरकार के समन्वय से एम्बुलेंस के माध्यम से उनका शव सड़क मार्ग से झारखंड लाया जा रहा है।

पंजाब बना देशभर में तस्करी नेटवर्क का रास्ता, बॉर्डर से शहरों तक नशे का जाल; संसद में रिपोर्ट में हुए खुलासे

चंडीगढ़, एजेंसी। पाकिस्तान से पंजाब सीमा के रास्ते ड्रोन के माध्यम से भेजी जा रही हेरोइन अब केवल सीमावर्ती जिलों तक सीमित नहीं रह गई है। जांच एजेंसियों के अनुसार पंजाब पहुंचने के बाद संगठित तस्करी नेटवर्क इस खेप को देश के कई राज्यों तक पहुंचा रहा है। राज्यसभा में केंद्र सरकार ने भी स्वीकार किया है कि ड्रोन के जरिए होने वाली नशा तस्करी का सबसे अधिक दबाव पंजाब सीमा पर है और बरामद नशीले पदार्थों में सबसे बड़ा हिस्सा हेरोइन का है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में लिखित उत्तर में बताया कि वर्ष 2025 में देशभर में ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी के 305 मामले सामने आए। इनमें 298 मामले केवल पंजाब सीमा से जुड़े थे। इन मामलों में करीब 460 किलोग्राम नशीले पदार्थ बरामद किए गए, जिनमें 448 किलोग्राम हेरोइन, नौ किलोग्राम मेथामफेटामाइन और तीन किलोग्राम अफीम शामिल थी।यानी ड्रोन के जरिए बरामद कुल नशीले पदार्थों में लगभग 97 प्रतिशत हिस्सा हेरोइन का रहा।

जांच एजेंसियों के अनुसार पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए पंजाब के सीमावर्ती इलाकों अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का और गुरदासपुर में गिराई गई खेप को स्थानीय तस्कर पहले सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाते हैं। इसके बाद राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क नेटवर्क के माध्यम से इसे विभिन्न राज्यों में सक्रिय गिरोहों तक भेजा जाता है। एनसीबी की इंडिया नारकोटिक्स थ्रेट असेसमेंट-2024, एनआईए तथा पंजाब पुलिस की जांच में पंजाब को अंतरराज्यीय तस्करी का प्रमुख ट्रांजिट कारिडोर बताया गया है। तस्कर अब केवल ड्रोन पर निर्भर नहीं हैं। वे संपर्क बनाए रखने, खेप की आवाजाही का समन्वय करने, तस्वीरें और वीडियो साझा करने तथा वास्तविक समय की लोकेशन भेजने के लिए गुप्त संदेश मंचों का इस्तेमाल कर रहे हैं। पहचान छिपाने के लिए आभासी निजी नेटवर्क (वीपीएन) का उपयोग किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ एचसी का बड़ा फैसला

नाबालिग की सोनोग्राफी करने मात्र से डॉक्टर पर नहीं चलेगा पॉक्सो का केस, एफआईआर रद्द

बिलासपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने एक चिकित्सक के विरुद्ध की गई पॉक्सो एक्ट की कार्रवाई को रद कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नाबालिग गर्भवती की सोनोग्राफी करने मात्र से चिकित्सक के विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती।

यदि प्रथम दृष्टिया ऐसे साक्ष्य नहीं है जिससे सिद्ध हो कि चिकित्सक को यौन अपराध की जानकारी होने की आशंका थी, तो उसके विरुद्ध मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। प्रकरण के अनुसार, याचिकाकर्ता राजनांदगांव की रेडियोलाजिस्ट डॉ. आरती उइके (वास्कले) पर आरोप था कि उन्होंने 15 वर्षीय नाबालिग गर्भवती की सोनीग्राफी की और पॉक्सो अधिनियम के तहत इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी, जिससे उनके खिलाफ धारा 21 के तहत पूरक चालान पेश किया गया। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि पॉक्सो एक्ट की धारा 19 के तहत सूचना देने का दायित्व तभी उत्पन्न होता है, जब संबंधित व्यक्ति को अपराध की जानकारी हो या अपराध होने की आशंका हो। सोनोग्राफी करना अपने आप में आपराधिक मामला नहीं बनाता। केवल अनुमान या आशंका के आधार पर किसी डॉक्टर के खिलाफ आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

जालना को आर्थिक संजीवनी

महाराष्ट्र में किसानों को 1.14 लाख करोड़ की राहत: बबनराव लोणीकर ने गिनाईं सरकार की योजनाएं

जालना, एजेंसी। जालना में आयोजित एक पत्रकार परिषद में पूर्व मंत्री और विधायक बबनराव लोणीकर ने किसानों की कर्जमाफी के संदर्भ में जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सरकार के अभूतपूर्व फैसले से प्रदेश के लाखों किसानों को एक नया जीवन मिला है।

मुख्यमंत्री फडणवीस के दूरदर्शी नेतृत्व में सरकार ने कर्जमाफी और बिजली बिल माफी को मिलाकर राज्य के किसानों को कुल 1,14,585 करोड़ रुपए की बड़ी आर्थिक राहत प्रदान की है। विधायक लोणीकर के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दो कार्यकालों के दौरान 1 करोड़ से अधिक किसानों को कर्ज से मुक्ति मिली है।

लोणीकर ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दो कार्यकाल के दौरान एक करोड़ से अधिक किसानों को कर्जमाफी का लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर किसान कर्जमुक्ति योजना' के तहत 36,585 करोड़ रुपये की राहत दी गई। उनका कहना था कि इन योजनाओं से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मदद मिली है।

किसानों को ऊर्जा संकट से उबारने के लिए सरकार ने 48,000 करोड रुपए के बिजली बिल माफ किए हैं। इसके साथ ही 'मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बलिराजा मुफ्त बिजली योजना' के तहत 47.41 लाख पंप धारकों को मुफ्त बिजली दी जा रही है। राज्य में 6।63 लाख सौर कृषि पंप स्थापित किए जा चुके हैं, जिसमें महज 30 दिनों में 45,911 पंप लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया गया है।

इस कल्याणकारी नीति का बड़ा लाभ जालना जिले को भी मिला है। जिले के 2।05 लाख से अधिक किसानों का 2,191 करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया गया है। इसके अलावा, जिले के 1.38 लाख किसानों को 2,495.54 करोड़ रुपए की बिजली बिल माफी का सीधा लाभमिला है।

वाराणसी की गंगा के ऊपर तीन दिन एयर-शो, मोदी होंगे शामिल, राजघाट पुल, नाव संचालन बंद रहेगा

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी की गंगा के ऊपर तीन दिनों तक होने जा रहे एयर-शो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। इस दौरान राजघाट पुल बंद रहेगा और गंगा में नाव संचालन भी नहीं होगा। वाराणसी के आसपास के कई जिलों और बिहार-झारखंड से भी वायुसेना के विमान यहां पर करतब दिखाने के लिए उड़ान भरेंगे।

वाराणसी में होने वाले एयर शो का खाका तैयार कर लिया गया है। तीन दिनों तक आयोजित होने वाले शो के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। गंगा के ठीक ऊपर वाराणसी एक छोर पर स्थित नमो घाट से दूसरे छोर पर अस्सी घाट तक यह शो आयोजित किया जाएगा। इस दौरान गंगा में नावों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। नमो घाट के ठीक ऊपर स्थित राजघाट के गंगा पुल भी एयर शो के दौरान ट्रैफिक बंद रहेगा। भारतीय वायुसेना के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में यह एयर शो 22, 23 और 25 अक्तूबर को होगा। इस निमित्त एयरफोर्स प्रयागराज के अधिकारियों ने गुरुवार को सर्किट हाउस सभागार में जिला प्रशासन, संबंधित विभागों और स्टेकहोल्डर्स के साथ बैठक की। एयरफोर्स की टीम ने बैठक में आयोजन की रूपरेखा बनाई। अधिकारियों

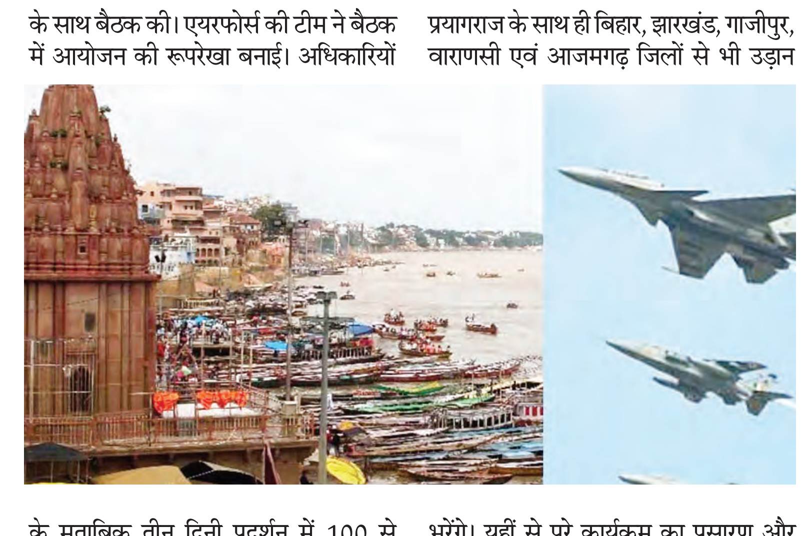

के मुताबिक तीन दिनी प्रदर्शन में 100 से अधिक एयरक्राफ्ट शामिल होंगे। इसमें नवीन से लेकर प्राचीन लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर शामिल होंगे। इनके चयन पर लगातार मंथन चल रहा है। आसमान में एक समय में तीन से पांच एयरक्राफ्ट करतब दिखाएंगे। यहां आने के लिए एयरक्राफ्ट लखनऊ, गाजियाबाद, प्रयागराज के साथ ही बिहार, झारखंड, गाजीपुर, वाराणसी एवं आजमगढ़ जिलों से भी उड़ान भरेंगे। यहीं से पूरे कार्यक्रम का प्रसारण और एयर ट्रैफिक की निगरानी की जाएगी। इसके लिए 16 अक्तूबर से नमो घाट पर आमजन का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। एयरफोर्स अधिकारियों की मानें तो पूर्व के कार्यक्रमों की तरह यहां भी 15 से 25 लाख लोगों की भीड़ पहुंचने का अनुमान है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

संसद में संवाद से ही निकलेगा गतिरोध, टकराव से नहीं चलेगा लोकतंत्र

विपक्षी दलों का कर्तव्य है कि वे जनता की नुमाइंदगी करते हुए उनकी आवाज, उनके मुद्दों को संसद में उठाएं और सरकार से जवाब मांगें। यह एक आदर्श स्थिति है कि देश की संसद में विधायी कामकाज सामान्य तरीके से पूरा हो। इसे सुनिश्चित करने की जितनी जिम्मेदारी विपक्षी दलों की है, उससे ज्यादा बड़ा दायित्व खुद सरकार का है कि वह विवादित मुद्दों पर संवाद के जरिए आमराय बनाकर सदन का काम सुचारु रूप से पूरा होने की स्थितियां निर्मित करे।इसमें वैसे मुद्दे भी शामिल हैं, जो देश में किन्हीं वजहों से अचानक खड़े हो जाते हैं और जनता की ओर से उन पर सरकार से जवाब की उम्मीद या मांग की जाती है। विपक्षी दलों का कर्तव्य है कि वे जनता की नुमाइंदगी करते हुए उनकी आवाज, उनके मुद्दों को संसद में उठाएं और सरकार से जवाब मांगें।मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि सरकार को इस तरह की स्थितियों में सकारात्मक माहौल बनाने के लिए अपनी ओर से पहल करना कोई गैर-महत्त्व की बात लगती है। इसका असर संसद की कार्यवाही पर भी पड़ता है। सवाल है कि देश की संसद अगर जनता के मुद्दों पर विचार और बहस के जरिए किसी निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए नहीं, तो आखिर किसलिए है!गौरतलब है कि मंगलवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही इसलिए स्थगित कर दी गई कि विपक्षी दल सरकार से इस पर जवाब चाहते थे कि एक दिन पहले दिल्ली में संसद मार्च के आह्वान के तहत जुटे युवाओं पर जिस तरह की पुलिस कार्रवाई देखी गई, उसकी जिम्मेदारी तय हो।मगर इसके बजाय दोनों सदनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हुए हंगामे की वजह से कार्यवाही स्थगित कर दी गई। स्वाभाविक ही विपक्षी दलों को यह आरोप लगाने का मौका मिला कि हम पुलिस के अत्याचार, प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर लाठी चलाने और उनके घायल होने के मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने तथा गृह मंत्री के बयान की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार ने चर्चा का अवसर नहीं दिया, हमारा मुंह बंद करा दिया।एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की ओर से अगर ऐसे सवाल उठाए जाते हैं, तो सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। विडंबना यह है कि न तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित करके कोई हल निकालने की कोशिश की गई और न ही संसद में इस मसले पर बहस के लिए सकारात्मक माहौल निर्मित किया जा रहा है।सवाल है कि अगर सरकार को बातचीत के जरिए कोई रास्ता निकालना प्राथमिक और जरूरी नहीं लग रहा है, तो उसकी नजर में इसका क्या समाधान है। विपक्षी दल भी आम नागरिकों का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। अगर वे एक ज्वलंत मुद्दे पर बहस चाहते हैं और सरकार से जवाब मांग रहे हैं, तो इसे संवाद के रास्ते ही एक निष्कर्ष तक पहुंचाया जा सकता है।इसके बाद संसद में बाकी विधायी कामकाज भी सहजता के साथ निपटाए जा सकते हैं। मगर पिछले कुछ समय से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ज्यादातर मुद्दों पर मतभिन्नता सीधे टकराव का रूप लेने लगी है और सबसे आसान उपाय सदन को स्थगित करना मान लिया जाता है।क्या यह समस्याओं का हल तलाशने और जनभावनाओं को तुष्ट करने का कोई आदर्श उपाय हो सकता है? दोनों सदनों की कार्यवाही पर हर रोज करोड़ों रुपये का खर्च आता है। संसद की उपयोगिता का आधार लोकतांत्रिक संवाद ही है। अगर संवाद की जगह सिकुड़ेगी, तो लोकतंत्र कमजोर होगा और यह ध्यान रखने की जरूरत है कि देश की वास्तविक शक्ति लोकतंत्र में ही निहित है।

जंतर-मंतर में सोनम वांगचुक को बलि का बकरा बनाकर जिस शातिराना ढंग से भारत घृणा-हिन्दू घृणा का प्रहसन किया गया। उसे इस देश का युवा अच्छी तरह से जानता है। युवा साथियों को इसे और बारीकी से समझना चाहिए। ताकि हम किसी टूलकिट का शिकार न बनें। जंतर-मंतर में जिस तरह से भगवान राम को अपमानित किया गया। भारत की संस्कृति के ख़िलाफ़ ज़हर उगला गया।

जंतर-मंतर के मुखौटों के पीछे का सच!

(कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल)

फिर मोदी विरोध के जितने भी इकोसिस्टम वाले चेहरे थे, वो सब बिल से बिलबिलाकर सामने आने लगे। उन्होंने पूरी ताक़त झोंक दी कि कैसे भी करके दिल्ली में शाहीन बाग जैसे दंगे फैलाए जाएं। कन्वर्जन कराने वाले गिरोह के वो लोग जो स्नष्टक्र की मार से चोटिल थे। उन्होंने जी भर के पैसे बहाए। तमाम क्क्र एजेंसीज हायर की गईं। चाहे NEET हो याकि कोई भी एग्जाम हो, जो भी स्टूडेंट्स के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं उन्हें कठोरतम दंड मिलना ही चाहिए। कोई भी दोषी बख़्शे नहीं जाने चाहिए। किसी भी एग्जाम में जालसाज़ी, पेपरलीक जैसे घटनाक्रमों की पुनरावृत्ति कहीं भी नहीं होनी चाहिए। ये सुनिश्चित करने की संपूर्ण जवाबदेही सरकार की है। कोई व्यक्ति हो, संगठन हों। सबको अपनी-अपनी मांगों को लेकर विरोध करना चाहिए। आप इस्तीफा मांगिए। याकि जो भी संविधान सम्मत विरोध के शांतिपूर्ण तरीके हों, उन सबको करिए। ये हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती है। यही भारत है। संवाद के रास्ते हमेशा ही खुले होने चाहिए। सरकार का ये उत्तरदायित्व भी है। भौगोलिक संदर्भ लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि– देश में अराजकता के संगठित कृत्य को आंदोलन कहकर स्वीकार कर लिया जाएगा। भारत के युवाओं को काकरोच कहकर अपमानित करने वाली इंटरनेशनल साज़िशों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। भारत में कॉकरोच शब्द और दिल्ली जंतर-मंतर कनेक्शन अब नए संदर्भ में अपरिचित नहीं रह गया है। सबसे पहले कुछ जमूरों ने अमेरिकी में बैठकर- भारत के युवाओं को- भारत के सुप्रीम कोर्ट की खिलाफ़त में काकरोच कहा। फिर भाजपा और मोदी विरोध की पटकथा लिखी गई। जबकि सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने मई 2026 में ये टिप्पणी फर्जी डिग्री के ज़रिए वकालत करने वाले वकीलों पर की थी। इसका उन्होंने स्पष्टीकरण भी दिया था। लेकिन डीप स्टेट ने आम आदमी पार्टी के जमूरों को आगे कर - भारत की न्यायपालिका के ख़िलाफ़ उकसाया। यहीं से काकरोच शब्द को भारत के युवाओं के माथे पर चस्पा करने की योजना को मूर्तरूप दिया गया। आम आदमी पार्टी का जमूरा - दीपके भारत आया, इधर-उधर प्रदर्शन के लिए गया लेकिन धूप तक बर्दाश्त न कर पाया। तत्पश्चात एफसीआरए के विरोध में सोनम वांगचुक को अमेरिकी मूल की उनकी पत्नी –रेबेका नॉर्मन के ज़रिए प्रोटेस्ट का चेहरा बनाकर 'जंतर-मंतर' के मैदान में भूख हड़ताल के लिए उतार दिया गया। जहां इमोशनली-सेंटीमेंट भुनाने के तमाम प्रयोजन रचे जाने लगे। नेपाल और बांग्लादेश जैसे सत्ता की रिजीम चेंज करने का खाका खींचा जाने लगा। फिर मोदी विरोध के जितने भी इकोसिस्टम वाले चेहरे थे, वो सब बिल से बिलबिलाकर सामने आने लगे। उन्होंने पूरी ताक़त झोंक दी कि कैसे भी करके दिल्ली में शाहीन बाग जैसे दंगे फैलाए जाएं। कन्वर्जन कराने वाले गिरोह के वो लोग जो स्नष्टक्र की मार से चोटिल थे। उन्होंने जी भर के पैसे बहाए। तमाम पीआर एजेंसीज हायर की गईं। सेलीब्रिटीज कहे जाने वाले क़ौमी लोग– हिंदुत्व को समस करने के लिए उतर आए। विदेशी और देशी पैसों से सोशल मीडिया कैंपेन को लॉन्च कर दिया गया। भावुक युवाओं ने भी देखा-सुनी ऐसी तमाम स्टोरीज सोशल मीडिया में शेयर कीं। जबकि इस तथाकथित आंदोलन में शिक्षाविद्, डॉक्टर्स और स्टूडेंट्स कहीं नज़र नहीं आए। अगर स्टूडेंट्स नज़र आए भी तो उन्हें मंच पर कहीं स्थान नहीं मिला। सिर्फ़ कुछ हाईजैकर्स , कॉमेडियन, नेता और भारत विरोधी -हिन्दुत्व विरोधी बातें कहने वाले चेहरे नज़र आए। कंटेंट क्रिएटर्स ही दिखते रहे। प्रोफेशनल पीआर स्टाइल में प्रोटेस्टर्स का जमावड़ा हुआ। एआईएसएफ, एसएफआई समेत तमाम गद्दार वामपंथियों का इकोसिस्टम एक्टिवेट हुआ। जेएनयी-एएमयू की तर्ज पर अर्बन नक्सल गिरोह की जिहादी डफली सुनाई देने लगी। एलजीबीटीक्यू का प्रचार-प्रसार किया जाने लगा। हिन्दू घृणा का परचम बुलंद किया जाने लगा। लेकिन इन जमूरों में से कोई भूख हड़ताल का साहस न कर पाया जिससे तंग आकर खुद सोनम वांगचुक तक को ये कहना पड़ा कि– आप लोग यहां आकर ठूंस-ठूंस कर खा रहे हैं, मुझे यह देखकर बहुत दुख होता है। इतना ही नहीं ये जंतर-मंतर वाले कॉकरोच - दिन के बाद रात को एसी रूम में जाकर सोते थे। पार्टियां करने में जुट जाते थे। फिर अपने रुटीन में जुट जाते थे। अंततोगत्वा 18 जुलाई 2026 को सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। किन्तु ये कॉकरोच, कांग्रेस पार्टी के सहयोग से- सोनम वांगचुक को सरकारी अस्पताल से प्रायवेट अस्पताल में भर्ती कराने की ज़िद पर अड़े। दिल्ली हाईकोर्ट गए। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने दो टूक कहा कि- सफदरजंग अस्पताल से कहीं और शिफ्ट करने की ज़रूरत नहीं है। वहां उनकी समुचित देखभाल हो रही है। 20 जुलाई 2026 को बिना परमिशन के संसद मार्च करने का शाहीन बाग-सीएए दंगे वाली स्टाइल में अभियान चलाया गया। कांग्रेस, आप,समाजवादी पार्टी, भीम-मीम के गठजोड़, लेफ्ट पार्टियां, कन्वर्जन कराने वाले एनजीओ अर्बन नक्सली, ब्रेकिंग इंडिया फोर्सेज, सो-रोस-डीप स्टेट के वालंटियर्स - सब देश के यूथ के कंधों पर बंदूक रखकर उतर आए। सबने भीड़ जुटाने का पर्याप्त प्रबंध किया। भाजपा और मोदी विरोध के सभी गिरोह एकजुट हुए। भरपूर पैसा बहाया गया। संसद घेरने के लिए भीड़ को उतार दिया गया। जिन क्षेत्रों में ड्रोन प्रतिबंधित थे, वहां शक्ति प्रदर्शन-प्रचार के लिए ड्रोन कैमरे चलाए गए। कश्मीर की तर्ज़ पर भीड़ के ज़रिए पुलिस पर संगठित योजना के तहत पथराव कराया गया। पुलिस वालों और महिला पत्रकारों की लिंचिंग की कोशिशें की गईं। भारत के संविधान ने जिस संसद का गठन किया। जो संसद हमारे देश की सांविधानिक आधारशिला है। उसे उखाड़ फेंकने की बातें दुहराई गईं। भारत को नेपाल बनाने का कॉकरोचों ने दंभ भरा। ये तब हो रहा था जब केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इनके प्रतिनिधि मंडल को बातचीत के लिए बुलाया और चर्चा की। आप सोचिए कि- इस संगठित भीड़ ने जो उपद्रव किए क्या ये लोकतांत्रिक कृत्य हैं? क्या ये किसी मांग को मनवाने की बातें हैं? किसी भी शांतिपूर्ण आंदोलन में पत्थरबाजी कहां से होने लगी, अचानक से इतने पत्थर क्या बिना पूर्व तैयारी के आ गए? क्या ये संगठित अराजकता-भारत की लोकतांत्रिक स्थिरता, प्रगति को रोकने के षड्यंत्र नहीं हैं? ये षड्यंत्र उस युवा के सेंटीमेंट्स के ज़रिए लॉन्च किए जा रहे हैं। जो भारत की प्रगति का आधार है। मैं भी युवा हूं और तथाकथित तद्ठु की परिभाषा में भी आता हूं। मेरे आदर्श स्वामी विवेकानंद हैं। स्वातंत्र्य क्रांति के क्रांतिवीर हैं। भगवान राम और कृष्ण हैं। सरकार से हम सबकी अपेक्षाएं हैं। अपनी मांगों और विरोध के हमारे पास सांविधानिक तौर तरीके हैं। अपनी पीड़ा और आक्रोश की अभिव्यक्ति के माध्यम हैं।

संवाद से ही सुलझेगा युवा असंतोष

(योगेश कुमार गोयल)

20 जुलाई को 'चलो संसद' के दौरान जो कुछ हुआ, उसने इस पूरे संकट को और गहरा कर दिया। युवाओं पर बल प्रयोग, उन्हें रोकने के लिए कठोर उपाय और उनके आक्रोश को नियंत्रित करने की कोशिशें यह दर्शाती हैं कि सरकार समस्या के मूल कारणों को समझने के बजाय उसके लक्षणों से लड़ रही है। 18 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो कुछ हुआ, उसने लोकतंत्र के चेहरे पर कई असहज सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर शांतिपूर्ण, संवैधानिक और नैतिक विरोध के प्रतीक के तौर पर वैज्ञानिक, नवाचारकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक आमरण अनशन पर बैठे थे तो दूसरी ओर राज्य की शक्ति का वह रूप सामने आया, जिसने संवाद की जगह बल प्रयोग को प्राथमिकता दी। जिस तरह से उन्हें सफेद चादर में लपेटकर पुलिस द्वारा जबरन उठाकर अस्पताल ले जाया गया, वह दृश्य केवल एक व्यक्ति के साथ हुई कार्रवाई नहीं थी बल्कि उस पूरी सोच का प्रतीक था, जिसमें असहमति को समस्या मान लिया गया है। सरकार का यह अनुमान कि वांगचुक को हटाने के बाद आंदोलन स्वतः समाप्त हो जाएगा, एक गंभीर राजनीतिक भूल साबित हुआ। इसके विपरीत, इस कार्रवाई ने युवाओं के भीतर दबी हुई असंतोष की आग को हवा दे दी। यह केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि उस गहरे अविश्वास का परिणाम थी, जो पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न मुद्दों पर लगातार पनपता रहा है। जब एक शांतिपूर्ण आंदोलन को इस तरह कुचलने का प्रयास किया जाता है तो यह संदेश जाता है कि सरकार संवाद के बजाय दमन को अधिक प्रभावी मानती है। लोकतंत्र का मूल तत्व यह है कि नागरिकों को अपनी बात कहने, विरोध करने और अपनी मांगों के लिए शांतिपूर्वक संघर्ष करने का अधिकार हो। यह अधिकार केवल संविधान की किताबों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उसका सम्मान व्यवहार में भी होना चाहिए। जब तक कोई आंदोलन हिंसक नहीं होता, तब तक उसे दबाने के बजाय समझने और समाधान निकालने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन जंतर-मंतर की घटना ने यह संकेत दिया कि सरकार इस बुनियादी सिद्धांत से दूर होती जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू युवाओं की प्रतिक्रिया है। आज का युवा केवल भावनाओं से नहीं बल्कि सूचनाओं और जागरूकता से संचालित होता है। वह हर घटना को देखता है, उसका विश्लेषण करता है और फिर अपनी प्रतिक्रिया देता है। सोनम वांगचुक के साथ हुई घटना ने युवाओं को महसूस कराया कि उनकी आवाज को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। यही कारण है कि 'चलो संसद' के आह्वान को अभूतपूर्व समर्थन मिला। यहां यह समझना भी जरूरी है कि यह आक्रोश केवल एक घटना का परिणाम नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में बार-बार पेपर लीक, परीक्षाओं में अनियमितताएं और परिणामों में कथित धांधली ने छात्रों के भविष्य को अस्थिर कर दिया है। नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा, जिस पर लाखों छात्रों का करियर निर्भर करता है, उसमें भी पारदर्शिता पर सवाल उठना बेहद गंभीर मामला है। जब बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं और उनके समाधान में देरी या अस्पष्टता दिखाई देती है तो युवाओं का विश्वास डगमगाना स्वाभाविक है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों से छात्र आत्महत्या के मामले भी बढ़ रहे हैं।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6162

	7			3			1	
1	3	9		8	2		6	
6							8	
7		2						1
			9		4			
8						9		6
	8							5
	5		1	4		2	9	7
	1			9			3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6161

6	1	3	7	5	9	8	2	4
4	8	9	2	1	6	3	7	5
5	2	7	8	3	4	6	1	9
9	6	5	1	7	8	4	3	2
3	7	8	5	4	2	9	6	1
1	4	2	6	9	3	7	5	8
2	5	4	9	6	7	1	8	3
7	9	1	3	8	5	2	4	6
8	3	6	4	2	1	5	9	7

वर्ग पहेली 6162

1	2	3	■	4		5	6
7			8		■	9	
	■	10		■	11		■
12	13	■	14	15			■
		■	17			■	18
■	■	19		■	■	20	
21	22		■	■	23		
24			■	25	■	26	

संकेतः बाएं से दाएं

1. विध्व में सबसे अधिक सहाकरी संस्थाऐं इस देश में है (3)
4. अगुप्तता, पपर्दगी, रहस्यहीनता (4)
7. तौलने वाला, तुलाई कर्मी (5)
9. वे उर्वरक पदार्थ जो खेत को उपजाऊ बनाते है (2)
10. अल्पता, न्यूनता, कसर (2)
11. अति आर्द्र, अधिक गीलापन (2)
12. बहती धारा, अनवतर वर्षा (2)
14. भेंट, उपहार (4)
16. ईशदूत, पैगम्बर, रसूल (2)
17. घोर ध्वनि करना, दहाड़ना, गुंजाना (3)
19. शतरंज की एक चाल (2)
20. किराया लेकर पहुंचाने वाली वाहन (2)
21. सचेत, सावधान, खबरदार (3)
23. जल में उत्पन्न वस्तु (3)
24. अधिकार क्षेत्र, कर्मक्षेत्र, अमलदारी (3)
25. वस्तु, पदार्थ, द्रवय, चीज (1)
26. क्रिकेट से संबंधित शब्द (2)

ऊपर से नीचे

1. भाव की प्रधानता से युक्त (5)
2. धूल, गर्द, पराग के कण (2)
3. मेघ राग की रागिनी, अल्प (3)
4. आनंदित, मनोरंजित, प्रसन्न, तृप्त (2)
5. धोना, धुलाई करना, प्रक्षालय करना (4)
6. नदी को पुल्लिंगवाचाी शब्द (2)
8. घात स्थान, घात गढ्ढा, संधिगुप्त (5)
11. एक प्रकार का गीत, नगमा, गाना (3)
13. बसंत ऋतु की फसल यह कहलाती है (2)
15. न्यायाधीश (अंग्रेजी) (2)
18. मानव शरीर में सबसे अधिक मात्रा में यह तत्व पाया जाता है (4)
19. शकर को यह भी कहा जाता है (3)
20. आंकिक, गणक, संख्यानक, दर्जी (अंग्रेजी)(3)
21. प्रतिध्वनि, हमेशा, फकीर की आवाज (2)
22. निश्चित किया हुआ, ठहराया हुआ (3)

वर्ग पहेली 6161 का हल

अ	म	र	को	ट	■	अ	दा
म	द	■	स	न	म	क	दा
र	न	क	ना	■	ता	रा	■
ना	■	व	■	गा	धि	■	आ
थ	ल	च	र	■	का	नू	न
■	घु	■	म	हा	र	त	■
■	म	जा	क	■	■	न	बी
य	ति	■	ना	लं	दा	■	घा

आज का राशिफल

मेष
आपका नियम से चलने का तरीका आज पैसों के मामले में आपके काम आएगा। बिना वजह के खर्चों को रोकें। जमीन या लंबी बचत से जुड़े कामों में कदम बढ़ाने से पहले थोड़ी और जानकारी जुटा लें। शाम के समय कोई बड़ा आर्थिक वादा न करें। दफ्तर में आपकी जिम्मेदारी और काम को संभालने का तरीका सराहा जाएगा।

वृष
आज सूझबूझ से आगे बढ़ने और आपसी तालमेल का दिन है। आज पैसों की स्थिति ठीक बनी रहेगी। जल्दबाजी में कहीं भी पैसा लगाने से बचें। दिन का पहला हिस्सा बजट को सही से देखने के लिए अच्छा है। शाम के समय कुछ अचानक खर्च सामने आ सकते हैं। अगर आप किसी पेमेंट का इंतजार कर रहे थे, तो उसमें धीरे-धीरे प्रगति दिखेगी।

मिथुन
आज आपकी आर्थिक स्थिति को लंबा फायदा मिलेगा। आज घर के खर्चों पर ज्यादा ध्यान देना पड़ सकता है। पैसों की सही योजना बनाएं। शाम के समय भावुक होकर पैसा खर्च करने से बचें। दफ्तर में बड़े अधिकारियों और अनुभवी साथियों का पूरा साथ मिलेगा।

तुला
आज नए विचारों से धन लाभ के रास्ते खोलेंगे। रहन-सहन को बेहतर करने के चक्कर में बजट से बाहर जाकर खर्च न करें। महंगी चीजें खरीदने से पहले अपनी जरूरतों को दोबारा जांच लें। आज आपका भरोसा दफ्तर में अलग ही चमकेगा। साथियों को साथ लेकर काम करने से अकेले काम करने की तुलना में ज्यादा अच्छे नतीजे मिलेंगे।

वृश्चिक
आज सही प्लानिंग से आपकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आज अपने खातों को दुरुस्त करने और बैंकिंग के काम निपटाने के लिए बढ़िया दिन है। दूसरों की बातों में आकर तुरंत पैसा न लगाएं। आज की छोटी-छोटी बचत आगे चलकर बहुत काम आएगी। किसी भी रिपोर्ट को आगे भेजने से पहले उसे अच्छे से देख लें। सुबह का समय बैठकों के लिए बढ़िया है।

धनु
आज सोचे-समझे निवेश और काम में पक्के इरादों से लाभ होगा।आपको पैसों की स्थिति मजबूत करने की ताकत देंगे। बिना सोचे-समझे खतरा उठाने से बचें और सिर्फ बचत बढ़ाने पर ध्यान दें। जमीन से जुड़ी बातें धीरे-धीरे सही दिशा में आगे बढ़ेंगी। किसी को भी बिना सही कागजात के उधार देने से पूरी तरह बचें।

कर्क
आज सुनी-सुनाई बातों से दूरी और नए विचारों को सराहना दें। इंटरनेट के माध्यम से कमाई के मौके मिल सकते हैं। लेकिन आधी-अधूरी जानकारी के दम पर बड़ा जोखिम न उठाएं। बैंक के लेन-देन और ऑनलाइन पेमेंट करते समय बहुत ध्यान रखें। दफ्तर की मुश्किलों को सुलझाने में आपकी नई सोच बहुत काम आएगी।

सिंह
आज पैसों के मामले में नियम से चलना ही सही रहेगा। पुराने कर्ज कम करने और मुश्किल समय की बचत को मजबूत करने पर ध्यान दें। भावुक होकर कहीं भी पैसा न लगाएं। सही योजना से ही आगे बढ़ें। आपका धीरज और लगन दफ्तर में आदर दिलाएगा। नई चीजें सीखने और जानकारी बढ़ाने के लिए आज का दिन बढ़िया है।

कन्या
आज दिन के पहले हिस्से में आप पैसों का सही संतुलन बना पाएंगे। रुके हुए पैसों की बातचीत आज आगे बढ़ सकती है। दफ्तर में आपके कामकाजी संबंध बढ़िया रहेंगे। सुलझा हुआ व्यवहार आपसी मतभेदों को दूर कर देगा। जरूरी बातें शाम होने से पहले निपटा लें।

मकर
आज आर्थिक कागजात की दोबारा जांच और छिपे हुए मौकों का लाभ उठाएँ।पैसों के मामलों में मन थोड़ा ज्यादा संवेदनशील हो सकता है। डर या जल्दबाजी में आकर कोई भी आर्थिक फैसला न लें। तुरंत मुनाफे के बजाय लंबी अवधि की सुरक्षा पर ध्यान दें। अपने काम को पूरा करने के लिए आज आपका इरादा बहुत मजबूत रहेगा। अपनी जान-पहचान और गुप्त बातचीत से कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं।

कुंभ
आज बातचीत और यात्रा से नए मौके और बड़ों के अनुभवों से मदद मिलेगी। सही योजना से धीरे-धीरे धन लाभ के रास्ते खुलेंगे। किसी मित्र या जानकार से पैसों को लेकर अच्छी सलाह मिल सकती है। घूमने-फिरने या मनोरंजन पर ज्यादा खर्च करने से बचें। अपनी बचत की योजनाओं में बदलाव करने से पहले अच्छे से सोच लें। आपका अच्छा व्यवहार आसपास के लोगों का हौसला बढ़ाएगा।

मीन
आज ऑनलाइन लेन-देन में बड़ी सतर्कता और पुराने अधूरे काम पर फोकस करें।आज किसी भी कागज पर साइन करने से पहले उसे अच्छे से जांच लें। जोखिम वाले कामों में पैसा बिल्कुल न लगाएं। आपका रुका हुआ पैसा वापस मिलने के संकेत हैं। अपने खर्चों पर थोड़ा काबू रखें। बातचीत के मामले में आप अच्छे हैं, लेकिन आज कुछ गलतफहमी हो सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

CJP प्रदर्शन और छात्रों के मुद्दे पर सचिन तेंदुलकर का बयान, शुभमन गिल ने भी कही यह बात

'मेरे पिता भी प्रोफेसर थे...'

नई दिल्ली। भारत की राजधानी दिल्ली में इस वक्त कॉकरोच जनता पार्टी और छात्रों द्वारा नीट पेपर लीक को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। इस मामले ने 20 जुलाई 2026 को तूल पकड़ा जब पुलिस और आंदोलनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई। अब इस मामले पर बॉलीवुड से खेल जगत तक अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर और भारत के वनडे व टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने भी प्रतिक्रिया दी है।

सचिन तेंदुलकर ने छात्रों का समर्थन करते हुए एक्स पर पोस्ट किया और यह भी याद दिलाया कि उनके पिता भी एक प्रोफेसर थे। साथ ही उन्होंने कहा कि देश के भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं का अहम योगदान होने वाला है। इसलिए सभी को मिलकर इसका हल निकालना चाहिए। किसी भी परीक्षा में फेल हो जाएं लेकिन नकल करना सही नहीं है।

सचिन तेंदुलकर का पूरा बयान?

सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर एक नोट पोस्ट करते हुए लिखा, 'मेरे पिता भी एक प्रोफेसर थे। वे कई युवा छात्रों के मार्गदर्शक और गुरु थे। एक सबक जो उन्होंने मुझे शुरुआत में ही सिखाया था, असफल होना ठीक है, लेकिन नकल (चीटिंग) करना नहीं। कभी भी शॉर्टकट मत अपनाओ। समाज के एक बड़े और जिम्मेदार होने के नाते, कल्चर को आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है। जो समाज प्रयास से ज्यादा परिणामों को प्राथमिकता देता है, वह योग्यता (मेरिटोक्रेसी) की जगह शॉर्टकट को तलाशने लगता है।' मास्टर ब्लास्टर ने आगे लिखा, 'आज, जब छात्र इस बात से निराश महसूस करते हैं कि उनकी कड़ी मेहनत का फल उन्हें नहीं मिला है, तो यह स्वाभाविक है। सामूहिक रूप से, हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए कि वे दोबारा कभी ऐसा महसूस न करें। युवा भारत सपनों और ऊर्जा से भरा हुआ है। वे (छात्र और युवा) हमारी सफलता का ईंधन हैं। अंत में सचिन ने पोस्ट में लिखा, 'एक समाज के रूप में, हम सभी, माता-पिता, शिक्षक, मित्र, रिश्तेदार, स्कूल और प्रशासक, की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि हम यह सुनिश्चित करें कि हमारे युवा प्रोत्साहित और ऊर्जावान रहें। 'हमें एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करना चाहिए जहाँ कड़ी मेहनत का सम्मान हो, ईमानदारी को बढ़ावा मिले और योग्यता की जीत हो। मुझे पूरा विश्वास है कि हम सब मिलकर ऐसे समाधान ढूंढ लेंगे जो हमारे बच्चों के भविष्य को मजबूत करेंगे और उनकी महत्वाकांक्षाओं की रक्षा करेंगे।'

आज भारत सीरीज जीतने के करीब जिम्बाब्वे के लिए बड़ी चुनौती

हरारे एजेंसी। भारतीय टीम शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। जबकि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले इस मैच में जिम्बाब्वे के लिए 'करो या मरो' वाली स्थिति होगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली युवा भारतीय टीम ने पहले मैच में 7 विकेट से शानदार जीत के साथ सीरीज पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम ने बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक और जीत भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिला देगी, जबकि हार जिम्बाब्वे को एक और घरेलू सीरीज हार की ओर धकेल देगी।

भारत की शुरुआती जीत जबरदस्त बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी रही। युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार अंदाज बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जड़कर जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया, जबकि ईशान किशन (35) और कप्तान अय्यर (28 नाबाद) ने 40 गेंदें शेष रहते हुए 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

इससे पहले भारत के युवा तेज गेंदबाजो ने मैच का माहौल तैयार किया। मयंक यादव ने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को आउट किया और 18 रन देकर 2 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें "प्लेयर ऑफ़ द मैच" का पुरस्कार मिला। प्रिंस यादव ने दो विकेट लिए, जबकि रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने भी योगदान दिया, जिससे ज़िम्बाब्वे की टीम 7 विकेट पर 125 रन ही बना सकी।

इस शानदार जीत ने भारत के उभरते सितारों पर सबका ध्यान खींचा है। हरारे एक बार फिर देश की अगली पीढ़ी के लिए खुद को साबित करने का मैदान बन गया है, जहाँ सूर्यवंशी और मयंक यादव अब भारत के दबदबे को बनाए रखने और शीर्ष स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने की उम्मीदों को आगे बढ़ा रहे हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के लिए स्थिति साफ है: या तो जीतें या सीरीज हारें। पहले मैच में पारी की पहली ही गेंद पर बेनेट का विकेट गंवाने के बाद सिकंदर रजा की टीम उबर नहीं पाई; सिर्फ़ वेस्ली मधेवेरे (39), तादिवानाशे मारुमनी (27) और रयान बर्ल (26) ने ही कुछ संघर्ष दिखाया।

मेजबान टीम को अपने टॉप ऑर्डर से कहीं बेहतर प्रदर्शन की ज़रूरत होगी, जबकि तेज़ गेंदबाज़ ब्लेसिंग मुज़राबानी और रिचर्ड नगारवा को शुरुआती विकेट लेने होंगे ताकि भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को एक बार फिर मैच पर हावी होने से रोका जा सके।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होने की उम्मीद है और मैच के दौरान मौसम भी साफ रहने का अनुमान है। हालांकि इस मैदान पर आम तौर पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को फायदा मिलता रहा है, लेकिन पहले मैच में भारत की आसान जीत से पता चला कि पिच पूरे समय स्ट्रोक-प्ले के लिए अच्छी रहती है। अपनी मजबूत स्थिति के कारण, भारत इस मैच में सीरीज जीतने की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगा। वहीं, जिम्बाब्वे के पास गलती की कोई गुंजाइश नहीं है; उन्हें जबरदस्त वापसी करनी होगी ताकि वे मुकाबले को तीसरे और निर्णायक टी-20 तक ले जा सकें।

वैभव सबसे युवा अर्धशतकवीर

50 रन
19 बॉल

मयंक की भी यादगार वापसी बतौर कप्तान श्रेयस की पहली जीत

हरारे, एजेंसी। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्डतोड़ अर्धशतक और तेज गेंदबाज मयंक यादव की शानदार वापसी की बदौलत भारत ने गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को सात विकेट से हरा दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की यह पहली जीत रही, जबकि इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 20 ओवर में सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। जवाब में भारत ने 13.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। 15 साल और 118 दिन की उम्र में अर्धशतक जड़कर वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पचास रन बनाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

19

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अभिषेक शर्मा केवल एक रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने आते ही मैच का रुख बदल दिया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर अपनाए और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला। वैभव ने रिचर्ड एनगरावा और ब्लेसिंग मुजारबानी जैसे अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने महज 19 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 50 रन ठोक दिए।

21 महीने बाद मयंक की यादगार वापसी

करीब 21 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने अपनी वापसी को खास बना दिया। उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। ऑन-फील्ड अंपायर ने बल्लेबाज को नॉट आउट दिया था, लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया। इसके साथ ही मयंक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह (टी20 विश्व कप 2024 बनाम अमेरिका) और हार्दिक पांड्या (एशिया कप 2025 बनाम पाकिस्तान) ने हासिल की थी।

यादव ने 18 रन देकर दो विकेट झटके

145 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले मयंक ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने डियन मायर्स को भी अपनी तेज रफ्तार से परेशान करते हुए पवेलियन भेजा और चोट से वापसी के बाद अपनी फिटनेस और गति दोनों का शानदार परिचय दिया।भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे पर दबाव बनाए रखा। मयंक यादव ने पहली गेंद पर विकेट लेकर मेजबान टीम को झटका दिया, जबकि प्रिंस यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए। शिवम दुबे और रवि बिश्नोई को एक-एक सफलता मिली। डेब्यू कर रहे अशोक शर्मा ने शुरुआती ओवर में रन जरूर खर्च किए, लेकिन बाद में अच्छी वापसी की।

जोस बटलर ने क्रिस गेल को छोड़ दिया पीछे

T20 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने गुरुवार (23 जुलाई) को रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा लिया। वह क्रिस गेल को पीछे छोड़कर लॉर्ड्स में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स और लंदन स्पिरिट के बीच द हंड्रेड 2026 के मैच में टी20 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। हालांकि, बटलर ने 11 गेंदों पर सिर्फ 16 रन बनाए। इसमें एक चौका और एक छक्का शामिल था। जोस बटलर के अब 487 टी20 पारियों में 146.74 के स्ट्राइक रेट से 14,572 रन हैं। उन्होंने 102 अर्धशतक और 9 शतक शामिल हैं। गेल को इसी साल कीरोन पोलार्ड ने पीछे छोड़ा था और टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए थे। गेल के 455 पारियों में 14,562 रन हैं। वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं।

चाइना ओपन में सिंधु को करना पड़ा हार का सामना

पीवी दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 1000 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु चाइना ओपन में अपना विजयी अभियान जारी नहीं रख पाईं। दूसरे दौर में उन्हें मेजबान चीन की चेन युफेई के खिलाफ 21-16, 20-22, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।पीवी सिंधु दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं। इसके बाद युफेई ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का चाइना ओपन सुपर 1000 में सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया।

शानदार शुरुआत, पहले गेम में की दमदार वापसी- पीवी सिंधु के लिए मुकाबले की शुरुआत आसान नहीं रही। वह पहले गेम में 6-12 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि चेन युफेई आसानी से बढ़त बना लेंगी, लेकिन कोच इरवांश्या के मार्गदर्शन के बाद पीवी सिंधु ने अपनी रणनीति बदली और लगातार क्रॉस-कोर्ट शॉट्स से चीनी खिलाड़ी को कोर्ट के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ाया।

● **दूसरे गेम में 4 मैच पॉइंट भी नहीं दिला सके जीत-** दूसरे गेम में भी पीवी सिंधु पूरे समय हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और एक समय स्कोर 20-16 कर लिया। यानी उनके पास मुकाबला खत्म करने के लिए चार मैच पॉइंट थे, लेकिन यहीं से मैच का रुख बदल गया। ओलंपिक चैंपियन रह चुकीं चेन युफेई ने जबरदस्त धैर्य दिखाया और लगातार छह अंक जीतकर गेम 22-20 से नाम कर लिया। इस दौरान पीवी सिंधु ने कुछ जल्दबाजी भरे फैसले किये और दो बार शटल को बाहर समझकर छोड़ दिया, लेकिन वह लाइन के अंदर गिरी।

● **निर्णायक गेम में 15-13 की बढ़त भी नहीं बचा सकीं-** निर्णायक गेम में भी पीवी सिंधु ने हार नहीं मानी। पीवी सिंधु ने 15-13 तक बढ़त बना ली थी और जीत की ओर बढ़ती दिख रही थीं। हालांकि, लगातार सातवां मैच खेल रही पीवी सिंधु पर थकान साफ दिखाई देने लगी। पीवी सिंधु के स्मैश में पहले जैसी ताकत नहीं रही और कई आक्रमण नेट में फंस गए। दूसरी ओर, घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहीं चेन युफेई ने आत्मविश्वास के साथ वापसी की और लगातार अंक जुटाते हुए तीसरा गेम 21-18 से जीत लिया।

● **सुधार की जरूरत भी आई सामने-** इस मुकाबले ने यह भी दिखाया कि पीवी सिंधु का आक्रामक खेल अब भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने की क्षमता रखता है। हालांकि, मैच खत्म करने के अहम मौकों पर संयम बनाए रखना उनके लिए अभी बड़ी चुनौती है। चार मैच पॉइंट हासिल करने के बाद मिली यह हार पीवी सिंधु के लिए निराशाजनक जरूर रही, लेकिन जापान ओपन के खिताब और चाइना ओपन में चेन युफेई जैसी मजबूत खिलाड़ी के खिलाफ उनके प्रदर्शन ने यह संकेत भी दिया कि वह फिर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय की ओर लौट रही हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत की जीत से शुरुआत

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों ने लॉन बॉल्स में जीत से शुरुआत की है। अब दूसरे राउंड का मैच शुक्रवार को दूसरे दिन होगा। पहले दिन पुतुल सोनोवाल ने लॉन बॉल्स पुरुष एकल स्पर्धा में कनाडा के 2023 विश्व चैंपियन रयान बेस्टर को टाई-ब्रेक में हराकर बड़ा उलटफेर किया जिससे भारत ने गुरुवार को विजयी आगाज किया। वहीं रूपा रानी टिर्की और पिंकी ने महिला पेयर्स बॉल्स स्पर्धा में माल्टा को रोमांचक टाई-ब्रेक में हरा दिया। राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण कर रहे पुतुल ने पहला सेट 5-4 से अपने नाम किया।

न्यूज़ बाइट्स

शराबबंदी मामले में नामजद आरोपी गिरफ्तार

रफीगंज (औरंगाबाद)(नि. सं.)। पौथू थाना पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत दर्ज एक मामले में कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पौथू थाना क्षेत्र के ईटार गांव निवासी रामप्रवेश रवानी के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी के विरुद्ध पौथू थाना कांड संख्या 71/26 दिनांक 20 जुलाई 2026 को बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 30(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। दर्ज मामले में आरोपी की संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की गई है। पूछताछ के दौरान प्राप्त तथ्यों के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत के लिए न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। थानाध्यक्ष ने कहा कि बिहार में लागू शराबबंदी कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जिलेभर में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। शराब के अवैध निर्माण, बिक्री, परिवहन और सेवन से जुड़े मामलों में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भाकपा-माले ने दाउदनगर में रद्द किए सारे कार्यक्रम

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। भाकपा (माले) ने दाउदनगर में 24 जुलाई को निर्धारित अपने सारे कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। पार्टी के दाउदनगर नगर सचिव बिरजू चौधरी ने इस संबंध में शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंत्र पर छात्रों के विरुद्ध दिल्ली पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज को लेकर आइसा और आर. वाई. ए. के आह्वान पर शनिवार को पटना सहित बिहार बंद का ऐलान किया गया है। भाकपा-माले भी इस बंद का समर्थन करेगी। बताया कि इस लेकर जिला कमिटी की एक आपात बैठक बुलाई गई है। लिहाजा 24 जुलाई को प्रस्तावित नगर कमिटी की बैठक समेत मुख्य पार्षद व कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद दाउदनगर के पुतला दहन कार्यक्रम को स्थगित किया गया है।

परिजनों का आरोप- यह सामान्य मौत नहीं, साजिश की आशंका

ढाबा कर्मी की संदिग्ध मौत से सनसनी, निष्पक्ष जांच की मांग

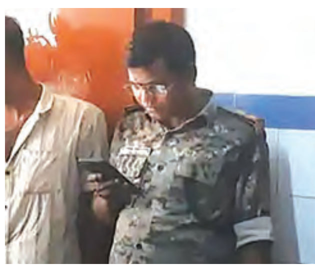

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

बारुण थाना क्षेत्र में एनएच-19 स्थित एक ढाबे पर कार्यरत छत्तीसगढ़ निवासी एक कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के पुंजीपत्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत गेरवानी गांव निवासी दलबीर सिंह (48) के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतक के पुत्र राजेंद्र सिंह और दामाद दीपक ने बताया कि गुरुवार शाम ढाबा संचालक राजवीर का फोन आया था, जिसमें दलबीर सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ने की सूचना दी गई। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि दलबीर सिंह पूरी तरह स्वस्थ थे और उन्हें किसी गंभीर बीमारी की शिकायत नहीं थी। ऐसे में उनकी अचानक हुई मौत संदेह पैदा करती है। उनका आरोप है कि यह सामान्य मौत नहीं, बल्कि हत्या का मामला हो सकता है। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने की मांग की है। बताया जाता है कि दलबीर सिंह पहले ढाबा मालिक की गाड़ी चलाते थे और बाद में उसी ढाबे में काम करने लगे थे। वह लंबे समय से वहीं कार्यरत थे। घटना की सूचना मिलने पर बारुण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

बारुण थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम कराया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। यदि जांच या पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किसी आपराधिक साजिश या हत्या की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

जोगड़ी मोड़ पर टेम्पो-टोटो की टक्कर, बच्ची समेत पांच घायल

निज संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

मदनपुर थाना क्षेत्र के खिरियावां-रफीगंज मुख्य मार्ग स्थित जोगड़ी मोड़ के पास शुक्रवार दोपहर टेम्पो और टोटो की आमने-सामने की टक्कर में पांच वर्षीय बच्ची समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मदनपुर में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति सामान्य बताई गई।

जानकारी के अनुसार, एक टोटो सलैया की ओर से आ रहा था, जबकि दूसरा टेम्पो खिरियावां मोड़ से सलैया की ओर जा रहा था। जोगड़ी मोड़ के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों में सवार कई लोग घायल हो गए। घायलों में सैलवां गांव निवासी करीना कुमारी (5), महेंद्र रिकियासन, पार्वती देवी, रतिलाल रिकियासन तथा सलैया थाना क्षेत्र के बैजू बिगहा निवासी वीरेंद्र सिंह शामिल हैं। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ. रविकांत ने उनका उपचार किया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों और जोगड़ी मोड़ पर सुरक्षा इंतजामों की कमी को दुर्घटना का कारण बताते हुए प्रशासन से आवश्यक सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

बिहार बंद के मद्देनजर 25-26 जुलाई तक जिले के सभी स्कूल-कॉलेज बंद

बिना अनुमति प्रदर्शन पर होगी कार्रवाई, प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार बंद के आह्वान को देखते हुए औरंगाबाद जिला प्रशासन ने एहतियातन 25 एवं 26 जुलाई को जिले के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। जिला दंडाधिकारी सह डीएम अभिलाषा शर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा-163 के तहत यह आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालय, महाविद्यालय, कोचिंग संस्थान, प्री-स्कूल तथा आंगनबाड़ी केंद्र दो दिनों तक पूरी तरह बंद रहेंगे। सभी शिक्षण संस्थानों के प्रधानों एवं संचालकों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचाव के उद्देश्य से लिया गया है।

इस बीच, 24 जुलाई को विभिन्न संगठनों द्वारा बुलाए गए बंद का जिले में कोई खास असर नहीं दिखा। बाजार सामान्य रूप से खुले रहे, यातायात सुचारु रहा और जनजीवन पूरी तरह सामान्य रहा। हालांकि सुरक्षा के मद्देनजर शहर के प्रमुख चौक-चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। गश्ती दल लगातार शहर में भ्रमण करते रहे और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई। शनिवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट संगठन एवं इंकलाबी नौजवान सभा द्वारा बिहार बंद का आह्वान किया गया है, जिसे भाकपा (माले) का समर्थन प्राप्त है। इसके अलावा भीम आर्मी एकता मिशन सहित अन्य संगठनों के भी प्रदर्शन की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क है। सभी थाना क्षेत्रों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है तथा अतिरिक्त पुलिस बल को भी तैयार रखा गया है।

नगर थानाध्यक्ष बबन बैठा के नेतृत्व में शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं ताकि किसी भी स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। अनुमंडल पदाधिकारी गौरव सिंह ने कहा कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार का धरना-प्रदर्शन, सड़क जाम, जबरन दुकानें बंद कराना या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कानून का उल्लंघन माना जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने, अफवाहों से दूर रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

डीएलएड व बीबीओएसई परीक्षा यथावत

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि इस अवधि में डीएलएड (फेस-टू-फेस) परीक्षा 2026 एवं बीबीओएसई की प्रायोगिक परीक्षा 2026 पूर्व निर्धारित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार अपने निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर संचालित होगी। सभी केन्द्राधीक्षक, प्रतिनियुक्त शिक्षक एवं कर्मी समय पर परीक्षा केन्द्रों पर उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करेंगे। साथ ही सभी परीक्षार्थियों को निर्धारित समय पर परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होकर पूर्ण शुचिता एवं अनुशासन के साथ परीक्षा में सम्मिलित होने का निर्देश दिया गया है।

विद्यार्थियों को अफवाहों से दूर रहने का संदेश
कोचिंग संचालकों के साथ पुलिस ने की बैठक

निज संवाददाता | दाउदनगर (औरंगाबाद)

दाउदनगर के पुराना शहर स्थित ज्ञान ज्योति शिक्षण केन्द्र में शुक्रवार को दाउदनगर प्रखंड के विभिन्न कोचिंग संस्थानों के निदेशकों के साथ थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बैठक कर विद्यार्थियों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की। बैठक का उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखना था। बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि दाउदनगर की पहचान अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शांतिपूर्ण माहौल के लिए रही है। यहां के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर क्षेत्र का नाम राज्य और देशभर में रोशन किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र का भविष्य प्रभावित नहीं होना चाहिए और ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए, जिससे उन पर कानूनी कार्रवाई की नौबत आए।

उन्होंने कोचिंग संचालकों से अपने-अपने संस्थानों में विद्यार्थियों को कानून का सम्मान करने, भ्रामक सूचनाओं से सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार के उकसावे या अवैध गतिविधियों से दूर रहने के लिए जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विद्यार्थियों की सबसे बड़ी पूंजी है और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सकारात्मक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। थानाध्यक्ष ने अभिभावकों और विद्यार्थियों से भी किसी भी अफवाह पर विश्वास नहीं करने तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर शांति व्यवस्था बनाए रखी जा सके। बैठक के अंत में समाज में शांति, सद्भाव और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए थानाध्यक्ष विकास कुमार ने विभिन्न कोचिंग संस्थानों के निदेशकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. चंचल कुमार सहित दाउदनगर प्रखंड के कई कोचिंग संस्थानों के संचालक एवं निदेशक उपस्थित रहे।

उर्वरक की कालाबाजारी रोकने को अधिकारियों व थोक विक्रेताओं के साथ हुई बैठक

अधिक कीमत पर खाद बेचने वालों पर होगी एफआईआर : एसडीओ

- यूरिया का अधिकतम मूल्य 266.50 और डीएपी का 1,350 प्रति बैग निर्धारित।
- शिकायत मिलने पर तत्काल जांच और विधिसम्मत कार्रवाई होगी।

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

दाउदनगर अनुमंडल कार्यालय सभाकक्ष में शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी अमित राजन की अध्यक्षता में धरती माता बचाओ निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल के सभी थोक उर्वरक विक्रेताओं, प्रखंड कृषि पदाधिकारियों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य किसानों को समय पर उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराना तथा कालाबाजारी और अधिक मूल्य वसूली पर रोक लगाना था। बैठक में एसडीओ ने थोक उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में उर्वरक की जमाखोरी नहीं की जाए और खुदरा विक्रेताओं को सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही खाद उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी किसान या विक्रेता को अन्य उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। एसडीओ ने प्रखंड कृषि पदाधिकारियों को प्रतिदिन उर्वरक दुकानों का निरीक्षण करने का निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बिक्री या किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर तत्काल कार्रवाई कर इसकी सूचना अनुमंडल कार्यालय को दें। बैठक में किसानों को रासायनिक उर्वरकों का संतुलित एवं आवश्यकता के अनुरूप उपयोग करने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया, ताकि मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहे।

अनुमंडल कृषि पदाधिकारी रजनीकांत भारती ने बताया कि खुदरा विक्रेताओं की ओर से थोक विक्रेताओं द्वारा निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध नहीं कराने की शिकायतें मिलती रही हैं। इस पर एसडीओ ने चेतावनी दी कि सरकार द्वारा तय कीमत से अधिक दर पर उर्वरक बेचने की शिकायत मिलने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एसडीओ ने बताया कि सरकार ने यूरिया का अधिकतम खुदरा मूल्य 266.50 रुपये प्रति बैग तथा डीएपी का मूल्य 1,350 रुपये प्रति बैग निर्धारित किया है। इससे अधिक कीमत वसूलने वाले दुकानदारों के खिलाफ जांच कर प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद की उपलब्धता और उचित मूल्य सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी समस्या की स्थिति में किसान संबंधित प्रखंड कृषि पदाधिकारी अथवा अनुमंडल कृषि पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। बैठक में दाउदनगर के प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनिल कुमार, गोह के राहुल कृष्णमूर्ति, हसपुरा के रंजीत कुमार, प्रक्षेत्र दाउदनगर के सत्यम आनंद, कृषि विभाग के अकाउंटेंट श्रीकांत कुमार सिंह सहित अनुमंडल के सभी थोक उर्वरक विक्रेता उपस्थित थे।

एचआईवी संक्रमण की रोकथाम को लेकर राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक, जांच व उपचार में तेजी लाने के निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में एचआईवी/एड्स नियंत्रण कार्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को परियोजना निदेशक, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति, पटना की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में औरंगाबाद से उप विकास आयुक्त कुमारी अनुपमा सिंह, जिला एड्स नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. रविरंजन तथा एआरटी केंद्र के डाटा मैनेजर ओम प्रकाश सिंह शामिल हुए।

बैठक में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत निर्धारित प्रथम 95, द्वितीय 95 एवं तृतीय 95 लक्ष्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अधिक से अधिक एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए चिन्हित उच्च जोखिम वाले समूहों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित रूप से दिवसीय और रात्रिकालीन स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएं। समीक्षा के दौरान एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों को समय पर एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) से जोड़ने, उपचार की निरंतरता बनाए रखने तथा गर्भवती महिलाओं से नवजात शिशुओं में संक्रमण की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया गया। बैठक में विभिन्न सहयोगी संस्थाओं एवं विकास साझेदारों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर जागरूकता, जांच, परामर्श और उपचार सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि समय पर जांच, सही उपचार और व्यापक जनजागरूकता के माध्यम से ही एचआईवी संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण संभव है तथा जिले में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के लक्ष्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया जा सकता है।

अवैध पिस्तौल रखने के मामले में युवक दोषी करार

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि.स.)। दाउदनगर अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी विकास कुमार की अदालत ने दाउदनगर थाना कांड संख्या 685/2025 में अवैध हथियार रखने के मामले में अभियुक्त पवन कुमार उर्फ गोलू को दोषी ठहराया है। पवन को दाउदनगर थाना की पुलिस ने 2 देसी निर्मित पिस्तौल (कट्टा) के साथ गिरफ्तार किया था। माननीय न्यायालय ने अभियुक्त की आयु लगभग 22 वर्ष होने, उसके विरुद्ध पूर्व में कोई आपराधिक इतिहास नहीं होने एवं उसमें सुधार होने की संभावना को देखकर नरम रुख अपनाते हुए उसे आर्म्स एक्ट की धारा 25 (1-बी)(ए) के तहत 2 वर्ष का कारावास और 3,000 रुपए का अर्थदंड तथा धारा 26 के तहत 1 वर्ष का कारावास और 2,000 रुपए की अर्थदंड की सजा सुनाई है। दोनों सजाएं एक साथ चलेंगी।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना, नीट पेपर लीक व छात्र आंदोलन पर उठाए सवाल

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

जिले के अंबा में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान कांग्रेस के पूर्व विधायक एवं जिलाध्यक्ष आनंद शंकर सिंह ने केंद्र सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 70 वर्षों से अधिक समय तक देश और जनता के हित में कार्य किया, जबकि वर्तमान केंद्र सरकार सत्ता में आने के बाद से लगातार कांग्रेस के खिलाफ लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। आनंद शंकर सिंह ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में 90 से अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, जिससे लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ। उन्होंने कहा कि इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई और नैतिकता के आधार पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की सक्रियता तब दिखाई दी, जब सोनम वांगचुक ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर लंबा अनशन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलनों को बल प्रयोग के जरिए दबाने की कोशिश की जा रही है, जबकि लोकतंत्र में सभी को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है। उन्होंने कहा कि देशभर में चल रहे आंदोलनों से स्पष्ट है कि जनता सरकार की नीतियों से असंतुष्ट है और कांग्रेस जनता के मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी।

कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद शर्मा ने भी भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा आम जनता, युवाओं और छात्रों के हितों के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक के विरोध में आंदोलन कर रहे छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय सरकार उन पर बल प्रयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता सब कुछ देख रही है और समय आने पर इसका जवाब देगी। अंबा में आयोजित समारोह में कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद शर्मा तथा नव नियुक्त कुटुंबा प्रखंड अध्यक्ष मिथिलेश कुमार का अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मिथिलेश कुमार ने तथा संचालन एससी-एसटी जिलाध्यक्ष अजय राम ने किया। इस दौरान स्थानीय कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय बनी रही।

जनता दरबार में डीएम ने सुनीं लोगों की समस्याएं

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में सात निश्चय-3 के तहत सबका सम्मान–जीवन आसान पहल के अंतर्गत जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे डीएम के समक्ष रखीं। जनता दरबार में दाखिल-खारिज, अतिक्रमण, भूमि विवाद, भूमि मापी, जमाबंदी, एलपीसी निर्गत करने, राशन कार्ड, सड़क एवं नाली-गली निर्माण, आंगनबाड़ी सेविका बहाली, मानदेय भुगतान, पैक्स, इंदिरा आवास, अनुग्रह अनुदान, परिमार्जन सहित अन्य जनहित से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई। जिला पदाधिकारी ने सभी प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए निर्देश दिया कि प्रत्येक मामले का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को परिवादों की नियमित समीक्षा कर आम नागरिकों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देने को कहा। जिला प्रशासन ने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का शीघ्र समाधान और पारदर्शी प्रशासन उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

12 दिव्यांग महिलाओं को मिली नि:शुल्क सिलाई मशीन, आत्मनिर्भर बनने का मिला संदेश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

एनएलआर इंडिया फाउंडेशन के तत्वावधान में शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल भवन में दिव्यांग महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था द्वारा पूर्व में सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी 12 दिव्यांग महिलाओं के बीच निःशुल्क सिलाई मशीनों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. चंद्रमणि अक्षय कुमार प्रजापति थे। वहीं, विशिष्ट अतिथियों में जीविका के प्रबंधक (सामाजिक विकास) सुरेश चौधरी तथा बिहार विकलांग अधिकार मंच के अध्यक्ष सुखराम सिंह शामिल हुए। अतिथियों ने लाभार्थी महिलाओं को सिलाई मशीन का उपयोग कर स्वरोजगार अपनाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं समर्पण के साथ कार्य करें तो सिलाई के माध्यम से प्रतिदिन 100 से 200 रुपये तक की आय अर्जित कर सकती हैं। साथ ही आय के अन्य छोटे-छोटे स्रोत विकसित कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने पर भी बल दिया गया।

कार्यक्रम में सभी प्रखंडों के डीडी कोऑर्डिनेटर विजय साहू, सागर कुमार, विनोद सिंह, नंदलाल रजक, अरविंद कुमार एवं रंजीत कुमार उपस्थित रहे। सिलाई मशीन प्राप्त करने वाली महिलाओं में बीना देवी, सविता कुमारी, दीपा कुमारी, अमृता कुमारी, पुष्पा देवी सहित कुल 12 दिव्यांग महिलाएं शामिल थीं। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांग महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर, सम्मानजनक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था।

भू-अर्जन से जुड़े सभी पहलुओं पर रैयतों को किया गया जागरूक

औरंगाबाद(एसवीवी.सं.)। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी शुभेंद्र कुमार झा ने जिले में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं के अंतर्गत भूमि अधिग्रहण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों के लिए भू-अर्जन की प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप पारदर्शी तरीके से संचालित की जा रही है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया, प्रभावित रैयतों के अधिकार, मुआवजा भुगतान की व्यवस्था तथा प्रशासन द्वारा की जा रही आवश्यक कार्रवाई की विस्तार से जानकारी दी।

निपुण भारत मिशन प्रशिक्षण का शुभारंभ

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

बारुण प्रखंड संसाधन केंद्र के तत्वावधान में निपुण भारत मिशन के तहत एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) का एक दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि उसे व्यवहार में उतारकर बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के अंतिम पायदान पर खड़े बच्चे के भविष्य के निर्माता हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान को मजबूत बनाना है, ताकि कक्षा 1 से 5 तक के बच्चे पढ़ने, लिखने और गणित की मूलभूत दक्षताओं में निपुण बन सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रथम फाउंडेशन के मास्टर ट्रेनर राकेश कुमार गुप्ता एवं डॉली कुमारी ने एफएलएन की शिक्षण पद्धतियों पर विस्तार से जानकारी दी।